जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 49 संख्याः 264 प्रभात कोटा, रविवार 7 जुलाई, 2024 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

काफी रोचक रहेगा जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव इस बार

भाजपा अपने घोषणा पत्र में वादा कर रही है कि, पाकिस्तान से पी.ओ.के. (पाक अधिकृत कश्मीर) वापस लेगी

- लग रहा है कि, भाजपा गंभीर है कि, सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अनुपालना में 30 सितम्बर से पहले जे. एण्ड के. में विधानसभा चुनाव संपूर्ण हो जायें।
- ऐसा लग रहा है कि, 19 अगस्त को अमरनाथ यात्रा पूरी हो जाने के बाद, चुनाव का कार्यक्रम घोषित कर दिया जायेगा। इस बार जे. एण्ड के. विधानसभा की सीटें बढ़ाकर 114 कर दी गईं, इनमें 24 सीटें पी.ओ.के. (पाक अधिकृत कश्मीर) में हैं।
- चुनाव की तैयारी में जे. एण्ड के. के भाजपा के प्रभारी किशन रेड्डी और तरूण चुग ने रणनीति तैयार करने के लिये प्रदेशाध्यक्ष से मंत्रणा शुरु कर दी है तथा नड्डा भी श्रीनगर जा रहे हैं, प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में भाग लेने।
- पी.डी.पी. की महबूबा मुफ्ती की हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में अनंतनाग-रजौरी में तथा उमर अब्बदुल्लाह की अपनी लोकसभा सीट पर पराजय से भाजपा काफी उत्साहित है।

- श्रीनंद झा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 जुलाई। जम्मू व कश्मीर के आगामी विधान सभा चुनावों में भाजपा अपने चुनावी घोषणापत्र में पाकिस्तान के कब्जे वाले भाग "पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर" को "वापस अपने कब्जे" में लेने का वादा शामिल कर सकती है।

केन्द्र सरकार को लगता है सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित 30 सितम्बर की मियाद तक देश के उत्तरी राज्यों में चुनाव कराने के आदेश का सम्मान करने को तैयार है। पिछले साल 11 दिसम्बर को सुप्रीम कोर्ट ने देश के चुनाव को 30 सितम्बर 2024 तक चुनाव कराने का निर्देश दिया था। उम्मीद की जाती है कि चुनाव आयोग वर्तमान में चल रही अमरनाथ यात्रा के 19 अगस्त को समाप्त होने के बाद चुनावों की तारीखों का ऐलान करेगा।

कुछ समय पहले एक साक्षात्कार गृहमंत्री अमित शाह ने 30 सितम्बर तक इस वर्ष वादा किया था और चुनाव कराने का और इसके बाद राज्य का दर्जा बहाल करने का वादा किया था। वर्ष 2019 में, जम्मू व कश्मीर को दो भागों में बांट दिया गया था और इसको केन्द्र शासित प्रदेश बना दिया था। अभी हाल ही में भाजपा की तरफ से जम्मू व कश्मीर में राजनीतिक गतिविधियों को तीव्र गति से बढ़ाया गया है। पार्टी के प्रदेश चुनाव प्रभारी जी. किशन रेड्डी व प्रभारी तरुण चुघ ने हाल ही में जम्मू में राज्य के भाजपा नेताओं के साथ चुनावी रणनीति को लेकर बैठक की थी।

इस बीच, भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा शनिवार को जम्मू के दौरे पर गए, जहां वे प्रदेश भाजपा की कार्यकारिणी समिति की बैठक को सम्बोधित करेंगे।

भाजपा जम्मू व कश्मीर में चुनावों से पूर्व कोई गठबंधन किए बगैर विधानसभा की 90 सीटों पर अपने दम पर अकेले चुनाव लड़ने की योजना बना रही है परन्तु संभावना है कि चुनावों के पश्चात "समान विचारधारा वाली पार्टियों" के साथ गठबंधन अस्तित्व में आ सकता है।

इस सप्ताह के पूर्वार्ध में, भाजपा के वरिष्ठ नेता जे.पी.नड्डा व अमित शाह ने प्रदेश इकाई के नेताओं के साथ पार्टी की चुनावी रणनीति पर चर्चा की थी और इसके साथ ही उन्हें चुनावों के लिए "तैयार रहने" का निर्देश दिया था। संयोगवश, राज्य की विधानसभा में सीटों की संख्या बढ़कर 114 हो गई है इनमें से 24 सीटें पाकिस्तान अधिकृत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केन्द्रीय बजट 23 जुलाई को पेश होगा

नई दिल्ली, 6 जुलाई। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए केंद्रीय बजट 23 जुलाई को लोकसभा में पेश किया जाएगा। वहीं संसद का बजट सत्र 22 जुलाई से शुरू होकर 12 अगस्त के बीच आयोजित किया जाएगा। तारीखों की घोषणा संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने की।

रिजिजू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारत की माननीय राष्ट्रपति ने

- केन्द्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिये बताया कि बजट सत्र 22 जुलाई से शुरू होकर 12 अगस्त के बीच आयोजित होगा।

भारत सरकार की सिफारिश पर बजट सत्र, 2024 के लिए संसद के दोनों सदनों को 22 जुलाई, 2024 से 12 अगस्त, 2024 तक बुलाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पूर्ण बजट पेश करेंगी। उन्होंने 1 फरवरी को संसद में अंतरिम बजट पेश किया गया था। लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री के रूप में नियुक्त की गईं सीतारमण लगातार सात केंद्रीय बजट पेश करने वाली पहली शख्सियत बन जाएंगी। वह मोरारजी देसाई को पीछे छोड़ देंगी जिन्होंने लगातार छह बजट पेश किए थे। बता दें कि आम चुनाव 2024 के बाद 24 जून से संसद का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राज्यपाल व विधानसभा स्पीकर के बीच अहम् की लड़ाई हास्यास्पद स्थिति तक पहुंची

उपचुनाव जीतकर आए दो नये विधायकों को शपथ कौन दिलायेगा, इसका हल संविधान तथा विधानसभा की परम्पराओं के बीच लटकता रहा

- मतगणना के बाद, रिज़ल्ट घोषित हो गया था, पर, राज्यपाल ने व्यवस्था दी कि दोनों नये विधायक उनके निवास पर आकर शपथ ग्रहण करें तथा शपथ दिलाने की जिम्मेवारी राज्यपाल ने डिप्टी स्पीकर को दी।
- विधानसभाध्यक्ष ने राज्यपाल को नीचा दिखाने की दृष्टि से विधानसभा का विशेष सत्र आहूत कर स्वयं नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिला दी।
- विधानसभाध्यक्ष ने दलील दी कि, विधानसभा केवल रूल्स से ही नहीं, संविधान के अनुसार चलती है।
- चर्चा है कि, शायद मामला सुप्रीम कोर्ट तक जाये।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 जुलाई। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) और राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस के बीच चल रहा विवाद टी.एम.सी. के दो और विधायकों के शपथ ग्रहण के बाद आज और गहरा गया। राज्य विधानसभा के स्पीकर बिमान बनर्जी द्वारा सयंतिका बनर्जी और रेवात हुसैन सरकार को विधायक पद की शपथ दिलाने के बाद राज्यपाल ने सत्तारूढ़ पार्टी की आलोचना की।

सयंतिका बनर्जी और सरकार क्रमशः बड़ानगर और भगवानगोला निर्वाचन निर्वाचन क्षेत्रों से उपचुनाव जीते थे। इन उपचुनावों के नतीजे गत 5 जून को घोषित हुए थे। इनका शपथ ग्रहण तभी से लम्बित था, लेकिन सत्तारूढ़ तृणमूल और राज्यपाल कार्यालय के कारण इस पर सभी का फोकस था। स्पीकर बिमान बनर्जी ने अन्ततः उन्हें शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह के बाद तृणमूल के विधायकों ने सदन में "जय बांग्ला" के नारे लगाए।

तथापि, उसके बाद राज्यपाल बोस ने कहा कि राज्यपाल के दफ्तर द्वारा उनके अधीनस्थ आशीष बनर्जी की नियुक्ति किए जाने के बावजूद स्पीकर ने शपथ दिलवाकर संवैधानिक प्रक्रिया का उल्लंघन किया है। फिर भी, आशीष बनर्जी ने यह उल्लेख कर ऐसा करने से इंकार किया कि स्पीकर द्वारा शपथ दिलाये जाने के पूर्व उदाहरण मौजूद हैं।

बोस ने कहा है कि "स्पीकर द्वारा दो नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाये जाने से हुई संवैधानिक अनीति को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक रिपोर्ट भेजी जाएगी।' बोस ने सोशल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अल्पसंख्यक विद्यार्थियों को विदेश पढ़ने भेजेगी तेलंगाना सरकार

मुख्यमंत्री रैवन्त रेड्डी ने अल्पसंख्यकों के लिए एक कल्याणकारी योजना घोषित की है

- यह योजना मई 2015 में तात्कालीन मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव ने घोषित की थी जिसके तहत अल्पसंख्यकों को विदेशों में पढ़ने के लिए 20 लाख रूपए तक की सहायता दी जाती है।
- राज्य सरकार ने कहा है कि, छात्रवृत्ति के लिए 8 जुलाई से 7 अगस्त तक आवेदन किया जा सकेगा।
- राज्य सरकार के इस फैसले ने भाजपा को कांग्रेस पर "मुस्लिम तुष्टीकरण" का आरोप लगाने का मौका दे दिया है।

- लक्ष्मण वैंकट कुची -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 जुलाई। तेलंगाना में रेवन्त रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार अल्पसंख्यकों के लिये एक रूटीन कल्याणकारी योजना लेकर आई है जिसे लेकर विपक्षी भाजपा इसे "अल्पसंख्यक तुष्टीकरण" बताते हुये, जबरदस्त प्रहार कर सकती है। राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री की "ओवरसीज स्कॉलरशिप स्कीम" के तहत, अल्पसंख्यक विद्यार्थियों से विदेश में अध्ययन करने में सहयोग/सहायता के लिये आवेदन पत्र मांगे हैं। यह योजना के चन्द्रशेखर राव के नेतृत्व वाली तेलंगाना राष्ट्र समिति सरकार ने 2015 में आरम्भ की थी।

19 मई, 2015 को राज्य सरकार ने एक विस्तृत गवर्नमैंट ऑर्डर एमएस नं. 24 के तहत यह योजना शुरू की थी। इसका उद्देश्य विदेशों में उच्च अध्ययन के लिये अल्पसंख्यक विद्यार्थियों को सहयोग देना था। यह योजना अमेरिका, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, कैनाडा, सिंगापुर, जर्मनी, दक्षिण कोरिया, जापान, फ्रांस तथा न्यूजीलैंड के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में पोस्ट ग्रेजुएट तथा पी.एचडी. कोर्स करने में पात्र अल्पसंख्यक विद्यार्थियों की मदद करती है। इस योजना के अन्तर्गत चयनित उम्मीदवारों को 20 लाख रुपए तक की छात्रवृत्ति या वास्तविक ट्यूशन फीस, जो भी कम हो, प्रदान किए जाते हैं।

राज्य सरकार ने अधिसूचना जारी की है कि 'स्प्रिंग ऑफ 2024' के लिये आवेदन पत्र स्वीकार किए जायेंगे। अधिसूचना के अनुसार आवेदन खिड़की 8 जुलाई से 7 अगस्त तक खुली रहेगी तथा जिन पात्र विद्यार्थियों ने 1 जनवरी से 31 जुलाई के बीच प्रवेश सुनिश्चित कर लिया है, उन्हें आवेदन करने के लिये प्रोत्साहित किया जाता है।

वस्तुतः राज्य सरकार केवल अल्पसंख्यक समुदाय के विद्यार्थियों की ही मदद नहीं कर रही है, बल्कि विदेश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका में आज़ादी के जश्न में गोलीबारी, 33 मरे

कैलिफॉर्निया, 6 जुलाई। अमेरिका में हर साल की तरह इस बार भी 4 जुलाई को लोगों ने अपने परिवार और दोस्तों के साथ आजादी का जश्न मनाया। इस दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में गोलीबारी और हिंसा की घटनाओं में 33 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा 11 लोग शिकागो में मारे गए।

- अमेरिका में चार जुलाई को आयोजित "इंडिपेंडेंस डे" समारोहों में देश भर में कई जगहों पर नागरिको द्वारा गोलियां चलाने की घटनाएं सामने आईं।

शिकागो सनटाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, शिकागो में गोलीबारी में 11 लोग मारे गए और 55 अन्य घायल हो गए। इसमें दो महिलाएं और एक 8 वर्षीय लडका शामिल है। उधर, कैलिफोर्निया के हंटिंगटन बीच में स्वतंत्रता दिवस पर आतिशबाजी शो खत्म होने के दो घंटे बाद एक हमले में दो लोग मारे गए। उधर, क्लीवलैंड में एक 10 वर्षीय लडकी की हत्या कर दी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तेलंगाना में रैवन्त रेड्डी ने के.सी.आर. को दिखाया "जैसी करनी वैसी भरनी"

तेलंगाना में पूर्व मुख्यमंत्री के.सी.आर. ने कांग्रेस के साथ जो किया अब रैवन्त रेड्डी बी.आर.एस. के साथ वही कर रहे हैं

- बी.आर.एस. के राज्यसभा सदस्य केशव राव एवं बी.आर.एस. के विधायकों को रैवन्त रेड्डी पहले ही कांग्रेस में शामिल कर चुके हैं और हाल ही में इसी पार्टी के दस विधान परिषद सदस्यों को भी रेड्डी ने कांग्रेस की सदस्यता दिलवाई है।
- बी.आर.एस. के वर्किंग प्रैसिडैंट के.टी. रामाराव ने इस दलबदल को लेकर कांग्रेस पर कटाक्ष किया कि, कांग्रेस ने अपने मैनिफैस्टो "न्याय पत्र" में दल-बदल रोकने के लिए संविधान की दसवीं अनुसूची में संशोधन की बात कही है। क्या यही है कांग्रेस का न्याय पत्र?
- ज्ञातव्य है कि, जब के.सी.आर. मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने कांग्रेस के बहुत सारे नेताओं को तोड़ा, यहां तक कि, प्रदेश में कांग्रेस एक छोटा सा समूह बनकर रह गई थी। राज्य में दो ही पार्टियाँ बची थीं सत्तारूढ़ बी.आर.एस. और विपक्षी भाजपा।
- पर, जैसे ही रैवन्त रेड्डी ने तेलंगाना में कांग्रेस की कमान संभाली तो हालात बदलने लगे। वे एक-एक कर न केवल कांग्रेसियों को वापस लाए बल्कि मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने बी.आर.एस. में भारी तोड़-फोड़ मचा दी है।

- लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 जुलाई। जानी-मानी कहावत है जैसी करनी वैसी भरनी। आप किसी के साथ जैसा व्यवहार करोगे वैसा ही व्यवहार उससे बदले में पाओगे, और यह बात बिलकुल पक्की है खास तौर से राजनीति में।

तेलंगाना के पूर्व शक्तिशाली मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव ने जो व्यवहार पूर्व में कांग्रेस के साथ किया था आज वही उनको तकलीफ दे रहा है।

पिछले दस वर्षों से भी अधिक समय से उन्होंने कांग्रेस के नेताओं को तोड़ने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी और इस दल को तोड़कर एक छोटे से समूह में बदल दिया था और इस प्रकार विधानसभा में अपने विधायकों की संख्या बढ़ाकर राज किया तथा संसद के चुनावों में भी उनकी संख्या में वृद्धि हुई है। चुनावों में कांग्रेस के जो विधायक निर्वाचित हुए थे उन्हें कांग्रेस से तोड़कर अपनी पार्टी में शामिल कर लिया और एक बार स्थिति ऐसी बन गई मानों तेलंगाना प्रदेश में केवल दो ही पार्टियां रह गई हों।

सत्ताधारी बी.आर.एस. तथा अपने को मुख्य विपक्षी पार्टी के रूप में पेश कर रही भाजपा और कांग्रेस के लोग बी.आर.एस. व भाजपा में चले गए थे।

जब तक रैवन्त रेड्डी ने कांग्रेस की कमान नहीं संभाली थी यही स्थिति थी। रेड्डी ने कांग्रेस के अध्यक्ष बनते ही पार्टी का पुनर्गठन करना शुरू कर दिया और अपनी पार्टी के पुराने साथियों को वापस पार्टी में लाना शुरू कर दिया।

के.सी.आर. को प्रदेश की सत्ता से बाहर करने के बाद, रेवन्त रेड्डी ने चुपचाप पार्टी के पुराने सहयोगियों को मनाकर वापस लाने का कार्यक्रम शुरू किया और अब वे बी.आर.एस. के नेताओं को तोड़ रहे हैं। बी.आर.एस. के एक वरिष्ठ नेता के. केशव राव के पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कश्मीर में दो अलग-अलग मुठभेड़ों में चार आतंकवादी मारे गये

श्रीनगर, 6 जुलाई (वार्ता) जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में शनिवार को दो अलग-अलग मुठभेड़ों में चार आतंकवादी मारे गए और एक सैनिक शहीद हो गया।

- यह मुठभेड़ ऐसे समय पर हुई है जब कश्मीर में अमरनाथ यात्रा चल रही है। मुठभेड़ में एक भारतीय सैनिक शहीद हो गया।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कुलगाम में दो मुठभेड़ें ऐसे समय में हुई हैं जब अनंतनाग जिले में नुनवान-पहलगाम मार्ग और गंदेरबल जिले में बालटाल मार्ग से पिछले शनिवार को शुरू हुई अमरनाथ यात्रा के कारण पूरे जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। दोनों मार्गों से तीर्थयात्रियों को कुलगाम जिले से होकर गुजरना पड़ता है। अधिकारियों ने बताया कि पहली

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गहलोत राज में राज्य भंडारण निगम द्वारा अरबों रु. का घोटाला करने का आरोप लगाया डॉ. किरोड़ीलाल ने

डॉ. मीणा ने 21 जनवरी 2024 की सी.ए.जी. रिपोर्ट का हवाला देते हुए मु.मंत्री भजनलाल को गत 16 मई 2024 को लिखित शिकायत करते हुए इस घोटाले की जांच करवाने, टैंडर निरस्त करने और दोषी बड़े अधिकारियों के खिलाफ सख्त एक्शन लेने की मांग की थी

- किरोड़ीलाल के आरोप थे कि, जून-2020 में राजस्थान राज्य भंडारण निगम ने गोदाम निर्माण, गोदामों को पी.पी.पी. मोड पर देने और उनका प्रबंधन करने के लिए श्री शुभम लॉजिस्टिक लि. और ऑरिगो कंपनी के साथ एम.ओ.यू. किया था। तथापि, शर्तों की पालना नहीं करने के बावजूद कंपनी से 120 करोड़ रु. की पैनल्टी नहीं वसूली गई।
- सी.ए.जी. की रिपोर्ट में भी भंडारण निगम के अधिकारियों द्वारा इन दोनों कंपनियों पर मेहरबानी दिखाने और उन्हें करोड़ों रु. का फायदा पहुंचाने की बात कही गई है, जिससे किरोड़ीलाल के आरोप सत्यापति होते हैं। लेखाकारों ने बैंक गारंटी, कंपनी से पैनल्टी वसूली व अन्य प्रकरणों को लेकर जब विभाग से जवाब मांगा तो हर बार असंतोषजनक जवाब पाया।
- ऑडिट रिपोर्ट में ऑडिटर्स ने कई गंभीर गलतियां पकड़ीं, जिसमें श्री शुभम लॉजिस्टिक व ऑरिगो कंपनी को नाजायज लाभ पहुंचाने का प्रयास स्पष्ट हुआ है। स्टेट वेयर हाऊसिंग कॉर्पोरेशन इन आपत्तियों में से एक का भी संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया।

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 6 जुलाई। कैबिनेट मंत्री व वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने पूर्ववर्ती अशोक गहलोत की सरकार में राजस्थान राज्य भंडारण निगम द्वारा कल्पतरू समूह की कंपनी श्री शुभम लॉजिस्टिक लि. को टैंडर देने की आड़ में अरबों रुपये का घोटाला करने का आरोप लगाया है।

डॉ. किरोड़ीलाल ने 21 जनवरी 2024 की सी.ए.जी. की रिपोर्ट का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को गत 16 मई 2024 को शिकायती पत्र लिखते हुए इस घोटाले की जांच करवाने, टैंडर निरस्त करने और दोषी बड़े अधिकारियों के खिलाफ सख्त एक्शन लेने की मांग की।

राजनैतिक गलियारों में डॉ. किरोड़ीलाल मीणा द्वारा अचानक इस्तीफा देने को लेकर अलग-अलग चर्चाएं हैं। चर्चाएं यह भी हैं कि, मंत्री किरोड़ीलाल ने अपना इस्तीफा इसलिए दिया है, कि पूर्ववर्ती अशोक गहलोत की सरकार में हुए अरबों रुपये के घोटाले उजागर करने के बाद भी मौजूदा भाजपा सरकार इस पर कोई सख्त एक्शन नहीं ले रही है।

दूसरी चर्चा यह भी है कि, डॉ. किरोड़ीलाल ने अपना इस्तीफा इसलिए भी दिया है कि, उनके प्रभाव क्षेत्र में भाजपा ने लोकसभा चुनाव-2024 में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। किरोड़ीलाल स्वयं भी चुनाव के दौरान व बाद में भी कई बार कह चुके थे कि, अगर उनके क्षेत्र से भाजपा ने जीत दर्ज नहीं की तो वह मंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे।

परन्तु इस घटनाक्रम के बीच, किरोड़ीलाल ने पिछली सरकार के जो घोटाले उजागर करने का दावा किया था, क्या वह पूर्णतः काल्पनिक थे अथवा उनमें कोई बड़ी सच्चाई थी?

किरोड़ीलाल मीणा ने गत 16 मई 2024 को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को जो पत्र लिखा था, उसमें 21 जनवरी 2024 को वरिष्ठ उपलेखाकार संजीव सुराणा की ओर से राज्य सरकार को भेजी गई सी.ए.जी. रिपोर्ट का हवाला दिया था। किरोड़ीलाल के आरोप थे कि, इस रिपोर्ट के मुताबिक, जून-2020 में राजस्थान राज्य भंडारण निगम ने गोदाम निर्माण, गोदामों को पी.पी.पी. मोड पर देने और उनका प्रबंधन करने के लिए श्री शुभम लॉजिस्टिक लि. और ऑरिगो कंपनी के साथ एम.ओ.यू. किया था।

इस अनुबंध के मुताबिक गोदामों की वार्षिक उपयोगिता 70 प्रतिशत से कम रहने पर नुकसान की भरपाई इन दोनों कंपनियों से की जानी थी। किरोड़ीलाल का कहना है कि, वर्ष 2023-24 में डिफैक्ट की यह रकम करीब 120 करोड़ रु. वसूली जानी है। इसके बावजूद भंडारण निगम ने यह वसूली कंपनी से नहीं की, उल्टा श्री शुभम लॉजिस्टक कंपनी ने राजस्थान सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में परिवाद दायर कर दिया और अब कुछ अधिकारी अदालत में राज्य सरकार के पक्ष में कमजोर पैरवी कर रहे हैं।

किरोड़ीलाल मीणा का आरोप था कि, एम.ओ.यू. की शर्तों के मुताबिक कंपनी द्वारा किराये पर लिए जाने वाले गोदाम भी भंडारण निगम के माने जाएंगे, इससे निगम को किराये की 70 फीसदी

विचार बिन्दु

जब जिन्दगी को अपने दिल के गीत सुनाने का मौका नहीं मिलता,
तब वह अपने मन के विचार सुनाने के लिए दार्शनिक पैदा कर देती है।
–खलील जिब्रान

आयुर्वेद के रसायन मानवता के लिये वरदान हैं

आज की चर्चा एक बार पुन: आयुर्वेद के रसायनों पर है। जैसा कि पहले चर्चा की जा चुकी है, जीवन में एक ऐसा समय आता है जब कितना ही बुद्धिमान डॉक्टर हो या कितनी ही बढ़िया चिकित्सा हो, रोग ठीक करना मुश्किल हो जाता है। यदि व्यक्ति का बल और मांस क्षीण हो जाये तो ऐसा भान होने लगता है जैसे आयु पूरी हो चुकी है। कोई महाव्याधि अचानक निवर्तित हो जाये व भोजन से मिलने वाले लाभ मिलना भी बंद हो जायें तो भी यही स्थिति बनती है (देखें, सु.सू.32.7-8): चिकित्स्यमान: सम्यक च विकारो योऽभिवर्धते। प्रक्षीणबलमांसस्य लक्षणं तद्गतायुष:।। निवर्तते महाव्याधि: सहसा यस्य देहिन:। न चाहारफलं यस्य दृश्यते स विनश्यति।। जानी-मानी व बहुत लोगों पर सफल और बढ़िया तैयार औषधि भी यदि किसी व्यक्ति में वांछित प्रभाव ना दे पा रही हो तो व्यक्ति को गैर-उपचार योग्य श्रेणी में माना जाता है। चिकित्सक की सलाह से तैयार कर दिये गये भोजन का वांछित परिणाम नहीं मिल रहा हो, तो चिंताजनक स्थिति मानी जाती है (देखें, च.इ.12.7-8): विज्ञातं बहुश: सिद्धं विधिवच्चावचारितम्। न सिध्यत्योषधं यस्य नास्ति तस्य चिकित्सितम्।। आहारमुपयुञ्जानो भिषजा सूपकल्पितम्। य: फलं तस्य नाप्नोति दुर्लभं तस्य जीवितम्।। बात यहाँ अति-कठिन परिस्थिति की है।

वस्तुत: आयुर्वेद के दृष्टिकोण से माना जाता है कि जब मृत्यु का समय निकट आता है तो कुछ अरिष्ट प्रकट होते हैं (देखें, च.इ.2.5): न त्वरिष्टस्य जातस्य नाशोऽस्ति मरणादृते। मरणं चापि तन्नास्ति यन्नारिष्टपुर:सरम्।। किन्तु माना यह भी जाता है कि अरिष्ट को निर्विवाद रूप से पहचानने में त्रुटि भी हो सकती है (देखें, च.इ.2.6): मिथ्यादृष्टमरिष्टाभमनरिष्टमजानता। अरिष्टं वाऽप्यसम्बुद्धमेतत् प्रज्ञापराधजम्।। कहने का तात्पर्य यह है कि हो सकता है वास्तव में अरिष्ट प्रकट ना हुआ हो, फिर भी त्रुटिवश प्रकट हुआ मान लिया जाये।

अत: यदि भ्रम की स्थिति हो तो चिकित्सा की जाये या नहीं? यदि हाँ, तो कैसी चिकित्सा उपयुक्त हो सकती है? मेरे विचार से अरिष्ट की सही या गलत पहचान के पचड़े से बाहर निकल कर चिकित्सा करना ही उचित है। ऐसे अनेक लोग हैं जिन्हें अंतिम स्थिति में पहुंचा हुआ मानकर धरती पर लिटाकर तुलसी और गंगाजल खिला-पिला दिया गया। गाय की बछिया की पूँछ पकड़ा कर दान-पुण्य भी करा दिया गया। पर वे फिर उठ खड़े हुये और कई साल चले। इसलिये जब तक प्राण हैं, चिकित्सा करना उपयोगी है।

अब प्रश्न यह है कि ऐसी कौन सी चिकित्सा है जो अरिष्ट निवारण में सक्षम हो सकती है? वैसे तो अरिष्ट-निवारण की सामर्थ्य कम ही व्यक्तियों में होती है, तथापि यह असंभव नहीं है। अरिष्ट प्रकट होने के बाद भी युक्ति-व्यपाश्रय, सत्त्वावजय और दैव-व्यपाश्रय की त्रिवेणी में की गयी चिकित्सा मृत्यु को टाल सकती है। इसका संकेत वैज्ञानिक-महर्षि आचार्य सुश्रुत ने दिया है। रिष्ट उत्पन्न होने पर मृत्यु निश्चित है, तथापि मानस दोषों से मुक्त विद्वान के द्वारा या रसायन, तप, और जप में पारंगत व्यक्ति द्वारा मृत्यु का निवारण किया जा सकता है (देखें, सु.सू.28.5): ध्रुवन्तु मरणं रिष्टे ब्राह्मणैस्तत् किलामलै:। रसायनतपोजप्यतत्परैर्वा निवार्य्यते।। कठिन रोगों की स्थिति में भी बचने की संभावना यहाँ साफ़ दृष्टिगोचर है।

क्या वास्तव में रसायन इतने उपयोगी और प्रभावी हैं? संहिताओं, शोध और अनुभव तीनों में ही इस प्रश्न का उत्तर धनात्मक ही मिलता है। आइये पहले संहिताओं के वे प्रमाण देखते हैं जो केवल कठिन रोगों व परिस्थितियों के सन्दर्भ में हैं। पहला प्रमाण आचार्य सुश्रुत के उस कथन से मिलता है जिसमें रोगों की सूची देते हुये संकेत किया गया है कि ये रोग रसायन के बिना असाध्य हो जाते हैं (देखें, सु.सू.33.3): ये जुष्टा व्याधयो यान्त्यवार्यताम्। रसायनाद्विना वत्स तान् शृण्वेकमना मम।। इस संदर्भ से यह संकेत तो स्पष्ट है ही कि रसायन से रोगों को उन अवस्थाओं में जाने से रोका जा सकता है जहां वे चिकित्सा की दृष्टि से असाध्य हो जाते हैं। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि रसायन असाध्य रोगों को भी साध्य बनाते हुये चिकित्सा में मददगार हो सकते हैं। उदाहरण के लिये, हालाँकि कुष्ठ और प्रमेह असाध्य होते हैं, पर आचार्य सुश्रुत ने स्वयं एक ऐसा योग दिया है जो असाध्य कुष्ठ और प्रमेह को भी ठीक कर देता है (सु.चि. 10.12): एषौषधायस्कृतिरसाध्यं कुष्ठं प्रमेहं वा साधयति। वस्तुत: यह उस सिद्धान्त की विजय है जिसमें आचार्य चरक ने चिकित्सा की सफलता में युक्ति को सर्वोपरि माना है। यहाँ निहितार्थ यह है कि यदि रसायन चिकित्सा की जाये तो ये रोग असाध्य नहीं हो पाते। आधुनिक वैज्ञानिक शोध में रसायन उसी प्रकार उपयोगी पाये गये हैं जैसा कि आचार्य सुश्रुत ने निर्दिष्ट किया है। दूसरा प्रमाण, चरकसंहिता की टीका में चक्रपाणि द्वारा महर्षि अगस्त्य को उद्धृत करते हुए कहा गया है कि रसायन, तप व जप में सिद्ध महान लोग काल मृत्यु को भी जीत लेते हैं, पर आलसी आदमी नहीं (देखें, च.सू.1.62 पर चक्रपाणि.): रसायनतपो जापयोगसिद्धैर्महात्मभि:। कालमृत्युरपि प्राज्ञैर्जीयते नालसैर्नरै:।। तीसरा प्रमाण महर्षि-वैज्ञानिकआचार्य चरक द्वारा सोसायटल कोलैप्स या जनपदोध्वंश की स्थिति-हवा, पानी, मिट्टी और ऋतुओं के प्रदूषित हो जाने से उत्पन्न महामारियाँ-में पंचकर्म व रसायनों के द्वारा समस्या निवारण हेतु सुझाया गया रास्ता है (देखें, च.वि.3.13-14): येषां न मृत्युसामान्यं सामान्यं न च कर्मणाम्। कर्म पञ्चिवधं तेषां भेषजं परमुच्यते।। रसायनानां विधिवच्चोपयोग: शस्यते। शस्यते देहवृत्तिश्च भेषजै: पूर्वमुद्धृतै:।। रसायन द्रव्यों के साथ ही अद्रव्य रसायन भी हैं जो सत्त्वावजय और दैव-व्यपाश्रय चिकित्सा में मददगार हैं। उदाहरण के लिये दान, विनम्रता, दया, सत्य, ब्रह्मचर्य, कृतज्ञता, मित्रता, रसायन व अच्छे कार्य सब उम्रवर्धक हैं (अ.हृ.शा.3.120): दानशीलदयासत्य ब्रह्मचर्यकृतज्ञता:। रसायनानि मैत्री च पुण्यायुर्वृद्धिकृद्गण:।।

> **आयुर्वेद के रसायन बढ़ती उम्र के लोगों में डी.एन.ए. रिपेयर मैकेनिज्म की गति को बढ़ा सकते हैं? इस विषय में कई अध्ययनों से यह सिद्ध होता है कि रसायन औषधियाँ डी.एन.ए. रिपेयर की गति को बढ़ाकर बुढ़ापा आने की गति को धीमा कर देती हैं। हाल में हुये एक क्लीनिकल ट्रायल में पाया गया कि आमलकी रसायन के प्रयोग से डी.एन.ए.स्ट्रैंड में तोड़फोड़ की गति कम होती है तथा रिपेयर मैकेनिज्म तेज हो जाती है। यह रसायन सुरक्षित भी पाया गया है।**

संहिताओं के साथ ही आधुनिक वैज्ञानिक अध्ययनों से भी रसायनों की क्रियात्मकता के ठोस प्रमाण मिल रहे हैं। मेरे ज्ञान में रसायन योगों पर 2100 शोधपत्र और एकल रसायनों पर कम से कम 5000 शोधपत्रों में से एक भी ऐसा नहीं है जिसमें रसायनों की त्रिदोष-नियामकता पर ठोस प्रश्नचिन्ह लगाया हो। आइये कुछ उदाहरण देखते हैं।

उम्र-आधारित रोगजनन का एक प्रमुख कारण डी.एन.ए. रिपेयर मैकेनिज्म में गड़बड़ी होना माना जाता है। जीवित कोशिकाओं के गुणसूत्रों में पाये जाने वाले तंतुनुमा अणु को डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक एसिड या डी.एन.ए.कहा जाता है। इसी में अनुवांशिक कोड निहित रहता है। जैसे जैसे डी.एन.ए. डैमेज का बोझ बढ़ता जाता है, शरीर बुढ़ापे की ओर बढ़ता जाता है। इस कारण अनेक समस्यायें जैसे कैंसर, न्येरोडीजेनरेशन और बढ़ती उम्र के कारण होने वाली अनेक व्याधियां विकसित हो जाती हैं। शरीर की कोशिकाओं द्वारा डी.एन.ए. डैमेज के संकेत प्राप्त करना और टूट-फूट की मरम्मत करने की क्षमता उम्र के साथ घटती जाती है। इसीलिये बढ़ती उम्र में अनेक रोग लग जाते हैं।

तो क्या आयुर्वेद के रसायन बढ़ती उम्र के लोगों में डी.एन.ए. रिपेयर मैकेनिज्म की गति को बढ़ा सकते हैं? इस विषय में कई अध्ययनों से यह सिद्ध होता है कि रसायन औषधियाँ डी.एन.ए. रिपेयर की गति को बढ़ाकर बुढ़ापा आने की गति को धीमा कर देती हैं। हाल में हुये एक क्लीनिकल ट्रायल में पाया गया कि आमलकी रसायन के प्रयोग से डी.एन.ए.स्ट्रैंड में तोड़फोड़ की गति कम होती है तथा रिपेयर मैकेनिज्म तेज हो जाती है। यह रसायन सुरक्षित भी पाया गया है। एक अन्य अध्ययन में, जो 45-60 वर्ष के लोगों के मध्य किया गया, पाया गया है कि आमलकी रसायन का प्रयोग रक्त की परिफेरल ब्लड मोनोन्यूलियर सेल्स में टीलोमीयर की लम्बाई में बदलाव किये बिना टीलोमेरेज क्रियात्मकता को बढ़ा देता है। इससे चूंकि टीलोमियर के क्षरण में कमी आती है, अत: हैल्थस्पान में बेहतरी होती है। एक तीसरा उदाहरण अश्वगंधाा का दिया जा सकता है। कुल 50 स्वस्थ खिलाड़ियों के मध्य किये गये क्लीनिकल ट्रायल में यह पाया गया है कि अश्वगंधा की जड़ों का एक्सट्रैक्टकार्डियोरेस्पायरेटरी सहनशीलता को बढ़ा देता है। इसके अलावा अनेक इनवाइट्रो, इन वाईवो और क्लिनिकल अध्ययन में अश्वगंधा और आमलकी सहित तमाम रसायनों द्वारा कैंसर, मधुमेह, कार्डियोवैस्कुलर बीमारियाँ, मानसिक बीमारियों तथा अपर-रेस्पायरेटरी-ट्रैक्टसंक्रमण से बचाव होता है। एक प्रमाण-आधारित तथ्य यह भी है कि आयुर्वेद के रसायनों से बेहतर एंटी-एंग्जाइटी व वाजीकर से बेहतर एंटी-डिप्रेशेंट औषधि कोई नहीं है। बुढ़ापा आने का एक कारण ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और इनफ्लेमेशन का बढ़ना भी है। रसायन द्रव्यों के उपयोग करते रहने से शरीर का व्याधिक्षमत्व बढ़ता है तथा ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और इनफ्लेमेशन में कमी होती है।

उत्तम बात यह है कि कुछ ऐसे द्रव्य हैं जो आहार, रसायन और औषधि, तीनों ही प्रकारों में वर्गीकृत हैं। फल व सूखे मेवे, खजूर, द्राक्षा, मुनक्का, बादाम, तिल, आँवला, लहसुन, सोंठ, कालीमिर्च, पिपली, हल्दी, केसर, जीरा, धनिया, मूंग, जल, दूध, घी, तुलसी, शहद, गुड़, त्रिकटु एवं त्रिफला आदि ऐसे द्रव्य हैं जिनके युक्तिपूर्वक सेवन के लिये किसी क्लिनिकल ट्रायल का इंतज़ार करने की आवश्यकता नहीं है। संहिता, साइंस और अनुभव सब इन द्रव्यों के पक्ष में हैं।

मृत्यु की तिथि तय नहीं है, अपितु प्राणियों की आयु युक्ति की अपेक्षा रखती है (च.वि. 3.29: भूतानामायुर्युक्तिमपेक्षते। युक्ति से उम्र बढ़ सकती है। असल में युक्तिव्यपाश्रय आचार्य चरक द्वारा आयुर्वेदाचार्यों पर किये गये विश्वास की पराकाष्ठा है। चिकित्सा में सफलता युक्ति पर निर्भर है (च.सू. 2.16): सिद्धिर्युक्तौ प्रतिष्ठिता। जब सफलता युक्ति पर आश्रित हो तो साध्य-असाध्य या अरिष्ट की जाँच-परख से ज्यादा महत्त्व युक्ति के प्रयोग पर दिया जाना चाहिये। और इस युक्ति में रसायन महत्वपूर्ण भूमिका रखते हैं। इसलिये मेरा मानना है कि आयुर्वेदाचार्यों की देखरेख में लिये जाने वाले रसायन मौत के मुंह से निकाल लाने की क्षमता रखते हैं। रसायनों की क्षमताओं को पहचानिये। रसायन जरा-व्याधि का नाश तो करते ही हैं, जीवन का नाश भी रोक सकते हैं।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंगप्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

मौसम की मार से प्याज-टमाटर सहित कई सब्जियों के भाव बढ़े

प्याज-टमाटर ही नहीं आलू भी कर रहा आम आदमी की जेब ढीली

- हरी सब्जियां आम आदमी की थाली से दूर होती जा रही है
- सब्जियों के दाम में बढ़ोतरी से महिलाओं की रसोई का बजट बिगड़ा

अजमेर, (कासं)। प्रदेश में मानसून का आगमन हो चुका है, ऐसे में प्याज-टमाटर समेत कई सब्जियों के भाव आसमान छू रहे हैं। मंडी से लेकर खुदरा बाजार तक के दाम में बड़ा असर देखने को मिल रहा है। इस महंगाई की रेस में आलू भी पीछे नहीं है। आलू का दाम 32 से 35 पहुंच गया है। बारिश के कारण किसानों की फसल प्रभावित हुई है। सब्जियों के दामों में भारी उछाल के चलते आम जनता के लिए बड़ी चिंता का विषय बन गई हैं। प्याज-टमाटर ही नहीं अब आलू भी आम आदमी की जेब ढीली कर रहा है, सब्जियों के भाव बढ़ने से अब वे आम आदमी की थाली से हरी सब्जियां दूर होती जा रही हैं।

टमाटर के साथ आलू की कीमते चर्चा में:-मानसून के साथ ही प्याज-टमाटर सहित सब्जियों के भाव आसमान छू रहे हैं। इस बार टमाटर की कीमतें सबसे ज्यादा चर्चा में हैं। बाजार में टमाटर का भाव 80 रुपए तो वहीं प्याज की 50 रुपए प्रति किलो मिल रही है, इसके साथ ही आलू जो हर परिवार की थाली का मुख्य हिस्सा होता है, आलू के दाम 40 रुपए प्रति किलो पहुंचने के साथ ही सब्जियों के दाम में बढ़ोत्तरी से महलिाओं की रसोई का बजट बिगड़ गया है। आम आदमी के लिए 40 रुपए प्रति किलो कीमत पर आलू खरीदना भी मुश्किल हो गया है। वहीं हरी सब्जियों के दामों में भी भारी बढ़ोतरी देखी जा रही है, गंवार फली 160 रुपए प्रति किलो और भिंडी 50 रुपए प्रति किलो, बैंगन 80 रुपए, फूल गोभी 80 रुपए, टिंडे 100 रुपए, तुरई 80 रुपए पहुंच गई है।

मौसम की मार से सब्जियों के दामों बढ़ोतरी होने लगी है।

दाम बढते से घरेलू बजट पर असर:-सब्जी की कीमतों में बढ़ोतरी से आम उपभोक्ता के बजट से बाहर होने से घरेलू बजट बिगड़ रहा है। किसानों और व्यापारियों का कहना है कि मानसून के कारण सब्जियों की फसल को नुकसान पहुंचा है जिससे उनकी आपूर्ति में कमी आई है। इसके साथ ही परिवहन और भंडारण की लागत भी बढ़ गई है जो कीमतों में वृद्धि का एक अन्य कारण है। इस महंगाई के चलते आम आदमी की परेशानी बढ़ गई है। महिलाओं को घर के बजट में संतुलन बनाना मुश्किल हो रहा है।

मौसम की मार:-पानी लगने की वजह से प्याज अब दागी हो रहा है, जिससे किसानों को ट्रालियां तक यूं ही फैंकनी पड़ रही है। दूसरी ओर आलू की बात करें तो अब की बार पैदावार कम हुई है जिसके चलते दाम बढ़ रहे हैं। दूसरी ओर मंडी में की जाने वाली खरीद और खुदरा बाजार के दाम में भी अंतर होने के कारण आमजन काफी प्रभावित है। दरअसल, बदले हुए मौसम की वजह से सिर्फ टमाटर, आलू प्याज ही महंगा नहीं बिक रहा है, अन्य सब्जियों की कीमत भी आसमान छूने लगी है। ऐसे में मंडी में खरीद के लिए पहुंचने वाले लोग दाम पूछने के बाद खरीद से पीछे हट रहे हैं, क्योंकि व्यवस्था के स्तर पर खरीद बजट से बाहर हो रही है।

शिक्षा का मानवता, देश और समाज के कल्याण के लिए अधिकाधिक उपयोग हो : राज्यपाल

- राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय कोटा का 13वां दीक्षांत समारोह आयोजित

कोटा, (निसं)। राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय कोटा का 13वां दीक्षांत समारोह आयोजित हुआ। समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने की तथा सम्मानित अतिथि के रूप में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के सभापति प्रोफेसर टीजी सीताराम उपस्थित थे।

इस अवसर पर राज्यपाल मिश्र ने संविधान के मूल कर्तव्यों का वाचन कर समारोह की शुरुआत की एवं उन्होंने 127 विद्यार्थियों को डिग्रीयां एवं 44 स्वर्ण पदक प्रदान किए एवं दीक्षांत समारोह के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय और सभी पदक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को बधाई व उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रदान की। कुलसचिव धीरज सोनी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने कहा कि दीक्षांत शिक्षा का अंत नहीं बल्कि नए जीवन का आरम्भ है। यह वह समय है जब आप विश्वविद्यालय में अर्जित ज्ञान का उपयोग राष्ट्र और समाज के उत्थान में करने के लिए सक्षम होते हैं। विद्यार्थियों नें जो शिक्षा विश्वविद्यालय में प्राप्त की है, उसका मानवता के कल्याण के लिए, देश और समाज के लिए अधिकाधिक उपयोग किया जाना चाहिए। विश्वविद्यालयों में संविधान उद्यान निर्मित कराने की मंशा यही है कि हम संविधान की उदात्त परम्पराओं से सदा जुड़े रहें। राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा अपनी स्थापना के बाद से ही देश में शिक्षा के प्रसार में महती भूमिका निभा रहा है। तकनीकी शिक्षा मानव संसाधन विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

कोटा में राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने उपाधियां प्रदान की।

इसके लिए हमें विश्वविद्यालयों को इस तरह से तैयार करने की जरूरत है कि वहां नित्य नवीन ज्ञान का प्रसार हो ताकि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उपयोग से भारत को फिर से विश्वगुरु बन सके। विगत वर्षों में विश्वविद्यालय द्वारा युवाओं को देश-विदेश में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्राप्त करने के समान अवसर प्रदान किए हैं।

राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने कहा कि देश की जो नई शिक्षा नीति बनी है, उसका मूल भी यही है कि भारत आत्मनिर्भर हो। इसीलिए शिक्षा नीति में युवाओं को कौशल विकास से जोड़े जाने पर विशेष जोर दिया गया है। विश्वविद्यालयों गुणवत्ता और नवाचार पर लगातार ध्यान केंद्रित करना होगा। नई शिक्षा नीति का उद्देश्य 21वीं सदी की जरूरतों एवं चुनौतियों को ध्यान में रखकर स्कूल और कॉलेज की शिक्षा को अधिक समग्र बनाते हुए भारत को एक ज्ञान आधारित जीवंत समाज और ज्ञान की वैश्विक महाशक्ति म ें बदलना है।

समारोह में राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा के विभिन्न सम्बद्ध महाविद्यालयों के निदेशक, प्राचार्य, विश्वविद्यालय प्रबन्ध मण्डल एवं विद्या परिषद के सदस्य, अन्य विश्वविद्यालयों के कुलपति, राजभवन से अधिकारीं, विश्वविद्यालय के समस्त अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, कार्यालयाध्यक्ष, कुलसचिव, समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी, संकाय सदस्य, शिक्षक, शिक्षाविद्, विद्यार्थी व उनके अभिभावक, प्रशासनिक अधिकारी, गणमान्य नागरिक एवं आमंत्रित विशिष्ठ अतिथिगणों ने शिरकत की।

सरकारी स्कूलों में लगे प्रबोधक का होगा प्रमोशन

बीकानेर, (निसं)। प्रारंभिक शिक्षा के अधीन कार्यरत 2449 प्रबोधकों को जल्दी ही वरिष्ठ प्रबोधक पदों पर पदोन्नत करने की तैयारी शिक्षा विभाग ने कर ली है। प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय ने सभी जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारंभिक शिक्षा, मुख्यालय) को उनके जिले में पदोन्नति के पात्र प्रबोधकों की संख्या भेजते हुए उनकी अस्थाई वरिष्ठता सूची 10 जुलाई तक अद्यतन करने के निर्देश दिए हैं।

इस अस्थाई सूची पर 3 दिवस में संबंधित प्रबोधकों से आपत्तियां मांगने के बाद 15 जुलाई तक स्थाई वरीयता सूची जारी कर दी जाएगी। 20 जुलाई तक चयन संबंधी कार्यवाही पूरी कर चयन आदेश की हार्ड और सॉफ्ट कॉपी 22 जुलाई तक प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय को वाहक स्तर पर भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

पूरे राज्य में कुल 10392 प्रबोधक वरिष्ठ प्रबोधक पदों पर पदोन्नति के पात्र हैं, जिसमे से वर्ष 2021 में पदोन्नत करने के लिए 5 हजार पद स्वीकृत किए गए थे। शेष रहे 5392 में से अब 2449 पदों पर पदोन्नति की स्वीकृति सरकार ने दी है। जिन नवगठित जिलों में जिला स्थापना समिति का गठन नहीं हुआ है, उन जिलों में पूर्व 33 जिलों के अनुसार ही वरिष्ठता निर्धारित की जाएगी। जिले में कुल 254 प्रबोधक पदोन्नति के पात्र थे, जिसमें से 122 को वरिष्ठ प्रबोधक पदों पर पदोन्नत किया जा चुका है। शेष 132 प्रबोधकों में से 60 प्रबोधकों को वरिष्ठता के आधार इस बार पदोन्नत किया जाएगा।

राशिफल रविवार 7 जुलाई, 2024

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, शुकल पक्ष, द्वितीया तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2081, पुष्य नक्षत्र सोमवार प्रात: 6:03 तक, हर्षण योग रात्रि 2:12 तक, बालव करण सांय 4:43 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-मेष, बुध-कर्क, गुरू-वृष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज राजयोग और रविपुष्य योग सूर्योदय से सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। आज शुक्र उदय पश्चिम रात्रि 9:05 पर होगा। आज चन्द्र दर्शन, उत्तर श्रृंगोन्नति, मनोरथ द्वितीया व्रत, आषाढ़ी दशहरा और रथयात्रा उत्सव है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:24 से 9:07 तक, लाभ-अमृत 9:07 से 12:21 तक, शुभ 2:13 से 3:56 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:42, सूर्यास्त 7:20

मेष

घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

वृष

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नये-पुराने मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

मिथुन

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आवश्यक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

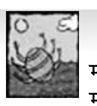

कर्क

मन:स्थिति ठीक रहेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

सिंह

अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। अनावश्यक धन खर्च होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या

आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में प्रगति होगी। आवश्यक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

तुला

आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आवश्यक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

वृश्चिक

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

धनु

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

मकर

परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ

घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

मीन

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

डी.आर.एम. ने कोटा-नागदा खण्ड के 6 स्टेशनों के पुनर्विकास कार्यों का निरीक्षण किया

कोटा, (निसं)। मंडल रेल प्रबंधक मनीष तिवारी ने शनिवार को कोटा-नागदा खण्ड का संरक्षा विन्डो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। डीआरएम के साथ निरीक्षण में संबंधित विभाग के शाखा अधिकारी तथा पर्यवेक्षक मौजूद रहे।

डीआरएम ने कोटा-नागदा सेक्शन में विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण के दौरान गाड़ी संचालन से जुड़े सभी संरक्षा मानकों, ट्रैक, ब्रिजों, ओएचई एवं समपार फाटको का अवलोकन किया। साथ ही उक्त खण्ड के रामगंजमंडी, भवानीमंडी, गरोठ, शामगढ़, चौमहला एवं विक्रमगढ़ आलोट स्टेशनों पर चल रहे पुनर्विकास कार्यो की प्रगति का जायजा लिया। उल्लेखनीय है कि मंडल के 17 स्टेशनों का अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कुल 356.85 करोड़ की लागत से विकास किया जा रहा है जिसमें रामगंजमंडी 27.78 करोड़, भवानीमंडी 24.05 करोड़, गरोठ 19.16 करोड़, शामगढ़ 21.55 करोड, चौमहला 16.39 करोड़ एवं विक्रमगढ़ आलोट 18.92 करोड़ की लागत से उक्त स्टेशनों का कायाकल्प करने एवं यात्री सुविधाओं में बढ़ोत्तरी करने हेतु स्टेशन विकास कार्य किया जा रहा है। डीआरएम ने उक्त 6 स्टेशनों पर चल रहे पुनर्विकास कार्य के मॉडल एवं ले-आउट प्लान के सभी पहलुओं के अनुसार निर्माण कार्य प्रगति का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों ने स्टेशन पर हो रहे आधारभूत संरचनाओं के विकास की कार्ययोजना के बारे में बताया। उन्होंने यात्री सुविधाओं एवं पुर्नविकास कार्यों में तीव्रता एवं गुणवत्ता के साथ नियत समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान डीआरएम के साथ वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक रोहित मालवीय, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) संजय यादव, मंडल परिचालन प्रबंधक आशीष रावलानी, वरिष्ठ मंडल विधुत इंजीनियर (सामान्य) धर्मेन्द्र कस्तवार, वरिष्ठ मंडल विधुत इंजीनियर (टीआरडी) एम.एस.मीना एवं मंडल सुरक्षा आयुक्त ए नवीन कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कोटा मंडल रेल प्रबंधक मनीष तिवारी ने शनिवार को कोटा-नागदा खण्ड का संरक्षा विन्डो ट्रेलिंग निरीक्षण किया।

टॉप आई.आई.टी. में लोअर ब्रांच की कटऑफ बढ़ी

- ब्रांच चेंज ना होने से स्टूडेंट्स ने प्राथमिकता नहीं दी
- तीसरे राउण्ड की रिपोर्टिंग की अंतिम तिथि 8 जुलाई शाम 5 बजे तक

कोटा, (निसं)। देश के आईआईटी-एनआईटी सहित 121 संस्थानों की 59917 सीटों के लिए ज्वाइंट काउंसलिंग प्रक्रिया जारी है। इस काउंसलिंग के तीसरे राउण्ड के सीट आवंटन के पश्चात ऑनलाइन रिपोर्टिंग की अंतिम तिथि आज 8 जुलाई शाम 5 बजे तक है। ऑनलाइन रिपोर्टिंग के दौरान आई क्वेरी का रेस्पोंस करने की अंतिम तिथि 9 जुलाई शाम 5 बजे तक है।

रेस्पोंस ना करने पर विद्यार्थी आगे की काउंसलिंग प्रक्रिया से बाहर हो जाएंगे। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के एजुकेशन एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि अब तक हुए तीन राउण्ड के जारी किए गए आकड़ों के अनुसार इस वर्ष टॉप आईआईटीज में शामिल मुंबई, मद्रास, खरगपुर, हैदराबाद में ब्रांच चेंज का ऑप्शन नहीं होने के कारण उनकी लोअर ब्रांचो को स्टूडेंट्स ने प्राथमिकता नहीं दी है इसी कारण इन टॉप आईआईटी की लोअर ब्रांचो की कटऑफ बढ़ गयी है और पीछे की रैंक वाले स्टूडेंट्स को भी इन आईआईटी में ब्रांच मिल गयी है जबकि गत वर्षो तक इन आईआईटीज की सभी ब्रांचे ऊपर की रैंक पर क्लोज होती थी।

आकडों पर नजर डाले तो आईआईटी बॉम्बे की बीएस केमिस्ट्री ब्रांच की क्लोजिंग एआईआर 7065, आईआईटी मद्रास की बायोलॉजिकल साइंस 10129, आईआईटी खरगपुर की एप्लाइड जियोलोजी ब्रांच की क्लोजिंग 12262, आईआईटी हैदराबाद की इंडस्ट्रियल केमिस्ट्री ब्रांच की क्लोजिंग एआईआर 8802 पर रही। ये सभी क्लोजिंग रैंक ओपन केटेगरी में जेंडर न्यूट्रल पूल से है। आहूजा ने बताया कि इन टॉप आईआईटी की लोअर ब्रांच की कटऑफ रैंक बढने का प्रमुख कारण इन आईआईटी में ब्रांच चेंज का ऑप्शन बंद करना है। पहले स्टूडेंट्स के पास अपनी प्रथम वर्ष की परफॉर्मेंस के आधार पर ब्रांच चेंज करने का ऑप्शन उपलब्ध रहता था, जिससे कई विद्यार्थी दूसरे वर्ष में कोर ब्रांच तथा अच्छी ब्रांच में अपवर्ड हो जाते थे।

इस कारण स्टूडेंट्स टॉप आईआईटी की लोअर ब्रांच को वर्ष 2012 एवं वर्ष 2017 में खुली आईआईटी की कोर ब्रांच से ज्यादा प्राथमिकता देते थे ऐसे में टॉप आईआईटी की लोअर ब्रांच की कटऑफ कम जाती थी परन्तु अब यह ब्रांच चेंज का ऑप्शन बंद होने से कई टॉप आईआईटी मुंबई, मद्रास, खरगपुर, हैदराबाद की लोअर ब्रांच की कटऑफ बद गयी है।

जिससे अब पीछे की रैंक वाले स्टूडेंट्स का इन ब्रांचो में एडमिशन मिल रहा है। स्टूडेंट्स अब इन आईआईटी की जगह दूसरे आईआईटी जहा ब्रांच चेंज का ऑप्शन भी है उन्हें प्राथमिकता देते दिखाई दे रहे है।

अखिल ब्राह्मण महासभा का शपथ ग्रहण समारोह आज

- नव निर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला होंगे

कोटा, (निसं)। अखिल ब्राह्मण महासभा कोटा की नव निर्वाचित कार्यकारिणी का 'शपथ ग्रहण समारोह रविवार को गायत्री मंदिर मार्ग, झालावाड़ रोड़ स्थित संस्थान भवन में आयोजित किया जाएगा।

अध्यक्ष लहरी शंकर गौतम ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक संदीप शर्मा, विशिष्ट अतिथि पूर्व कोटा न्यास अध्यक्ष रविन्द्र त्यागी, पूर्व महापौर सुमन श्रृंगी, पार्षद कपिल शर्मा होंगे। संभागीय अध्यक्ष रामस्वरूप शर्मा ने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह में दीप प्रज्जोलन व अतिथि स्वागत प्रात 11 बजे किया जाएगा। इसके उपरान्त 12 शपथ लोकसभा अध्यक्ष शपथ ग्रहण करवाऐंगे। इसके उपरान्त सभी महाआरती में भाग लेंगे। उन्होने बताया कि नई कार्यकारिणी 02 वर्षों तक कार्य करेंगी। गोपाल शर्मा एवं एमएम शर्मा ने बताया कि अध्यक्ष पद पर लहरी शंकर गौतम, महामंत्री नंदकिशोर शर्मा, संभागीय महिला अध्यक्ष कल्पना शर्मा,महिला महामंत्री अम्बिका शर्मा, मंत्री माया शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय शर्मा, उपाध्यक्ष पमोद पालीवाल, रघुनन्दन शर्मा सहित समस्त कार्यकारिणी शपथ ग्रहण करेंगी।

कोटा सरस डेयरी में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस मनाया

कोटा, (निसं)। विश्व अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर कोटा-बूंदी दुग्ध सहकारी संघ लि.कोटा में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता चेयरमैन चौन सिंह राठौड ने की। उन्होंने अपने सम्बोधन में अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित सहकारिता जगत से जुड़े अतिथियों को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कृसहकारिता मूल भाव एक सबके लिए सब एक के लिए है, और 'सबका साथ, सबका विकास' के सिद्धांत पर हम एकजूट होकर सहकारिता को बल दे। उन्होंने इस अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके अधिकारों का बोध कराते हुए कहा कि हमें किसानों व पशुपालकों के प्रति संवेदनशील रहकर कार्य करना चाहिए उनकी समस्या का समाधान हो, उनके दुग्ध का उचित मूल्य मिले व समय पर मिले इसके लिए अधिकारी मेहनत व ईमानदारी से कार्य करें। उन्होने कहा कि किसान व संघ एक इकाई के रूप में कार्य करें तो ही सहकारिता की मूल भावना का विकास होगा और संघ के लक्ष्यों की प्राप्ति संभव होगी। इस अवसर पर संघ के प्लांट इंचार्ज शांतनु बैरवा, लेखाधिकारी शीला शर्मा, मार्केटिंग मैनेजर से सत्यनारायण शर्मा, बीज प्रभारी फरीदा खान, पी एण्ड आई दिनेश दुबे, स्थापना प्रभारी जयानंद आदि मौजूद रहे।

बेहतर भविष्य का निर्माण करती है:- 102 वें अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर अध्यक्ष चैन सिंह राठौड़ ने कहा कि इस वर्ष की थीम "सहकारिता सभी के लिए बेहतर भविष्य का निर्माण करती है। 'उन्होंने कहा कि सहकारिता में सामूहिक शक्ति और संसाधनों के उपयोग पर जोर देता है, जिससे सभी सदस्यों को लाभ मिलता है और यह भावना यह अवधारणा व्यक्तिगत और सामूहिक हितों के बीच एक संतुलन स्थापित करने का प्रयास करती है।

मौसमी बीमारी पर पशुओं का संरक्षण:- राठौड़ ने बताया कि कोट सरस डेयरी द्वारा पशुओं को निशुल्क इलाज की व्यवस्था भी संघ के माध्यम से कि जाती है। कोटा सरस डेयरी ने आरएम की नियुक्त कर उन्हे हर समिति में पशुओं के स्वास्थ्य निरिक्षण का कार्य सौपा है। संगोष्ठी के उपरान्त जयपुर से आए पशु चिकित्सक नीरज नमन ने पशु टीकाकरण के बारे में आरएम एवं किसानों को समझाया। उनकी मौसमी बीमारियों में देखभाल के लिए सुझाव भी दिए।

नि:शुल्क पौधा उपलब्ध कराने की घोषणा की

कोटा का पंजाबी खत्री समाज नि:शुल्क पौधे उपलब्ध करवाएगा।

कोटा, (निसं)। समस्त पंजाबी खत्री सभा द्वारा दादाबाडी रेंडिल पार्क, डिस्पेंसरी पार्क में शनिवार को वृक्षारोपण किया गया।

समस्त पंजाबी खत्री सभा के अध्यक्ष नयन कालरा ने बताया की दादाबाड़ी के सभी पार्कों एवं निवासियों को जुलाई माह में नि:शुल्क पौधे उपलब्ध कराये जायेंगे।

पौधा लेने के इच्छुक दादाबाड़ी निवासी पर्यावरण प्रेमी मोबाइल नंबर 9982216245 पर संपर्क करे।इस अवसर पर सचिव नीरज विज, महिला अध्यक्ष प्रियंका अदलखा, संरक्षक अशोक आहूजा, उपाध्यक्ष कमल अदलखा, सांस्कृतिक मंत्री नवीन खत्री, योग एवं एरोबिक्स शिक्षक मीता बब्बर, ओम मलिक, कमल अरोरा, राजकुमारी, रेंडिल पार्क की अध्यक्ष रेखा शर्मा, बीजेपी महिला मंडल उर्मिला हाड़ा, योग एवम एरोबिक्स शिक्षक सीमा जैन, रुक्मणि यादव संजय अरोरा रमेश विजय, प्रभु दयाल धनेतवाल, राजेंद्र शर्मा,पंकज शर्मा, नरेन्द्र चित्तौड़ा, संजय अरोरा जीतेन्द्र सिंह,जयपाल लोकवाणी, आरके जैन, रुक्मणि यादव, आशा विजय, आशा आहूजा, नीतू वनवाणी, प्रणीति भट्टाचार्य, विमला विजय, सुशीला देवी, अमित अरोरा, चेतना, मधु जैन रजनी शर्मा, गुड्डी शर्मा, राजकुमारी, लीला, राजेश वाधवा, अनिला जैन, मोहिनी, रुचि, कोशी, उषा, तनु, लक्ष्मी, रेणु, गायत्री, रिंकल, ललिता आदि उपस्थित सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा।

मां भारती स्कूल में इन्वेस्चर सेरेमनी का आयोजन

मां भारती स्कूल के विद्यार्थियों में से केप्टन, वाइस केप्टन, हैडबॉय, हैडगर्ल व जनरल सेक्रेट्री चुने गए।

कोटा, (निसं)। माँ भारती सी॰ सै विद्यालय स्वामी विवेकानंद नगर में इन्वेस्चर सेरेमनी का आयोजन किया गया जिसके अन्तर्गत स्कूल के चारों हाउसेस (अचीवर्स, मोटीवेटर्स, इनोवेटर्स, प्रोग्रेसर्स) के विद्यार्थियों में से केप्टन, वाइस केप्टन, हैडबॉय, हैडगर्ल व जनरल सेक्रेट्री चुने गए। तत्पश्चात चयनित विद्यार्थियों ने अपने पद पर निष्ठापूर्वक कार्य करने की शपथ ली।

इसी दौरान स्कूल डॉयरेक्टर शलभ विजय व उर्वशी विजय ने हैडबॉय, हैडगर्ल, केप्टन, वाइस केप्टन व जनरल सेक्रेट्री को बैच व सेशे पहनाकर बधाई देते हुए कहा कि समय की नियमितता व नेतृत्व क्षमता के साथ प्रतिस्पर्धा की दौड़ में माँ भारतीयन को आगे बढ़ते ही रहना है।

साथ ही एन.सी.सी. कैडेट व विद्यार्थियों के अनुशासन की सराहना की। अंत में स्कूल प्रिंसिपल मोनिका मलिक ने कहा कि अनुशासित विद्यार्थी ही जीवन में सफलता को अर्जित करता है।

जिला कलेक्टर को के.डी.ए. कमिश्नर का चार्ज दिया

कोटा, (निसं)। राज्य सरकार ने राज्यपाल की अनुमति से शनिवार को एक आदेश जारी कर जिला कलेक्टर डॉ रविंद्र गोस्वामी को कोटा डवलेपमेंट अथॉरिटी (केडीए) का कमिश्नर नियुक्त किया गया है। वे संभागीय आयुक्त उर्मिला राजोरिया से इस पद का चार्ज लेंगे। हालांकि जयपुर और जोधपुर में कमिश्नर का पद रिक्त होने पर यह चार्ज संभाग की आयुक्त को ही मिलता था। कोटा में ऐसा ही हुआ था लेकिन राज्य सरकार ने कोटा में विशेष आदेश इसके लिए जारी किए हैं।

दरअसल, कांग्रेस के बीते शासन काल में विधानसभा के जरिए कोटा नगर विकास न्यास (यूआईटी) को कोटा डेवलपमेंट अथॉरिटी (केडीए) बना दिया गया। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता के पहले गत 10 मार्च को केडीए कमिश्नर के पद पर भी आईएएस अधिकारी अभिषेक खन्ना की नियुक्ति कर दी थी लेकिन उन्हें एक दिन बाद ही हटा दिया था। इसके बाद यह पद खाली था। आचार संहिता हटने के बाद सरकार ने जून महीने के पहले सप्ताह में ही आदेश जारी करते हुए कोटा की संभागीय आयुक्त उर्मिला राजोरिया को केडीए के कमिश्नर का भी अतिरिक्त कार्यभार दे दिया। कोटा डेवलपमेंट अथॉरिटी को तो बीती सरकार बनाकर चली गई थी लेकिन अभी तक स्टाफ नहीं मिला है। यूआईटी के कार्मिकों के जरिए ही अभी तक काम चल रहा है। जबकि केडीए के लिए यूआईटी से तीन गुना स्टाफ चाहिए। इसमें कोटा जिले की कैथून नगर पालिका, लाडपुरा पंचायत समिति व तालेड़ा बूंदी जिले की तालेड़ा पंचायत समिति के कई गांव को शामिल किया गया है।

समरीन शेख को पी.एच.डी. की मानक उपाधि

कोटा, (निसं)। राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के अंतर्गत रिसर्च स्कॉलर समरीन शेख ने 'स्टडी ऑफ पेस्टिसाइड्स मोबिलिटी इन ग्राउंड वाटर्स पर प्रोफेसर अनिल के. माथुर के निर्देशन में अपना शोध कार्य संपन्न किया। इस शोध कार्य को विश्वविद्यालय के 13वें दीक्षांत समारोह के दौरान पीएचडी की डिग्री प्रदान की गई। समरीन शेख का यह शोध कार्य कृषि में प्रयुक्त कीटनाशकों के जल संसाधनों पर प्रभाव और उनकी गतिशीलता का अध्ययन करने पर केंद्रित था। उनके इस महत्वपूर्ण शोध ने पर्यावरण संरक्षण और जल प्रबंधन के क्षेत्र में नई दिशा प्रदान की है। प्रोफेसर अनिल के. माथुर ने उनके मेहनत और समर्पण की सराहना की और कहा कि समरीन का यह अध्ययन न सिर्फ वैज्ञानिक जगत के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह समाज और कृषि क्षेत्र के लिए भी लाभदायक सिद्ध होगा। इस उपलब्धि पर समरीन शेख को विश्वविद्यालय के कुलपति, संकाय सदस्यों और सहपाठियों ने बधाई दी। इस अवसर पर समरीन ने अपने परिवार, गुरुजनों और मित्रों का धन्यवाद व्यक्त किया और अपने शोध कार्य में उनके सहयोग को महत्वपूर्ण बताया। राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय के 13वें दीक्षांत समारोह में इस सम्मान के साथ समरीन शेख की उपाधि प्राप्ति ने उन्हें एक नई पहचान दी है और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की जा रही है।

नाम परिवर्तन

मैंने अपना पुराना नाम मनीष कुमार नन्दवाना से बदलकर नया नाम मनीष नन्दवाना रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावे।
पता-मनीष नन्दवाना पुत्र जगदीश प्रसाद नन्दवाना 703-ए आर के पुरम कोटा

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ओम प्रकाश खींची पुत्र मोतीलाल के द्वारा अनिल शर्मा पुत्र केलाश शर्मा के मुख्तारआम की हेसियत से भूखंड संख्या 26 कृष्णा नगर ग्राम रंगबाड़ी कोटा पेमाइश 255.67 वर्गगज को बेचने का इकरार पवन कुमार राठोर पुत्र मूलचन्द राठोर के साथ किया है एवं जाहिर किया है कि उक्त मुख्तारनामाआम जो दिनांक 13.01.2016 को निष्पादित कर नोटरी पब्लिक से प्रमाणित है, निरस्त नहीं किया गया है। अतएव इस सूचना के द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि किसी भी व्यक्ति/संस्था/कम्पनी को उक्त सौदे के बाबत कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 7 योम की अवधि में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद गुजरने मियाद सूचना कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। सूचित हो।
दिनांक : 06.07.2024
संदीप जैन एडवोकेट
583-ए तलवण्डी, कोटा
मो. 9829180432

शिविर में 32 यूनिट रक्त एकत्रित

कोटा, (निसं)। रोटरी क्लब पद्मिनी द्वारा शनिवार आयोजित ब्लड कैम्प में 32 यूनिट रक्तदान एकत्रित किया गया। अध्यक्ष नीता मित्तल ने बताया कि रक्तदान शिविर दादाबाड़ी स्थित मोदी इंजिनियरिंग कॉलेज में आयोजित किया गया। रक्तदान शिविर में मोदी इंजीनियरिंग कॉलेज में श्रीजी ब्लड बैंक का सहयोग मिला। सुशील मोदी रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया। सचिव गुरप्रीत आन्नद ने बताया कि सदस्य उषा गुप्ता, मोदी कॉलेज के प्रिंसिपल व टीचर व स्टूडेण्ट ने शिविर में सुचारू बनाएं रखने के लिए सहयोग किया।

अतिक्रमण हटाया

छबड़ा (निसं)। नगर पालिका ने शुक्रवार को अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाकर धरनावदा चौराहे पर बीएसएनएल कार्यालय के सामने अस्थाई अतिक्रमण कर लगाई गई बॉडीयो को हटाया। क्रस्बे के बीएसएनएल ऑफिस ने नगर पालिका से बीएसएनएल ऑफिस के सामने हो रहे अतिक्रमण को हटाने की मांग की थी। शुक्रवार को बीएसएनएल ऑफिस के बॉडीयां लगाकर किये गए अस्थाई अतिक्रमण को हटाया है। कार्यवाही के दौरान सफाई इंस्पेक्टर मदनमोहन भार्गव व कनिष्ठ अभियंता रवि शर्मा सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

सिन्धी युवाओं को आई.ए.एस. परीक्षा के लिए नि:शुल्क मार्गदर्शन दिया

कोटा में सिंधी समाज की आई.ए.एस. तैयारी के लिए मार्गदर्शन कार्यशाला आयोजित हुई।

कोटा, (निसं)। उदय अकादेमी कॉउंसिल नागपुर की कोटा शाखा, दादा निहचलदास नैनानी चैरिटेबल ट्रस्ट और संत कंवरराम धर्मशाला की ओर से सिन्धी समुदाय के ग्रेजुएट छात्र छात्राओं (अध्ययनरत या स्नातक/स्नातकोत्तर पास) के लिए कोटा में पहली नि:शुल्क आईएएस परीक्षा मार्गदर्शन कार्यशाला आयोजित की गई।

उदय अकादेमी कॉउंसिल के कोटा से उपाध्यक्ष एडवोकेट राज ठाकुर ने बताया कि इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ गुजरात अकादेमी के अध्यक्ष गोविंदराम मेलवाणी, साहित्यकार और सिन्धी भाषा के विशेषज्ञ डॉ सुरेश बबलानी, कार्यकारिणी सदस्य और भारतीय सूचना सेवा के वरिष्ठ अधिकारी और पीएमओ मीडिया सेल के पूर्व निदेशक किशन रतनानी, अकादेमी की राजस्थान शाखा के अध्यक्ष रमेश दतवानी, दादा निहचलदास नैनानी चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक डीएन नैनानी ने परीक्षा प्रक्रिया, विषयों का चयन, इंटरवियू की तैयारी के बारे में बताया।संत कंवरराम धर्मशाला के अद्यक्ष गिरधारी पंजवानी और सचिव अर्जुन जयसिंघानी ने अथितियों का स्वागत किया।

कार्यकारिणी सदस्य विमल परियानी ने बताया कि इस कार्यक्रम में कक्षा दसवीं और बारहवीं में 85 प्रतिशत या उससे अधिक अंक हासिल करने वाले सिन्धी छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में गुजरात अकादेमी के उपाध्यक्ष कमल मेहतानी, परसो, सोनू गोस्वामी, नरेश गोस्वामी, पूर्व आरएएस अधिकारी अशोक पुरसवानी, सिन्धु महिला सर्किल की पूर्व संरक्षक पूनम रतनानी, जानकी ठाकुर, सर्किल के संरक्षक किशोर मदनानी, अध्यक्ष कमल सपरा, सचिव राजेश ग्वालानी, स्टेशन पंचायत अद्यक्ष हरीश जगवानी,बजरंग नगर पंचायत अद्यक्ष सुरेंद्र झामनानी, मुरलीधर अलरेजा, डॉ निहाल खूबचंदानी, विनोद नागवानी, कौशल बेठवाणी आदि ने छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया।

जन्मदिन पर रक्तदान किया

कोटा, (निसं)। रक्तवीर युवा टीम के वरिष्ठ सदस्य अभय सिंह चारण ने अपने जन्मदिन पर कुछ मित्रों के साथ रक्तदान करके ये संदेश दिया की जन्मदिन के अवसर पर रक्तदान जेसा शुभ कार्य करना चाहिए जिस से किसी असहाय को रक्त उपलब्ध हो सके। रक्तवीर युवा टीम संस्थापक अध्यक्ष अंकित प्रजापति ने बताया कि टीम सदस्य अभय द्वारा पिछले चार वर्ष से अपने जन्मदिन के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

पौधारोपण किया

बून्दी (निसं)। दाधीच महिला मंडल द्वारा महर्षि दधीचि वाटिका में पौधारोपण किया गया। महिला मंडल अध्यक्ष स्वाति दाधीच ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत तिलक लगाकर वी पूजा अर्चना करके प्रारंभ किया गया। उपस्थित महिलाओं में विनीता दोराश्री अरुणा दोराश्री सुनीता लहरी रुचि कल्पना मीनाक्षी शिप्रा आचार्य पिंकी जी सारिका चंद्रकला आदि महिलाएं रही।

नाम परिवर्तन

पूर्व में मेरा नाम रुद्राक्ष था जिसे बदलकर मैंने रुद्राक्ष मणीक रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे, फ्लेट नं.-601 शाकुन मार्वल अपार्टमेन्ट न्यू ग्रेन मंडी, कोटा राजस्थान

एयू स्मॉल फाईनेन्स बैंक लिमिटेड
(ए शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंक)
रजिस्टर्ड ऑफिस: 19-A, धुलेश्वर गार्डन, अजमेर रोड़, जयपुर-302001 (CIN:L36911RJ1996PLC011381)

परिशिष्ट IV (देखें नियम 8 (1) कब्जा सूचना)

जबकि, अधोहस्ताक्षरकर्ता एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (ए शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंक) का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए "वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन [अधिनियम 2002 (2002 के नियम 54)]" और प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम 13 (12) का सपठित नियमों के नियम (3) के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में मांग सूचना दिनांक 28 फरवरी 2024 को निर्गमित की जिसमें माँग करते हुए ऋणी संजय नाथ (ऋणी), श्रीमती अनिता (सह-ऋणी), भैरू नाथ (सह-ऋणी) (खाता संख्या: L9001060120710867 से नोटिस में वर्णित रुपये 598972/- (रु. पाँच लाख अट्ठानबे हजार नो सौ बहत्तर मात्र) की राशि इस नोटिस कि प्राप्ति कि दिनांक से 60 दिनों के भीतर चुकाने के लिये कहा गया था।

ऋणी/बन्धकर्ता के वह राशि लौटाने में विफल होने पर ऋणी/बन्धकर्ता को तथा समान्यजन को एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) तथा सपठित प्रतिभूतिहित प्रवर्तन नियम, 2002 के नियम 8 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा दिनांक 04 माह जूलाई वर्ष 2024 को अधिग्रहण कर लिया है।

ऋणी/सह-ऋणी/बन्धकर्ता को विशिष्टतया और सर्वसाधारण को सामान्यतया एतद् द्वारा सम्पत्ति के साथ व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ कोई व्यवहार रुपये 598972/- (रु. पाँच लाख अट्ठानबे हजार नो सौ बहत्तर मात्र) की राशि दिनांक 27 फरवरी 2024 तक तथा आगे का ब्याज एवं कुल भुगतान होने तक की राशि एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (ए शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंक) के प्रभार के अधीन होगा।

ऋणियों का ध्यान प्रतिभूत आस्तियों के मोचन के लिये उपलब्ध समय के सन्दर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के उपबंधों की ओर आकृष्ट किया जाता है।

स्थावर सम्पत्ति का विवरण

सम्पत्ति के सभी अभिन्न अंग रिहायशी/गैररिहायशी भूमि, बिल्डिंग, स्ट्रक्चर एवं फिक्चर संपत्ति स्थित खसरा नं. 611, ग्राम चौहमेला, तहसील-नंगधर, जिला-झालावाड़, राजस्थान क्षेत्रफल 88.88 वर्ग गज जो कि संजय नाथ के स्वामित्व में है।

पूर्व: आम गली | पश्चिम: आम सड़क
उत्तर: कमला बाई का मकान | दक्षिण: खुला प्लॉट

दिनांक: 9 जुलाई 2024
सीन: झालावाड़, राजस्थान
प्राधिकृत अधिकारी
एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड

रतनपुर बॉर्डर पर 70 लाख का सोना, 26 लाख की नगदी पकड़ी, तीन गिरफ्तार

तीनों आरोपी बैग लेकर पैदल जा रहे थे, संदिग्ध होने पर पुलिस ने रोककर तलाशी ली

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाड़ा थाना पुलिस ने राजस्थान-गुजरात के रतनपुर बॉर्डर पर पैदल जा रहे तीन लोगों से लाखों का सोना और कैश पकड़ा है। तीन थैलों में 70 लाख का सोना और 26 लाख रुपए का कैश मिला है। पुलिस तीनों ही आरोपियों से नकदी और सोने के बारे में पूछताछ कर रही है।

बिछीवाड़ा थानाधिकारी ने बताया कि अवैध कारोबार करने वालों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत राजस्थान-गुजरात के रतनपुर बॉर्डर पर नाकाबंदी कर गाड़ियों की तलाशी ली जा रही थी। उदयपुर से अहमदाबाद नेशनल हाईवे-48 पर रतनपुर बॉर्डर पर तीन व्यक्ति गाड़ी से उतरे। तीनों पैदल-पैदल जा रहे थे। उनके पास पीठ पर थैले लटके हुए थे। संदिग्ध होने पर तीनों को रोका और पूछताछ की। इस पर तीनों ही घबरा गए। पुलिस ने उनके थैलों की तलाशी ली। थैलों में पैकेट बनकर सोने के जेवरात और कैश भरा हुआ था। तीनों ही लोग जेवरात और

- **पुलिस तीनों ही आरोपियों से नकदी और सोने के बारे में पूछताछ कर रही है**

कैश को लेकर कोई जवाब नहीं दे सके। इस पर पुलिस ने जेवरात और कैश पकड़ लिया।

पुलिस ने उनके पास से 962.05 ग्राम सोने के जेवरात और टुकडे बरामद किए हैं, जिसकी बाजार कीमत करीब 70 लाख रुपए बताई जा रही है। वहीं, 26 लाख 9 हजार 740 रुपए की नकदी पकड़ी है। पुलिस ने जेवरात और कैश ले जा रहे नरेंद्र कुमार जोगसन पुत्र गोंगाराम मेघवाल निवासी भेव, थाना पालडी जिला सिरोही, मुकेश कुमार पुत्र गणेशाराम मेघवाल निवासी उथमान थाना पालडी सिरोही और चंदूलाल पुत्र जैसाजी सेन निवासी कुम्हारों का वास गोल, थाना बारलूट सिरोही को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस तीनों से पूछताछ कर रही है।

रतनपुर बॉर्डर पर पैदल जा रहे तीन लोगों को लाखों का सोना और नकदी के साथ गिरफ्तार किया।

चौरासी विधानसभा सीट उपचुनाव में बीएपी का कांग्रेस से गठबंधन से इंकार

चौरासी विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) अकेले चुनाव लड़ेगी

उदयपुर, (कासं)। बांसवाड़ा डूंगरपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद राजकुमार रोत ने चौरासी विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में कांग्रेस से किसी भी प्रकार के गठबंधन से इंकार किया है। रोत के इस ऐलान के बाद इस सीट पर होने वाले उप चुनाव में त्रिकोणीय संघर्ष होने की संभावना है।

उल्लेखनीय है कि राजकुमार रोत के सांसद बनने के बाद चौरासी विधानसभा सीट खाली हो गई है। राजकुमार रोत चौरासी विधानसभा सीट से विधायक थे। भारतीय आदिवासी पार्टी (बीएपी) और कांग्रेस का गठबंधन हुआ था। राजकुमार रोत इंडिया गठबंधन से चुनाव लड़ा और बांसवाड़ा लोकसभा सीट से सांसद निवार्चित हुए। इसके पहले वे चौरासी विधानसभा क्षेत्र से भारत आदिवासी पार्टी के विधायक थे, सांसद बनने के बाद उन्होंने से इस्तीफा दे दिया। चौरासी विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) अकेले चुनाव लड़ेगी। भारत आदिवासी पार्टी, भाजपा और कांग्रेस ने अपने-अपने प्रभारी नियुक्त कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार डूंगरपुर जिले की चौरासी विधानसभा सीट पर पिछले दो चुनावों से भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) का कब्जा है, बीएपी के राजकुमार रोत यहां से लगातार दूसरी बार विधायक बने थे। पिछले चुनाव में राजकुमार रोत ने भाजपा के सुशील कटारा को 70 हजार मतों से हराया था। चौरासी विधानसभा सीट पर कांग्रेस की

- **सांसद राजकुमार रोत ने चौरासी विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में कांग्रेस से किसी भी प्रकार के गठबंधन से इंकार किया**
- **सांसद राजकुमार रोत के इस ऐलान के बाद इस सीट पर होने वाले उप चुनाव में त्रिकोणीय संघर्ष होने की संभावना है**

जमानत जब्त हो गई थी। चौरासी विधानसभा क्षेत्र में बीएपी की स्थिति मजबूत मानी जा रही है। विधायक के उप चुनाव में बीएपी इस सीट पर कब्जा बनाए रखने के लिए पूरा प्रयास करेगी। वहीं सत्तारूढ पार्टी भाजपा भी इस बार बीएपी का गढ़ ढहाने का इरादा लेकर मजबूती से चुनावी मैदान में उतरने के मूड में है। पिछले चुनाव में कांग्रेस पार्टी यहां तीसरे स्थान पर थी, कांग्रेस के उम्मीदवार ताराचंद भगोरा की जमानत जब्त हो गई थी।

चौरासी सीट पर उप चुनाव के लिए संभावित उम्मीदवारों की बात करें तो भाजपा से पूनावाडा सरपंच मनोहरलाल डामोर, बडगामा सरपंच कांतिलाल अहारी, भचडयिा सरपंच गट्टूसिंह डामोर, गंधवा सरपंच ईश्वर विहात, पूर्व प्रधान महेंद्र बरजोड में से कोई एक हो सकता है। जबकि कांग्रेस के संभावित उम्मीदवारों में कांग्रेस से पूर्व प्रधान निमिषा भगोरा, सीमलवाडा सरपंच रूपचंद भगोरा, भादर सरपंच विनोद कटारा, कारीलाल बुझ और महेंद्र भगोरा के नाम शामिल है। बीएपी में पोपट खोकरिया और अनिल चिखली के नाम चर्चा में है, लेकिन पार्टी में उम्मीदवार चयन को लेकर बनी हुई सलेक्शन प्रणाली में कोई ओर नाम भी आ सकता है। चुनावी समीकरण की बात करें तो लोकसभा चुनाव में बीएपी और कांग्रेस का गठबंधन हुआ था, जिसकी वजह से कांग्रेस ने बीएपी के राजकुमार रोत को अपना समर्थन देते हुए उम्मीदवार नहीं उतारा था।

गठबंधन की बात आती है तो उम्मीदवार किस पार्टी का होगा यह आने वाले समय में ही तय होगा, लेकिन यहां गठबंधन के आसार कम ही है, क्योंकि लोकसभा चुनाव परिणाम आने के बाद नवनिर्वाचित सांसद राजकुमार रोत ने कांग्रेस से गठबंधन की बात को नकारते हुए कहा था कि कांग्रेस ने उन्हें समर्थन दिया था, गठबंधन नहीं हुआ था।

बीएपी अपनी परंपरागत और मजबूत सीट पर किसी भी पार्टी से समझौता नहीं करना चाहेगी, इसलिए चौरासी सीट पर उप चुनाव में त्रिकोणीय मुकाबला होने के आसार हैं। उपचुनाव में भाजपा भी सरकार होने का फायदा उठाते हुए चौरासी सीट पर पूरी ताकत लगाने के मूड में है।

ट्रक ने 66 भेड़ों सहित चरवाहे को कुचला

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर-बाड़मेर सड़क मार्ग पर कई दुर्घटनाएं होने के उपरांत भी प्रशासन कोई उपाय कर नहीं पा रहा है। बीती रात्रि को जैसलमेर जिले के देवीकोट कस्बे में सड़क हादसे में एक चरवाहे और 66 भेड़ों की मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलने पर देवीकोट पुलिस मौके पर पहुंची और चरवाहे का शव जवाहर हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस अब सीसीटीवी आदि की मदद से हादसे में शामिल गाड़ी की तलाश कर रही है।

देवीकोट पुलिस चौकी के एएसआई दीपसिंह ने बताया कि कि बीती रात करीब एक बजे चरवाहे हनीफ खान (30) पुत्र सुमेर खान, मालकों की ढाणी, रामदेवरा निवासी को ट्रक ने टक्कर मारकर

- **मृतक के परिजनों ने गाड़ी की तलाश कर ड्राइवर पर हत्या का मामला दर्ज करवाने व मुआवजे की मांग की**
- **जैसलमेर-बाड़मेर सड़क मार्ग पर हुआ हादसा, सीसीटीवी से गाड़ी की तलाश कर रही है पुलिस**

चरवाहे सहित 66 भेड़ों को मौत के घाट उतार दिया। जैसलमेर के राजकीय जवाहर हॉस्पिटल में मृतक के परिजन मॉर्च्यूरी के आगे इकट्ठा हो गये और गाड़ी की तलाश कर ड्राइवर पर हत्या का मामला दर्ज करवाने और मुआवजे की मांग की। ग्रामीण सफियत ने बताया कि प्रशासन की तरफ से कोई भी नुमाइंदा धरना स्थल पर नहीं आया है। इसको लेकर ग्रामीणों में काफी रोष है। जब तक ट्रक ड्राइवर नहीं पकड़ा जाएगा तब तक धरना नहीं उठाया जाएगा।

एएसआई दीपसिंह ने बताया कि देवीकोट कस्बे से लगते एनएच 68 पर छोड़ गांव के पास तीन चरवाहे अपनी भेड़ें लेकर आ रहे थे। 200 के लगभग भेड़ें सड़क पर चल रही थीं। इसी दौरान एक ट्रक तेज गति से आया और भेड़ों समेत चरवाहे हनीफ खान को कुचलता हुआ आगे निकल गया। साथ में चल रहे दो अन्य चरवाहों ने हादसे की जानकारी देवीकोट चौकी को दी। हनीफ भोपा गांव के किसी किसान की भेड़ों को चराने का काम करता था। बीती रात हनीफ दो अन्य चरवाहों देरावरसिंह व अमृतसिंह के साथ रामगढ़ से भोपा गांव जा रहा था। तीनों के पास लगभग 200 भेड़ें थी। हनीफ खान सबसे आगे चल रहा था। उसी दौरान जैसलमेर की तरफ से एक ट्रक तेज गति से आया और हनीफ खान और भेड़ों को रौंदते हुए चला गया। एएसआई दीपसिंह ने बताया कि हादसे में लगभग 66 भेड़ों कि मौत हो गई जिनमें 30 भेड़ें हनीफ खान की भी शामिल है। इसके अलावा 10 भेड़ें घायल हो गई। पुलिस ने हनीफ खान के शव को जवाहिर हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया और सीसीटीवी आदि के आधार पर ट्रक की खोज शुरू की। एएसआई दीपसिंह ने बताया कि ट्रक बाड़मेर की तरफ गया है। हम ट्रक की तलाश कर रहे हैं।

छत से गिरकर युवक की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। लघुशंका के लिए रात में नींद से उठा युवक छत से नीचे गिर गया। हादसे में युवक की मौत हो गई। घटना, गंगापुर थाने के करणजी की खेड़ी गांव में हुई। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। गंगापुर थाना पुलिस ने बताया कि करणजी की खेड़ी निवासी अंबालाल (43) पुत्र चुन्नीलाल बैरवा बीती रात छत पर सो रहा था। शुक्रवार रात 11.50 बजे वह लघुशंका के लिए नींद से उठा। छत पर दीवार नहीं होने से वह असंतुलित होकर नीचे जा गिरा। गंभीर रूप से घायल अंबालाल को परिजन पहले गंगापुर और बाद में जिला अस्पताल ले गये, जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमार्टम के बाद शनिवार को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

आंधी-बारिश से फैक्ट्री की दीवार ढही, तीन की मौत

बीकानेर, (निसं)। मानसून की दूसरी ही बारिश ने बीकानेर में कहर बरपा दिया। बीछवाला थाना इलाके के शोभासर गांव में निर्माणाधीन फैक्ट्री की दीवार ढहने से मां-बेटी समेत तीन जनों की मौत हो गई। हादसे का पता चलने पर बीछवाल पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को मलबे से निकाल कर पीबीएम अस्पताल के ट्रोमा सेंटर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। हादसे का पता चलने पर जिला प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे।

बीछवाल एसएचओ नरेश निर्वाण ने बताया कि शोभासर के पास फैक्ट्री का निर्माण कार्य चल रहा है। तेज तूफान में फैक्ट्री की दीवार ढह गई। दीवार के मलबे में श्रमिक भोपाल निवासी टीना (26) पत्नी दीवान सिंह, उसकी ढाई वर्षीय बेटी मनीषा एवं क्रेन चालक औरंगाबाद निवासी संजय पुत्र रामयज्ञ दब गए। हादसे की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने वहां पहुंच कर अन्य श्रमिकों की मदद से तीनों को मलबे से निकाल कर 108 एम्बुलेंस से पीबीएम अस्पताल के ट्रोमा सेंटर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

जहाजपुर प्रधान के निलंबन के विरोध में कोटड़ी बंद रहा

प्रधान सीता देवी के निलंबन के विरोध में कोटड़ी के बाजार बंद रहे।

भीलवाड़ा, (निसं)। राज्य सरकार ने जहाजपुर प्रधान सीता देवी गुर्जर को नियमित बैठकें आयोजित नहीं करने सहित अन्य मामलों को लेकर शुक्रवार को पद से निलंबित करने के मामले को लेकर शनिवार को कांग्रेस के आव्हान पर कोटड़ी कस्बे को बंद करवाया। वहीं श्रीचारभुजानाथ मन्दिर से उपखण्ड कार्यालय पहुंच कर ज्ञापन सौंपा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जर की माता जहाजपुर पंचायत समिति की प्रधान सीता देवी गुर्जर को ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग के अतिरिक्त आयुक्त एवं शासन उपसचिव ने आदेश जारी कर निलंबित कर दिया। इस आदेश को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर शरनिवार को सुबह से ही कांग्रेस के कार्यकर्ता एवं गुर्जर समाज के लोग मुख्यालय स्थित चारभुजानाथ मन्दिर पर पहुंचना शुरू हुए, सामूहिक रणनीति तैयार कर मन्दिर से आदेश के विरोध में भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सदर बाजार, पुराना

- **कांग्रेस के कार्यकर्ता एवं गुर्जर समाज के लोगों ने विरोध यात्रा निकाली**

बस स्टैण्ड, नेहरू नगर होते हुए उपखण्ड कार्यालय पहुंच नारेबाजी कर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का पुतला जलाकर विरोध प्रदर्शन किया तथा राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा।

इस दौरान लोगों में आदेश को लेकर भारी विरोध नजर आ रहा था। वहीं कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं नेइसे राजनैतिक द्वेशता के की गई कार्रवाई बताया। अमावस्या के बाद एकम पर बाजार बन्द होने से कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को बाजार बन्द कराने के लिए किसी प्रकार की मशक्कत नहीं करनी पड़ी। उधर, भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता जहाजपुर में प्रधान पद से निलंबित करने का विरोध प्रदर्शन जहाजपुर की बजाय कोटड़ी में करने को औचित्यहीन बताया।

एएसआई की ड्यूटी के दौरान मौत

जैसलमेर, (निसं)। सीमा सुरक्षा बल के एएसआई की अमरनाथ यात्रा में ड्यूटी के दौरान कठुआ गांव में मौत हो गई। शनिवार को 154 बटालियन बीएसएफ जैसलमेर के जवान एएसआई पुरुषोत्तमसिंह की कार नहर में गिरने से डूबने से मौत हो गई। एएसआई पुरुषोत्तम सिंह (56) बटालियन समेत अमरनाथ यात्रा में ड्यूटी के लिए जैसलमेर से गए थे। ड्यूटी के दौरान कठुआ (जम्मू-कश्मीर) में गाड़ी से जाते समय गाड़ी का एक्सीडेंट हो गया और गाड़ी नहर में गिर गई जिससे उनकी मौत हो गई। पुरुषोत्तमसिंह हिमाचल प्रदेश में कांगड़ा जिले के रहने वाले थे। उनकी पोस्टिंग जैसलमेर में थी।

यूडी टैक्स बना 14.56 लाख, वसूला सिर्फ 27 हजार

बीकानेर, (निसं)। भले ही राज्य सरकार ने सभी निकायों को अपनी निजी आय में वृद्धि करने के निर्देश जारी किए हुए हों, लेकिन नगर निगम बीकानेर अपने ही राजस्व कोष को हानि पहुंचाने में जुटा हुआ है। नगर निगम की वित्तीय वर्ष 2023-24 की ऑडिट में एक होटल को नगरीय विकास कर के रूप में 14.30 लाख रुपए का अनुचित लाभ दिए जाने की बात कही है। ऑडिट के मेमो नंबर 09 एक जुलाई 2024 में बताया गया है कि निगम की ओर से गंगानगर रोड स्थित एक होटल का वर्ष 2022 में हेरिटेज होटल के रूप में पंजीकरण होने के बावजूद अप्रेल 2016 से मार्च 2022 तक नगरीय विकास कर की गणना औद्योगिक डीएलसी दरों से की गई। इससे होटल को अनुचित लाभ पहुंचाया गया।

ऑडिट मेमो के अनुसार नगर निगम बीकानेर की ओर से 9 मार्च 2024 को आवेदक से बिना आवेदन पत्र, हेरिटेज होटल के रूप में राजस्थान, भारत सरकार

- **नगर निगम बीकानेर अपने ही राजस्व कोष को हानि पहुंचाने में जुटा हुआ है**

की ओर से जारी पंजीकरण प्रमाण पत्र प्राप्त किए बिना एवं तत्कालीन आयुक्त के मौखिक आदेशों के आधार पर ही अवधि अप्रेल 2016 से मार्च 2024 की बकाया राशि 14 लाख 56 हजार 772 रुपए को औद्योगिक डीएलसी दरों से संशोधित गणना करते हुए केवल 27155 रुपए का बिल जारी किया गया। इससे निगम कोष को 14 लाख 29 हजार 617 रुपए की हानि हुई। लेखा परीक्षा के दौरान यह भी पाया गया कि इस होटल की ओर से अपने होटल के निर्माण क्षेत्र में विस्तार करने के लिए निगम में आवेदन किया गया था। इसके अनुसार भूमि का कुल क्षेत्रफल 12212.64 वर्ग मीटर था, जिसमें से पंजीकृत आर्किटेक्ट की रिपोर्ट के अनुसार कुल निर्मित क्षेत्रफल 2685.90 वर्ग मीटर अथवा 3169.36 वर्ग गज निर्मित क्षेत्र था, लेकिन निगम की ओर से होटल से 1665.44 वर्ग गज क्षेत्रफल के अनुसार ही नगरीय विकास कर की गणना की गई है, जिससे निगम को राजस्व हानि हुई है।

ऑडिट मेमो के अनुसार श्रीगंगानगर रोड स्थित इस होटल का हेरिटेज श्रेणी में पंजीकरण प्रमाण मार्च 2022 का है। जबकि निगम की ओर से होटल को इस श्रेणी का लाभ वर्ष 2016 से ही दे दिया गया। ऑडिट मेमो के अनुसार होटल की ओर से पर्यटन विभाग राजस्थान सरकार से हेरिटेज श्रेणी के अंतर्गत पंजीयन करवाया गया था। इसके लिए पर्यटन विभाग की ओर से होटल को प्रमाण पत्र 25 मार्च 2022 न्यू एप्लीकेशन के जरिये जारी किया गया था। उक्त पंजीकरण से पूर्व होटल एक पांच सितारा होटल था, जिसके लिए निगम की ओर से वाणिज्यिक डीएलसी दरों के अनुसार मांग पत्र नगर निगम की ओर से भी भेजा जा रहा था।

सहोदरा नदी के पानी में फंसे लोगों को एसडीआरएफ टीम ने बचाया

ग्राम कुरेडी में सहोदरा नदी के बाढ़ के पानी में फंसे लोगों को एसडीआरएफ टीम ने रेस्क्यू किया।

टोंक, (निसं)। पीपलू उपखंड क्षेत्र के ग्राम कुरेडी में सहोदरा नदी के बाढ़ के पानी में फंसे लोगों को एसडीआरएफ टीम ने पहुंचकर रेस्क्यू किया। तहसीलदार इंद्रजीत सिंह चौहान ने बताया कि ग्राम कुरेडी में सहोदरा नदी के पास बने मकान पर एक परिवार फंसा हुआ था, जिसकी सूचना मिलने पर मौके पर पहुंच एसडीआरएफ टीम को बुलाकर रेस्क्यू करवाया। तहसीलदार ने बताया कि ग्राम कुरेड़ी निवासी रामबाबू, शंकरलाल, रामा पत्नी दामोदर, हनुमान मीणा नदी के पास स्थित मकान पर शुक्रवार शाम से ही मकान की छत पर थे। जिनको शनिवार को एसडीआरएफ टीम ने सुरक्षित रेस्क्यू किया।

टोंक जिला कलेक्टर ने शनिवार को ग्राम बोरखंडी कला में तालाब टूटने

- **ग्राम कुरेडी में सहोदरा नदी के पास बने मकान पर एक परिवार फंसा हुआ था**
- **विधायक व जिला कलेक्टर ने बारिश से उपजे हालातों का जायजा लिया**

से बाढ़ से प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर जायजा लिया है। जिला कलेक्टर ने ग्रामीणों से रूबरू होते हुए उनकी समस्याओं को सुना। उपस्थित अधिकारियों को तुरंत ग्रामीणों को राहत पहुंचाने के निर्देश दिए।

इसी प्रकार पीपलू उपखंड क्षेत्र के संदेडा, संदेडा फार्म, हरिपुरा, भूरावली, पीपलू में बारिश से उपजे हालातों का क्षेत्रीय विधायक रामसहाय वर्मा ने पहुंचकर जायजा लिया। विधायक ने प्रशासनिक अधिकारियों को आमजन को राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। ग्रामीणों ने हरिपुरा से सौंधीफल तक पक्की सड़क बनाए जाने की मांग की। इस पर विधायक ने कहा कि सड़क बनाए जाने को लेकर प्रस्ताव बजट में दिया हुआ है। जल्द ही इस मार्ग पर पक्की सड़क का निर्माण होगा, जिससे भविष्य में परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसी तरह भूरावली में पानी निकासी को लेकर ग्रामीणों की शिकायत पर पंचायत समिति विकास अधिकारी को निदान के निर्देश दिए।

बनास नदी पर बनाया ईसरदा कॉपर डेम ओवरफ्लो हुआ

शनिवार सुबह बनास नदी में पानी की आवक बढ़ने से लबालब भरकर कॉपर डेम ओवरफ्लो हो गया।

चौरु/उनियारा, (निसं)। बनेठा कस्बे के समीप बनास नदी पर ईसरदा मुख्य बांध निर्माण कार्य के लिए बनाया गया दस फट भराव क्षमता का कॉपर डेम शनिवार सुबह लगभग सात बजे बनास नदी में पानी की आवक बढ़ने से लबालब भरकर ओवरफ्लो हो गया। ईसरदा कॉपर डेम पर चादर शुरू हो गई। बनास नदी में पानी की आवक बढ़ने से चैनल गेटों में से पानी लबालब तरबतर होकर बांध निर्माण क्षेत्र में होकर बनास नदी में बहता हुआ नजर आया।

पिछले 24 घंटे से ईसरदा डेम डूब क्षेत्र केचमेंट एरिया में झमाझम बारिश से शुक्रवार शाम से ही बनास नदी में जल स्तर बढ़ गया था, जिसके बाद तीन चैनल गेट खोल कर पानी की निकासी की गई थी। शनिवार सुबह अचानक बनास नदी में पानी की आवक बढ़ने से डेम लबालब हो कर ओवरफ्लो हो गया। बनास नदी में व्यर्थ बहने वाले पानी को उपयोगी बनाने के लिए तथा जयपुर, सवाई माधोपुर व दौसा जिलों को पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए बनेठा ग्राम पंचायत से तीन किलोमीटर दूर बनास नदी पेटे पट राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2004 में ईसरदा बांध का निर्माण करवाने का निर्णय लिया गया था। वर्ष 2008 में लगभग 40 करोड़ रुपए की लागत से ईसरदा कॉपर डेम का निर्माण कराया गया था।

मुख्य बांध का निर्माण कार्य तीव्र गति से जारी था। इस दौरान बनास नदीं में पानी आ जाने से संवेदक को परेशानी का सामना करना पड़ा। आनन-फानन में शुक्रवार रातभर ईसरदा डेम परियोजना के अधिकारी एवं कर्मचारी सभी मशीनों को बनास नदी के किनारे पर लाने के लिए मशक्कत करते नजर आए फिर भी कई सामान पानी में डूब गया। गौरतलब है कि बनास नदीं पर ईसरदा मुख्य बांध का निर्माण कराया जा रहा है, जिसमें 28 ब्लॉक तैयार किए गए हैं और मशीनों के द्वारा निर्माण कार्य जोरों पर चल रहा था।

शनिवार सुबह ईसरदा काफर डेम के ओवरफ्लो होने के बाद सभी मशीनों को नदी में से बाहर निकाल लिया गया है। अब लगभग निर्माण कार्य बारिश के मौसम में बंद ही रहने की संभावना जताई जा रही है। बारिश के बाद ही दुबारा से ईसरदा मुख्य बांध परियोजना का निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद लगाई जा रही है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड कोटपूतली

क्रमांक-535 दिनांक-28.06.2024

ई-निविदा सूचना संख्या 03/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से पथ निर्माण कार्यो हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम	सा.नि.वि. खण्ड कोटपूतली के अन्तर्गत विभिन्न कार्यो की दर संविदा
निविदा की कुल लागत	रूपये 160.32 लाख
धरोहर राशि (2प्रतिशत)	रूपये 3,20,640/-
निविदा फार्म डाउनलोड एवं अपलोड करने की दिनांक	मंगलवार दिनांक 03.07.2024 प्रात 9.30 बजे से सोमवार 15.07.2024 सायं 06.00 बजे तक
निविदा खोलने की दिनांक	मंगलवार 16.07.2024 सायं 5.00 बजे।
निविदा खोलने वाले कार्यालय में ई-ग्रास चालान जमा कराने की दिनांक	मंगलवार 16.07.2024 सायं 2.00 बजे तक।
प्रोसेसिंग शुल्क, निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि जमा कराने की प्रक्रिया	वित्त विभाग द्वारा जारी परिपत्र प.6(5)/वित्त/साविलेनि/2018 दिनांक 27.04.2020 के अनुसार ई ग्रास पर आनलाईन के माध्यम से चालान द्वारा (परिपत्र संलग्न) 1. प्रोसेसिंग शुल्क-8685-00-102-16-02 निर्माण विभाग 2. निविदा शुल्क-0075-00-800-52-01 3. धरोहर राशि-8443-00-108-00-00 ऑफिस आई डी. 32827
यू.बी.एन. नंबर	1. PWD2425WSOB01912 2. PWD2425WSOB01913 3. PWD2425WSOB01914 4. PWD2425WSOB01915

निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट "www.dipronline.org" व विभाग की वेबसाईट "www.eproc.rajasthan.gov.in" एव "www.sppp.raj.nic.in" पर देखा जा सकता है।

(गौतम मीणा)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड कोटपूतली

DIPR/C/5437/2024

'अभ्यर्थियों की महत्वहीन त्रुटियों के निस्तारण के लिए क्या है व्यवस्था'

- **हाईकोर्ट ने माध्यमिक शिक्षा विभाग के सचिव और आर.पी.एस.सी. सचिव को शपथ पत्र पेश करने को कहा**
- **अदालत ने कहा कि किसी बेरोजगार लेकिन योग्य व पात्र उम्मीदवार के जीवन में सरकारी नौकरी के महत्व को कम नहीं आंका जा सकता और ना ही उसे नियुक्ति के अधिकार से वंचित किया जा सकता है**

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने माध्यमिक शिक्षा विभाग के सचिव और आरपीएससी सचिव को व्यक्तिश: या वीसी से पेश होकर शपथ पत्र के जरिए बताने को कहा है कि भर्ती में अभ्यर्थियों की ओर से की गई छोटी-मोटी और महत्वहीन त्रुटियों के प्रभावी निस्तारण के लिए क्या व्यवस्था की गई है। जिससे सरकारी नौकरी के योग्य अभ्यर्थियों को अनुचित मुकदमेबाजी से बचाया जा सके। वहीं अदालत ने दोनों अधिकारियों से याचिकाकर्ता के पद पर बने रहने के संबंध में हुए जानकारी पेश करने को कहा है। जस्टिस सुदेश बंसल ने यह आदेश राजेश की याचिका पर दिए।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि किसी बेरोजगार लेकिन योग्य व पात्र उम्मीदवार के जीवन में सरकारी नौकरी के महत्व को कम नहीं आंका जा सकता और ना ही उसे नियुक्ति के अधिकार से वंचित किया जा सकता है। मामले में राज्य सरकार की ओर से अपनाए तकनीकी दृष्टिकोण की अदालत सराहना नहीं करता है, खासकर तब जबकि भर्ती का उद्देश्य सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा का चयन करना हो। इस तरह की कार्रवाई से पहले से मुकदमों के बोझ तले दबे न्यायालय में अनावश्यक मुकदमेबाजी की नौबत आती है।

याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता का हिंदी वरिष्ठ अध्यापक भर्ती-2018 में चयन हुआ था। उसकी नियुक्ति को यह कहते हुए निरस्त कर दिया कि उसने आवेदन पत्र में अंग्रेजी में राकेश और हिंदी में राजेश नाम लिखा था। अदालत के दिसंबर, 2020 के अंतरिम आदेश की पालना में याचिकाकर्ता को 23 जून, 2021 को नियुक्ति दी गई। वहीं बाद में उसका आरपीएससी की ओर से आयोजित स्कूल व्याख्याता भर्ती में चयन हो गया। ऐसे में उसके नाम के विवाद को अंतिम रूप से तय किया जाए, ताकि उसे पे-प्रोटेक्शन का लाभ मिल सके। अदालत के सामने आया कि राज्य सरकार और आरपीएससी को याचिकाकर्ता के सही नाम पर संदेह नहीं है। इसके बावजूद भी याचिकाकर्ता की नियुक्ति को अंग्रेजी में गलत नाम होने के आधार पर विवादित किया जा रहा है।

अदालत के पूछने पर बताया गया कि विज्ञापन में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि हिंदी और अंग्रेजी में नाम को लेकर भिन्नता हो तो अंग्रेजी में लिखे नाम को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके अलावा राज्य सरकार की ओर से अदालत को इस बात पर भी संतुष्ट नहीं किया जा सका कि नाम की छोटी सी विसंगति को दूर करने के लिए याचिकाकर्ता को मौका क्यों नहीं दिया गया। अदालत ने कहा कि जब याचिकाकर्ता के नाम पर विवाद ही नहीं है तो उसकी नियुक्ति को लेकर विवाद क्यों किया जा रहा है।

माँग दिवस के रूप में मनाया सहकारिता दिवस

जयपुर, (का.सं.)। ऑल इंडिया कोआपरेटिव बैंक एम्पलाईज फेडरेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व ऑल राजस्थान कोआपरेटिव बैंक एम्पलाईज यूनियन के प्रान्तीय महासचिव सहकार नेता सूरज भान सिंह आमेरा ने बताया कि 6 जुलाई अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस को फ़ेडरेशन के राष्ट्रीय आव्हान पर देश भर के सहकारी बैंक कर्मियों ने माँग दिवस के रूप में मनाया। देश भर में सहकारी बैंक कर्मियों ने माँग के लिए बेज धारण कर माँग दिवस मनाया। माँगो के लिए सचिव सहकारिता व रजिस्ट्रार सहकारिता को ज्ञापन प्रेषित किए गये। प्रदेश के सहकारी बैंक कर्मियों के वेतनमान सुधार के लिए मुख्यमंत्री, वित्त विभाग सरकार व सहकारी विभाग स्तर से अक्टूबर 2023 में ही सम्पन्न/स्वीकृत अवधिपार लंबित 16वे वेतन समझौते को सभी सहकारी बैंकों में एकरूपता लागू करना, सहकारी बैंकों में कर्मचारी व अधिकारी के तीन साल से रिक्त पड़े पदो पर भर्ती करना आदि को लेकर माँग दिवस मनाया गया।

हजरत सैयद महबूब उर रहमान नियाजी के उर्स का समापन

मीर जी दरगाह में हजरत सैयद महबूब उर रहमान नियाजी के आठवें उर्स के पहले दिन देशभर से हजारों मुरीदों ने अपनी दुआएं और मन्नतें मांगी।

जयपुर। संसार चंद रोड स्थित मीर जी दरगाह में हजरत सैयद महबूब उर रहमान नियाजी के आठवें उर्स के पहले दिन रात में क्लासिकल म्यूजिकल नाइट में फनकारों ने जबरदस्त अपने फन की प्रस्तुति दी। दूसरे दिन सुबह कुरानखानी हुई और दरगाह को गुसल दिया गया। शाम को कव्वाली की महफिल सजी जिसमें देश भर से कव्वाल पहुंचे बॉलीवुड फेम साबरी बंधुओं ने शानदार कलाम पेश किया, महफिल देर रात तक चली। इस मौके पर दरगाह के सज्जादा नशीन डॉक्टर सैयद हबीब उर रहमान नियाजी ने कहा कि तीन दिन के उर्स मुबारक में अलग-अलग दिन अलग-अलग कार्यक्रमों हुए। पहले दिन देश भर के मशहूर क्लासिकल फनकातो ने अपने फन पेश किया। दूसरे दिन शाम को मगरिब के बाद चादरों का सिलसिला शुरू हुआ। देशभर से अकीदतमंदो ने अपनी मुरादों की चादर पेश की। रात में कव्वाली की महफिल सजी जो देर रात तक चली। तीसरे दिन कुल की रस्म के साथुरा का समापन हुआ और देश में ओ अमन रहे, आपसी भाईचारा हमेशा बना रहे की अर्जी लगाई गई। उन्होंने कहा कि सभी मुरिदो से वादा लिया की एक पेड़ ज़रूर लगाएंगे। दरगाह के नायाब सज्जादानशीन सैयद फैज उर रहमान नियाजी ने कहा देशभर से हजारों की तादाद में मुरीद जयपुर पहुंचे हैं और अपने हकीकत के फूल पेश किए हैं और अपनी दुआएं और मन्नतें मांगी सभी आए। तीनो दिन लंगर का प्रोग्राम रहा हजारों लोगों ने लंगर खाया। कुल की रस्म के साथ उर्स मुकम्मल हुआ।

रत्न आभूषणों के बूथ पर उमड़े देश विदेश के खरीदार

जयपुर, (का.सं.)। शो के दूसरे दिन उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा और विधायक गोपाल शर्मा ने जस -2024 का अवलोकन किया ज्वेलर्स एसोसिएशन जयपुर के अध्यक्ष आलोक सोंखिया, महासचिव नीरज लुणावत ,उपाध्यक्ष राजू मंगोडी वाला और शो के कन्वीनर अशोक माहेश्वरी ने उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बेरवा और विधायक गोपाल शर्मा को शो का विजिट का स्वागत किया और शो का विजिट कराया।

जयपुर ज्वैलर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष और जस 2024 के सहसंयोजक राजू मंगोडी वाला ने बताया कि उन्होंने प्रदर्शनी का दौरा किया और जयपुर के एक्जीबिटर्स की ओर से प्रदर्शित किए गए रत्न आभूषणों के एक से बढ़कर एक डिजाइन और कारीगरों की कला की सराहना की। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा की जयपुर की ज्वेलरी पूरी दुनिया में मशहूर है और इस तरह के शो यहां के ज्वैलरी व्यवसाय को अंतरराष्ट्रीय मंच पर और मजबूती के साथ प्रस्तुत करती है। बीजेपी सरकार इस शो का पूरा समर्थन और सहयोग करने के लिए हमेशा तैयार है। विधायक गोपाल शर्मा ने जस -2024 में सजे रंगीन रत्नों के अनोखे संसार और खूबसूरत गहनों से बेहद प्रभावित नजर आए। उन्होंने कहा कि ज्वैलरी शो, ज्वेलर्स एसोसिएशन जयपुर की ओर से किया गया शानदार प्रयास है।

सहकारी संस्थाएं नवीन तकनीक अपनाएं : अर्चना सिंह

जयपुर, (कासं.)। रजिस्ट्रार सहकारिता अर्चना सिंह ने कहा कि प्रदेश में सहकारी संस्थाओं के पल्लवन के लिये आवश्यक है कि वे अधिकाधिक नवीन तकनीक को अपनायें ताकि उनकी कार्यशैली में पारदर्शिता का समावेश हो और सदस्यों का सहकारिता में विश्वास कायम रहे। उन्होंने कहा कि सहकारी संस्थाओं के विकास और प्रसार के लिये उनके संरक्षण, संवर्धन और नियंत्रण में संतुलन रखकर कार्य करने की आवश्यकता है।

सिंह ने शनिवार को झालाना संस्थानिक क्षेत्र स्थित राइसेम परिसर में 102वें अन्तरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर आयोजित सेमीनार को संबोधित करते हुये कहा कि आज से लगभग 120 वर्ष पूर्व प्रदेश में कृषि क्षेत्र में वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिये सहकारिता का संस्थागत स्वरूप सामने आया था। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिवेश में समाज और व्यक्ति की आवश्यकता और पसंद में परिवर्तन आया है। इसलिये अब सहकारी संस्थाओं को स्थानीय आवश्यकताओं और पसंद को ध्यान में रखते हुये अपने कार्यक्षेत्र में बदलाव लाने की जरूरत है।

रजिस्ट्रार ने कहा कि सहकारी संस्थाओं को अपनी सेवा प्रदायगी को बेहतर करते हुये नये नये क्षेत्रों में कार्य करना चाहिये, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन के साथ-साथ लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि सहकारिता में समर्पण और ईमानदारी के साथ कार्य करें और सभी को साथ लेकर चलेंगे तो किसी भी समस्या का समाधान स्थानीय स्तर पर प्राप्त कर सकते हैं।

रजिस्ट्रार सहकारिता अर्चना सिंह ने शनिवार को झालाना संस्थानिक क्षेत्र स्थित राइसेम परिसर में 102वें अन्तरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर आयोजित सेमीनार को संबोधित किया।

जयपुर डेयरी के अध्यक्ष ओम प्रकाश पूनिया ने कहा कि सहकारिता लोकतंत्र का प्राणतत्व है। जिस लोकतंत्र में सहकारिता नहीं है वह मृतप्राय है। उन्होंने कहा कि स्वावलंबन, आत्मनिर्भरता, पारस्परिक सहयोग की भावना समाज को एकजुट करती है और इसी से व्यक्ति में सहकारिता का जन्म होता है। समाज में नैतिकता होने पर ही सहकारिता का प्रसार संभव है।

अन्तरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के मौके पर राइसेम परिसर में रजिस्ट्रार सहकारिता, जयपुर डेयरी अध्यक्ष, निदेशक राइसेम सहित सभी सहकारजनों ने पौधारोपण किया। सेमीनार में करणपुर क्रय-विक्रय सहकारी समिति के अध्यक्ष लखविन्दर सिंह, फागी जीएसएस के अध्यक्ष ओ. पी. शर्मा, बीलवा जीएसएस के अध्यक्ष प्रहलाद सहाय, नाबार्ड के पूर्व महाप्रबंधक आर. एस. जोधा, भूतपूर्व संयुक्त रजिस्ट्रार (नियम) लीला पुरूषोत्तम तथा राइसेम निदेशक जितेन्द्र शर्मा ने संबोधन दिया। कार्यक्रम में संयुक्त सचिव सहकारिता दिनेश कुमार जांगिड, अतिरिक्त रजिस्ट्रार (प्रथम) राजीव लोचन शर्मा, अतिरिक्त रजिस्ट्रार (द्वितीय) शोभिता शर्मा, प्रबंध निदेशक एसएलडीबी विजय कुमार शर्मा सहित जयपुर सीसीबी के प्रबंध निदेशक तथा राइसेम एवं सहकारिता विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

बिल्डर रवि सूर्या अफोर्डेबल होम्स पर 55 हजार रुपए हर्जाना

जयपुर, (का.सं.)। जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर-द्वितीय ने फ्लैट की बुकिंग की राशि लेने के बाद भी तय अवधि में फ्लैट का कब्जा नहीं देने को सेवा दोष माना है। इसके साथ ही आयोग ने बिल्डर रवि सूर्या अफोर्डेबल होम्स पर 55 हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। आयोग ने बिल्डर को निर्देश दिया है कि वह परिवादी को बुकिंग के तौर पर वसूल की गई 1.38 लाख रुपए की राशि 9 प्रतिशत ब्याज सहित लौटाए। आयोग के अध्यक्ष ग्यारसी लाल मीना व सदस्य हेमलता अग्रवाल ने यह आदेश लाखन सिंह के परिवाद पर दिए।

परिवाद में कहा गया कि उसने बिल्डर के प्रोजेक्ट सूर्या रेजीडेंसी में बुकिंग राशि देकर 2 बीएचके का फ्लैट बुक करवाया था। बिल्डर के प्रतिनिधि ने कहा कि यह प्रोजेक्ट 2019 तक पूरा हो जाएगा और वह उसे 20 दिन में ही बकाया राशि का लोन करवा देगा। इसके बावजूद भी प्रोजेक्ट समय पर पूरा नहीं हुआ। उसने जब विपक्षी के कर्मचारियों से अपनी जमा राशि वापस मांगी तो वे पहले तो टालमटोल करते रहे, लेकिन बाद में उसे डराया कि दुबारा संपर्क किया तो हाथ-पैर तोड देंगे।

दुष्कर्म करने के आदतन अभियुक्त जीवाणु को एक बार फिर उम्रकैद

जयपुर, (का.सं.)। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-3 महानगर द्वितीय ने नाबालिगों से दुष्कर्म करने के आदतन अभियुक्त सिकंदर उर्फ जीवाणु को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर एक लाख तीन हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। यह प्रकरण चार साल की बच्ची से दुष्कर्म कर जीभ काटने से जुडा है। अभियुक्त सात साल की नाबालिग से दुष्कर्म करने के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक महावीर सिंह किशनावत ने अदालत को बताया कि 23 जून, 2019 को पीडिता के चाचा ने शास्त्री नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसकी चार साल की भतीजी रात करीब दस बजे खेलती-खेलती घर से बाहर निकल गई थी। पुलिस और परिजनों के काफी तलाश करने के बाद भी उसका पता नहीं लगा। वहीं रात करीब दो बजे कोई उसे घर के थोडी दूरी पर छोडकर चला गया। अस्पताल जाने पर पता चला कि उसके साथ दुष्कर्म हुआ है और जीभ काटी गई है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को कोटा से गिरफ्तार किया। सुनवाई के दौरान पीडिता ने अदालत को बताया कि अभियुक्त उसे मोटर साइकिल पर बैठाकर नाले में ले गया था और उसके साथ गलत काम किया। जब वह चिल्लाई को अभियुक्त ने चाकू से उसकी जीभ काट दी। जिस पर सुनवाई करते अदालत ने अभियुक्त को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

वर्षाकाल में हो रहे अमृत मिशन के काम जांचने पहुंचे आयुक्त

हैरिटेज निगम आयुक्त अभिषेक सुराणा ने शनिवार को अमृत योजना 2.0 के तहत किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया।

जयपुर । हैरिटेज निगम आयुक्त अभिषेक सुराणा ने शनिवार को अमृत योजना 2.0 के तहत किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान आयुक्त सुराणा ने अधिकारियों को सीवर लाइन के लिए खोदी गई सड़कों को जल्द ढकने के निर्देश दिए, साथ ही बारिश में खुदाई कार्य नहीं कराने के निर्देश दिए।

- **सीवर लाइन के लिए खोदी गई सड़कों को जल्द ढकने और बारिश के दौरान खुदाई कार्य नहीं कराने के निर्देश दिए**

आयुक्त ने बताया कि हेरिटेज निगम क्षेत्र में जयसिंह पुरा खोर, जामडोली सहित परकोटे में अमृत 2 योजना में सीवर का कार्य किया जा रहा है। बारिश में कोई हादसा नहीं हो जाएं, इसके लिए शनिवार को सभी क्षेत्र में खुदाई पर रोक लगाई गई है। इसके अलावा किन क्षेत्र में कार्य हो रहा है, वहां भी बेरीकेट लगाने और खड्डे को जल्द भरने के निर्देश दिए। इस दौरान आयुक्त ने खोर में बने एसटीपी प्लांट का भी निरीक्षण किया। इनके अलावा वर्षा में धंसी हुई सड़कों को जल्द मरम्मत करने के निर्देश दिए।

वहीं, अतिरिक्त आयुक्त डॉ. रौनक बैरागी ने शहर के प्रमुख पार्क का निरीक्षण किया और हेरिटेज निगम की ओर से किए जा रहे पौधा वितरण की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने पार्क की सफाई, रखरखाव और हरित क्षेत्र को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। अतिरिक्त आयुक्त ने पार्क की स्वच्छता व्यवस्था का जायजा लिया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से सफाई अभियान चलाएं और पार्क की हरियाली को बनाए रखें। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है बल्कि समाज में जागरूकता भी बढ़ती है। इस दौरान जिन लोगों को पौधों का वितरण किया गया और सभी उपस्थित लोगों से अपील की गई कि वे इन पौधों की अच्छी देखभाल करें और अपने आसपास के क्षेत्रों को हरा-भरा बनाएं।

डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्र को समर्पित किया अपना जीवन : मंजू शर्मा

जयपुर। जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 123वीं जयंती के अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में आज उनके चित्र पर पुष्पांजली अर्पित की गई। इस दौरान जयपुर सांसद मंजू शर्मा ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ. मुखर्जी ने अपने जीवन को राष्ट्र के प्रति समर्पित कर दिया था। कश्मीर को लेकर डॉ मुखर्जी ने नारा दिया था कि एक देश में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान नहीं चलेंगे। इस नारे को 70 साल बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने 70 मिनट में पूरा करते हुए कश्मीर से धारा 370 और 35 ए हटाने का ऐतिहासिक काम किया। वहीं दूसरी ओर कुछ राष्ट्र विरोधी लोग और राजनैतिक पार्टियां कश्मीर के मामले को यूएन में ले जाने का काम कर रहे थे, धारा 370 के बिल को संसद में फाड़ने का काम कर रहे थे, ऐसी राष्ट्र विरोधी शक्तियों को कमजोर करने के लिए भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता को एकजुट होकर डॉ मुखर्जी के पदचिन्हों पर कार्य करने की आवश्यकता है।

- **'उनके नारे ''एक देश में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान नहीं चलेंगे'' को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया साकार'**

जयपुर सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश में पंडित नेहरू की परमिट व्यवस्था का भी विरोध किया था। इसी विरोध के स्वरूप उन्होंने राष्ट्र के लिए अपना बलिदान दे दिया, लेकिन उनके बलिदान को जनसंघ के बाद भारतीय जनता पार्टी ने समझा और आज कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। डॉ. मुखर्जी सच्चे अर्थों में मानवता के उपासक और सिद्धान्तवादी नेता थे। बहुमुखी प्रतिभा के धनी और शिक्षाविद् डॉ मुखर्जी के जीवन चरित्र को हमें अपने जीवन में उतारना चाहिए। डॉ मुखर्जी उस दौर में जो विचार लेकर चले थे, उनके विचारों को देश में समझने वाला कोई नहीं था। इसके बावजूद उन्होंने अपने विचारों को आगे बढाया। हमें डॉ. मुखर्जी की विचारधारा को साथ लेकर आगे बढ़ना चाहिए। डॉ. मुखर्जी के सपने को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरा करने का काम किया। कश्मीर में जिन हाथों में पत्थर हुआ करते थे, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन हाथों को रोजगार देकर उनके परिवारों को आगे बढ़ाने की दिशा में काम किया है। पुष्पांजली कार्यक्रम के दौरान भाजपा के संगठक प्रद्युम्न कुमार, प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ, प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष अनुराधा माहेश्वरी और भाजपा मीडिया कार्यालय प्रभारी चंपालाल रामावत सहित अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पूर्व में की गई सेवा का वेतन संरक्षित करने के आदेश

जयपुर। हाईकोर्ट ने तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती-2018 में चयनित अभ्यर्थी का समान पद पर पूर्व में की गई सेवा व वेतन संरक्षित करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस अनुप कुमार ढंड ने यह आदेश बनवारी लाल चौधरी व अन्य की याचिका पर दिए। याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता का तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती-2013 में चयन हुआ था। इस भर्ती में उसे बाडमेर जिला आवंटित हुआ था। वहां सेवा देने के बाद वर्ष 2018 में निकली तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में उसका चयन हो गया और उसे जयपुर जिला आवंटित हो गया। याचिका में कहा गया कि उसकी समान पद पर ही दूसरी नियुक्ति हुई है। ऐसे में राजस्थान सेवा नियम के नियम 24 के तहत उसके वर्तमान वेतन को संरक्षित किया जाए और पूर्व में की गई सेवाकाल की गणना भी की जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ता की पूर्व की सेवाकाल की गणना करते हुए वेतन को संरक्षित करने के आदेश दिए हैं।

कोर्ट ने 12.75 लाख रुपए का क्लेम खारिज किया

जयपुर, (का.सं.)। जिले की स्थाई लोक अदालत ने वाहन चोरी की सूचना बीमा कंपनी को 317 दिन की देरी से देने और चोरी की एफआईआर 20 दिन बाद दर्ज कराने को संदिग्ध मानकर 12.75 लाख रुपए का क्लेम खारिज कर दिया। स्थाई लोक अदालत ने कहा कि वाहन चालक को ऐसा कौनसा जरूरी काम था, जो वाहन में ही चाबी लगाकर चला गया और दूसरे दिन मौके पर आया। वहीं वाहन के मालिक ने चोरी की एफआईआर भी बीस दिन बाद दर्ज क्यों नहीं कराई। वहीं बीमा कंपनी को चोरी की सूचना 317 दिन की देरी से देना भी बीमा शर्तो का उल्लंघन है। ऐसे में परिवादी बीमा क्लेम लेने का अधिकारी नहीं है। लोक अदालत ने यह आदेश किरण सिंह का परिवाद खारिज करते हुए दिए। बीमा कंपनी के अधिवक्ता ने बताया कि परिवादी ने अपने ट्रेलर का बीमा 12 लाख रुपए में बीमा कंपनी से करवाया था। इसकी अवधि 28 नवंबर 2020 से 27 नवंबर 2021 थी। इस दौरान बीमित वाहन 15 दिसंबर 2020 को ही कोटपुतली थाना क्षेत्र से चोरी हो गया, लेकिन वाहन चालक ने बीमा कंपनी को चोरी की सूचना नहीं दी और एफआईआर भी 20 दिन की देरी से दर्ज कराई। वहीं जांच में आया कि चालक खुद ही वाहन की चाबी उसमें लगाकर चला गया था और सुबह वापस आया तो वाहन उसे नहीं मिला। वाहन चालक ने बीमा कंपनी में क्लेम किया, लेकिन कंपनी ने उसे गलत मानते हुए 29 नवंबर 2021 को खारिज कर दिया। इसे परिवादी ने स्थाई लोक अदालत में चुनौती दी थी।

- **बीमा कंपनी को वाहन चोरी की सूचना 317 दिन की देरी से देने का मामला**

माथुर ने लगाया एक पेड़ माँ ने नाम

जयपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्य ओमप्रकाश माथुर ने प्रधानमंत्री के आव्हान पर एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम के तहत मानसरोवर स्थित अपने आवास के बाहर पेड़ लगाए। इस अवसर पर पूर्व विधायक मानसिंह किन्सरिया स्थानीय पार्षद व निगम में चेयरमैन हरीश शर्मा के साथ कॉलोनी के निवासी उपस्थित रहे।

25 फीट गहरे नाले में गिरा युवक

जयपुर । मानसरोवर इलाके में 25 फीट गहरे नाले में शुक्रवार रात एक युवक गिर गया। नाले में गिरने से उसके हाथ-पैर टूटने के साथ सिर में गहरी चोट लगी है। शिप्रापथ थाना पुलिस ने शनिवार सुबह पता चलने पर रेस्क्यू कर उसे नाले से बाहर निकाला। पुलिस ने घायल युवक को जयपुरिया हॉस्पिटल में एडमिट करवाया है।

मेरे जैसे सामान्य कार्यकर्ता को हरियाणा का प्रभारी बनाकर किसानों का मान बढ़ाया : डॉ. सतीश पूनिया

जयपुर। भाजपा केंद्रीय नेतृत्व द्वारा डॉ. सतीश पूनिया को हरियाणा भाजपा प्रदेश प्रभारी बनाये जाने पर प्रदेशभर से जयपुर पधारे कार्यकर्ताओं एवं आमजन ने डॉ. सतीश पूनियां को बधाई एवं शुभकामनाएं दी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित समस्त केंद्रीय नेतृत्व का हार्दिक आभार-अभिनंदन व्यक्त किया।

इस दौरान सतीश पूनिया ने जयपुर में राणी सती नगर स्थित अपने जनसंवाद केंद्र पर जनसुनवाई की, जो वह जयपुर रहने के दौरान पिछले कई वर्षों से सुबह 8 से 11 बजे तक प्रदेशभर से पधारे कार्यकर्ताओं एवं आमजन से मुलाकात कर जनसुनवाई करते हैं।

सतीश पूनिया ने कहा कि हरियाणा राज्य के प्रभारी के रूप में जिम्मेदारी प्रदान करने हेतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का हार्दिक आभार एवं अभिनंदन व्यक्त करता हूं कि राजस्थान प्रदेश के सामान्य किसान परिवार में जन्मे मेरे जैसे सामान्य कार्यकर्ता को हरियाणा का प्रभारी बनाकर राजस्थान, हरियाणा सहित समस्त देश के किसानों का मान बढ़ाया है, इससे पहले राजस्थान जैसे बड़े प्रदेश का अध्यक्ष बनाकर भी भाजपा केंद्रीय नेतृत्व ने किसानों का सम्मान बढाया था। उन्होंने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में किसानों एवं खिलाड़ियों की धरती हरियाणा में जनता के आशीर्वाद एवं कार्यकर्ताओं के परिश्रम से फिर से प्रचंड बहुमत की भाजपा सरकार बनाएंगे। उन्होंने कहा कि, हरियाणा की नायब सिंह सैनी सरकार हरियाणा प्रदेश के विकास के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है, वहीं नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की एनडीए सरकार और हरियाणा की नायब सैनी सरकार की जनहितकारी नीतियों पर हरियाणा की सभी 36 कौम की किसान सरदारी, युवा एवं माता बहनें अपने आशीर्वाद से विश्वास की मुहर लगाएंगे और तीसरी बार भाजपा हरियाणा में जीत की हैट्रिक लगाकर प्रचंड बहुमत की सरकार बनाएगी।

हरियाणा भाजपा का प्रभारी बनाए जाने पर डॉ. सतीश पूनिया को कार्यकर्ताओं ने बधाई दी।

मंच पर साकार हुआ भगवान कृष्ण का योगेश्वर स्वरूप

जयपुर । राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में शनिवार को पावन चिंतन धारा आश्रम के सांस्कृतिक प्रकल्प परिवर्तन की ओर से नाट्य प्रस्तुति ''कृष्ण'' का आयोजन किया गया। आश्रम के कलाकारों ने नाटक का मंचन किया। श्री कृष्ण जिन्हें हम भगवान मानते हैं, उन्हें दिन रात भजते भी हैं, परंतु क्या हम भगवान कृष्ण के सही स्वरूप को जानते हैं? इन सवालों से प्रेरणा लेकर कलाकारों ने डॉ. पवन सिन्हा गुरुजी के मार्गदर्शन में यह नाटक तैयार किया। दिल्ली, गाजियाबाद, मेरठ, लखनऊ और अमृतसर में सफल आयोजन के बाद राजस्थान में पहली बार इस नाटक का मंचन हुआ। दर्शकों ने न सिर्फ श्री कृष्ण के योगेश्वर स्वरूप से साक्षात्कार किया बल्कि मानव जीवन की सफलता का मंत्र भी आत्मसात किएइस दौरान दर्शकों को भारतीय ज्ञान शोध संस्थान की निदेशिका एवं आदरणीय गुरु माँ डॉ. कविता अस्थाना का भी सानिध्य प्राप्त हुआ।

नाटक अन्याय से त्रस्त, अधर्म को देख धर्म से विमुख होते और भगवान से शिकायत रखने वाले आधुनिक युवाओं की जिज्ञासाओं से शुरू होता है।

छबड़ा धरनावदा मार्ग पर ग्रामीणों ने जाम लगाकर प्रदर्शन किया

छबड़ा (निसं)। भीलवाड़ा ऊंचा गांव में सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा बनाई गई पुलिया पर एप्रोच नहीं बनाने व संवेदक द्वारा पुलिया के दोनों साइडो पर डाली गई मिट्टी बह जाने से रास्ता बंद हो जाने के चलते आक्रोशित ग्रामीणों ने शनिवार को ग्रामीणों ने छबड़ा धरनावदा मार्ग पर जाम लगा

- पुलिया के दोनों साइडों पर डाली गई मिट्टी बह जाने से रास्ता बंद हो गया

दिया। इससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की कतारें लग गई थी। बापचा थानाधिकारी ने ग्रामीणों से समझाइश कर मार्ग सुचारु करवाया।

पिछले दिनों भीलवाड़ा ऊंचा गांव में पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा ठेकेदार के माध्यम से बनवाई गई पुलिया पर एप्रोच नही बनाए जाने व पुलिया के दोनों साइडो पर संवेदक द्वारा डाली गई मिट्टी बारिश के पानी के साथ बह गई। जिससे मार्ग अवरूद्ध हो गया। जिसके कारण ग्रामीणों को आवागमन में काफी परेशानियां आ रही थी। जिसको लेकर ग्रामीणों ने कई बार जिम्मेदार विभाग को अवगत करवाया था, लेकिन कोई कार्यवाही नही हुई। इस पर आक्रोशित ग्रामीणों ने शनिवार को छबड़ा धरनावदा मार्ग पर जाम लगा दिया। इसके बाद बापचा थानाधिकारी बुद्धराम जाट ने मौके पर पहुंच कर ग्रामीणों से समझाइश की। वही, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने मौके पर पहुंच कर एप्रोच में ग्रेवल व पाइप डलवाकर रास्ता चालू करवाने का कार्य शुरू करवा दिया।

रास्ता बंद हो जाने के चलते आक्रोशित ग्रामीणों ने छबड़ा धरनावदा मार्ग पर जाम लगा दिया। बापचा थानाधिकारी ने ग्रामीणों से समझाइश कर मार्ग सुचारु करवाया।

पौधारोपण किया

करौली (निसं)। भाजपा जिला अध्यक्ष सहित पार्टी पदाधिकारियो ने एक पेड मां के नाम अभियान के तहत पौधा रोपण करते हुए उनकी सुरक्षा का संकल्प लिया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी एवं राजस्थान भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष रक्षा भंडारी के निर्देश पर एक पेड मां के नाम कार्यक्रम की प्रभारी राधा भारद्वाज,सह प्रभारी श्रीमती अंजू मिश्रा के निर्देशानुसार एक पेड माँ के नाम से भाजपा जिला अध्यक्ष बृजलाल डिकोलिया, जिला संयोजक विद्या वैष्णव, महिला मोर्चा करौली,युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष लक्ष्मण चौधरी के नेतृत्व में करौली जिले की सपोटरा विधानसभा क्षेत्र में सार्वजनिक स्थानो,पार्क,खाटू श्याम जी मंदिर प्रांगण आदि पर 51 पौधे लगाकर पौधों की रक्षा करने का संकल्प लिया। साथ में सपोटरा, देहात, कुडगांव, महमदपुर आदि से मेघा, स्वाति नीत, बानो, कैलाशी,पिस्ता,गुड्डी,रेखा,राजकुमारी, अन्नपूर्णा, अंजलि, माला, शोभा, संतोष, हेमलता, शिमला, प्रियंका, रामकली, गीता आदि महिला टीम के साथ भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इसके अलावा भाजपा शहर मंडल करौली अध्यक्ष आशुतोष तिवारी के नेतृत्व में भाजपा शहर मंडल कि ओर से भारतीय जन संघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती के अवसर पर एक पेड माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया।

मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव का शुभारंभ

बूंदी (निसं)। प्रदेश में युवाओं को रोजगार देकर उनके सपनों को साकार करने के लिए राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव का शुभारंभ किया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतत्व में सशक्त युवा, समृद्ध राजस्थानश् के संकल्प के अनुरूप पूर्ण निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ भर्तियां होने से युवाओं के सपनों को नई उडान मिलेगी और अब युवाओं को सरकारी नौकरी की भर्ती के लिए इंतजार नहीं करना पडेगा। इसके लिए राजस्थान लोक सेवा आयोग से भी भर्तियों का कैलेंडर तैयार किया जा रहा है। विकसित राजस्थान की संकल्पना को साकार करने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत राज्य सरकार ने भर्तियों को समय पर पूरा कराने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाएं है।

राज्य सरकार सरकार नई भर्तियों और खाली पदों पर नियुक्तियों को लेकर पूरी तत्परता से काम कर रही है। इससे राज्य के विभागों में रिक्त पदों की समस्या नहीं रहेगी। समय पर भर्ती विज्ञापन निकलें, नियमित परीक्षा हो और साक्षात्कार भी समय पर हों , ताकि किसी भी स्तर पर भर्तियां लंबित नहीं रहें, इसके लिए राज्य सरकार ने सभी प्रबंध किए हैं। राज्य सरकार द्वारा

- युवाओं के 'स्वर्णिम भविष्य' के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकार
- युवाओं के सपने साकार होंगे, रोजगार की संभावनाएं हुई अपार
- बूंदी जिले में 248 को नियुक्ति पत्र सौंपे

भर्तियों के जरिए सरकारी नौकरी पाने वाले कार्मिकों को संभाग स्तर पर रोजगार उत्सव का आयोजन कर नियुक्ति पत्र सौंपे जाएंगे।

निश्चित रूप से राज्य सरकार द्वारा युवाओं के सपने साकार करने की दिशा में उठाया गया यह कदम आने दिनों में प्रदेश के युवाओं के सर्वांगीण विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

बूंदी जिला मुख्यालय पर रोजगार उत्सव के माध्यम से नव नियुक्त कार्मिकों की राजकीय सेवाओं की शुरुआत उत्सवी माहौल में हुई। नव नियुक्त कार्मिकों को अपने कौशल का विकास करते हुए कार्य को पूर्ण जिम्मेदारी से करते हुए लोक कर्तव्य की अपेक्षाओं पर खरा उतरेंने के लिए प्रोत्साहित किया गया। रोजगार उत्सव कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के 166, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के 36, वन विभाग के 40, पुलिस, भूजल व मत्स्य विभाग के एक-एक नवनियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।

नियुक्ति पाकर खिल उठे युवाओं के चेहरे:- बूंदी जिला मुख्यालय पर आयोजित रोजगार महोत्सव में नियुक्ति पत्र मिलने के बाद नवनियुक्त युवा कार्मिकों चेहरे खिल उठे। नियुक्ति पाने वाली ललता मीणा, निखिल कारपेंटर और अमित कुमार ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार देने के लिए बहुत अच्छा कार्य कर रही हैं।

कडे परिश्रम के बाद राज्य सरकार की बेहतरीन व्यवस्था से उसे नियुक्ति के लिए इंतजार नहीं करना पडा। खुशी जाहिर करते हुए कहा कि राजकीय सेवा मिलने के बाद वह अब जीवन की नई शुरूआत करेंगी। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा रोजगार महोत्सव के माध्यम से नव नियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र देने की पहल के लिए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का आभार जताया।

मारपीट में घायल युवक ने इलाज के दौरान दम तोड़ा

रामगंजमंडी (निसं)। शहर में एक युवक के साथ मारपीट होने के तीन दिन बाद युवक ने हॉस्पिटल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

बच्चे को कार से टक्कर मारने के बाद बच्चे के परिवार जनों ने युवक से मारपीट की थी।जिसे रामगंजमंडी झालावाड़ रेफर किया गया। मामला बुधवार देर रात सुभाष कॉलोनी का है।वहीं रामगंजमंडी पुलिस शनिवार सुबह झालावाड़ हॉस्पिटल पहुंची। जहां मृतक का पीएम करवाकर हमलावारों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट ली गई। पुलिस ने आरोपियों को डिटेन भी कर लिया है।

- मृतक के परिजनों ने नामजद हत्या का मुकदमा दर्ज कराया

मृतक युवक सोनू सांखला(40) सुभाष कॉलोनी का निवासी है। जो आबकारी कार्यालय के पास रहता था। बीते बुधवार को सोनू रात करीब 10 बजे अपनी कार से घर आया। इस बीच घर से पहले पड़ोस मे एक बच्चा सडक पर खेल रहा था। बताया जा रहा है कि उस दौरान मृतक सोनू ने सडक पर खेलते बच्चे को टक्कर मार दी।ऐसे में बच्चे के पैर पर गाडी का टायर चढ़ गया।बच्चे के चिल्लाने की आवाज सुन बच्चे के पिता जगदीश मीणा उसके भाई गिरिराज मीणा मोहन मीणा परिजन सहित पडोस के अन्य लोग बाहर आए और मृतक सोनू को कार से निकाल कर मारपीट कर दी।जिससे सोनू सांखला के पेट मे गंभीर चोट आने से सोनू के परिजन उसे रामगंजमंडी सीएचसी लेकर गए।मामले मे थानाधिकारी रामनारायण भंवरिया ने बताया कि मृतक सोनू सांखला कोटा स्टोन खदान पर ड्राइवर का काम करता था। जिसके दो लडके और एक लडकी है।बुधवार को बच्चे के टक्कर लगने के बाद मारपीट में सोनू गंभीर रूप से घायल हुआ था। जो 2 दिन से झालावाड़ जिला हॉस्पिटल के आईसीयू मे एडमिट था। शनिवार सुबह सूचना मिली कि सोनू सांखला ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। ऐसे मे झालावाड़ हॉस्पिटल पहुंच कर मृतक का पीएम करवाया जा रहा है।वहीं परिजनों ने जगदीश मीणा, गिरिराज मीणा और मोहन मीणा सहित अन्य लोगो के खिलाफ रिपोर्ट दी है। ऐसे मे आरोपियों को डिटेन कर दिया गया है।पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कविता मीना को पी.एच.डी. की उपाधि

गंगापुर सिटी (निसं)। समीपवर्ती ग्राम खंडिप की बहू कविता मीना को जोधपुर के जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय से पीएचडी (डॉक्टरेट) की उपाधि से विभूषित किया गया हैं। कविता ने अपना शोध कार्य फोटो इलेक्ट्रो केमिकल स्टडीज ऑन ग्राफीन बेस्ड नैनोकंपोसाईट मैटेरियल्स एंड देयर एप्लीकेशन फॉर सोलर एनर्जी कन्वर्जन एंड स्टोरेज विषय पर रसायन शास्त्र विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. शंकर लाल मीना के निर्देशन में पूर्ण किया। कविता ने बताया कि इन्होंने अपना शोध कार्य विभाग की प्रयोगशाला के साथ-साथ डीआरडीओ जोधपुर व एमएनआईटी जयपुर की एमआरसी लैब की मदद से संपूर्ण किया तथा आईआईटी रुडकी में शोध पत्र का वाचन किया। इनके शोध-पत्र कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। इन्होने अपनी पीएचडी का श्रेय राजस्थान तकनीकी सेवा में कार्यरत पति जितेश कुमार (प्रोफेसर), सास कमला देवी, पिता मिश्रीलाल मीना आदि को दिया।

खाली भूखण्ड की दीवार ढही , हादसा टला

रामगंजमण्डी (निसं)। शहर के राजस्थान ऑयल मिल स्थित खाली पड़े भूखण्ड की दीवार शनिवार को लगभग सुबह 11:15 बजे अचानक भरभराकर ढह गई।जिसमें किसी प्रकार का कोई नुकसान और हताहत नहीं हुआ है।

वहीं बडा हादसा होने से टल गया। जैसे ही दो सैकण्ड पूर्व दो बालिकाएं शिव मंदिर के लिए निकली उसके तुरंत बाद खाली पडे भूखण्ड पर एक ही ईंट की बनी दीवार पहली बारिश से झोल खाने से शनिवार सुबह भरभराकर ढह गई।दीवार में सीमेंट की मात्रा भी काफी कम लग रही थी।प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि भूखण्ड कौशल कुमार यशवंत कुमार बाफना का है।जिसकी दीवार भरभराकर गिर गई। गनीमत रही कि उस समय रास्ते से कोई भी राहगीर नहीं गुजर रहा था।वरना एक बडा हादसा हो सकता था।जबकि इस मार्ग पर दिन भर राहगीरों व श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रहती है।

प्रत्यक्षदर्शी कमल विजय ने बताया कि दीवार गिरने पर आस पास के सभी

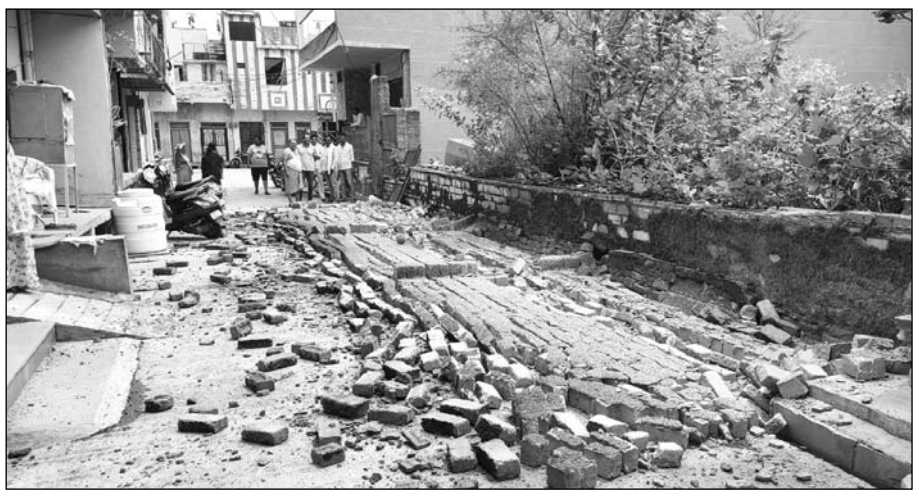

शहर के राजस्थान ऑयल मिल स्थित खाली पड़े भूखण्ड की दीवार अचानक ढह गई।

मकानों में एक भारी कम्पन्न हुआ।जिससे एक बार तो सभी दहशत में आ गए।प्रत्यक्षदर्शियों का कहना था कि घटना से अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका व भूखण्ड मालिक को भी अवगत करवा दिया गया है।साथ ही यह भी कहा कि प्रशासन को समय रहते भूखंडों व मकानों की ऐसी दीवारों का सर्वे करवाकर उनके मालिकों को उनकी दुरुस्ती के लिए तुरंत सख्त नोटिस जारी करने चाहिए,ताकि हादसे से बचा जा सके।

सार-समाचार

नाले पर अतिक्रमण हटाया

पहाड़ी (निस)। पहाड़ी के पुराने बस स्टेण्ड पर नाले पर हो रहे अतिक्रमण पर प्रशासन ने पीला पंजा चलाकर नाले को खुलवाया। पहाडी के बाजार मे लम्बे समय से सीसी रोड, सार्वजनिक नाले पर अतिक्रमण होने के कारण वर्षात के समय पर जल भराव की समस्या पेदा होने से आमजन परेशान था। जिसकी शिकायत होने पर प्रशासन हरकत में आया। तहसीलदार अनील कुमार ने सार्वजनिक निर्माण विभाग व ठााम पंचायत को निर्देशित कर नाले से अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए। उसके बाद ठााम पंचायत के जनप्रतिनिधीयो ने मौके पर जेसीबी ले जाकर नालो पर हो रहे अतिक्रमण को अधूरा हटवा कर पानी निकासी की व्यवस्था की है। गौरतलव है की पहाडी के बाजार को जाने वाला यह मुख्य मार्ग है। फिरोजपुर झिरका जाने वाले सडक मार्ग से सटा यह मार्ग पूर्व मे काफी चोडा था। जिसके दो तरफ गंदे व वर्षात के पानी निकासी नाले बने हुए है जिनमे होकर पानी निकल कर समीप के खाका तालाव मे पहुचता है।तत्कालीन ठााम पंचायत की अनदेखी के चलते इस बाजार की चौकनुमा सीसी रोड पर अतिक्रमण कर पक्के निर्माण कर नाले को अवरूध कर दिया गया था। जिसके कारण वर्षात होने पर पीछे आने वाला पानी यहा आकर जमा हो जाता था। जो समीप के दुकनदारो की दुकानो मे घुस कर काफी नुकसान कर रहा था। हालाकि ठााम पंचायत की अनदेखी के चलते पूरा बाजार का मार्ग दिन प्रतिदिन सुकडता जा रहा है। जिसका मुख्य कारण मिलीभगत वोट की राजनिति के चलते हर कोई चबूतरा बनाकर अतिक्रमण करने मे जुटा है। जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड रहा है। कार्यवाही के दौरान तहसीलदार अनील कुमार, सार्वजनिक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता बृजकिशार सक्सेना,कनिष्ठ अभियंता क्षेत्रपाल सिह, हल्का पटवारी परवीन कुमार, हरेन्द्र सिह,सरपंच प्रतिनिधी भगवानसिह छावडी, ठााम्विकास अधिकारी संदीप कुतंल आदि मोजूद थे।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान शुरु

बूंदी (निसं)। रोटरी क्लब द्वारा प्रधानमंत्री की एक पेड माँ के नाम योजना तहत् महात्मा गांधी विद्यालय परिसर में पौधारोपण करते हुए पांच फीट ऊँचाई वाले छायादार पौधे मय ट्री-गार्ड लगाए गए। क्लब के असिस्टेंट गवर्नर घनश्याम जोशी जिला शिक्षा अधिकारी राजेन्द्र व्यास अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी ओम गोस्वामी शैक्षिक प्रकोष्ठ अधिकारी चंद्र प्रकाश के आतिथ्य में पौधारोपण किया गया। प्रधानाचार्य अनिता चौहान ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन हिंदी व्याख्याता अनुपमा तिवारी ने किया। रोटरी प्रेसिडेंट महेश पाटोदी, सैक्रेट्री सुरेश जागेटिया, प्रोजेक्ट डायरेक्टर चन्द्रभानु लाठी की अगुवाई में ध्रुव व्यास, त्रिलोकचन्द जैन, ऋतुराज दाधीच, लक्ष्मीचन्द गुप्ता, महेंद्र जैन, राकेश सुवालका, जगदीश मंत्री, सुरेश दाखेडा, असरार अंसारी, निखिल मूलचंदानी, आदित्य भंडारी, नरेश जिन्दल, नवरतन बील्या, दीपक भूतडा, उप प्रधानाचार्या अनिता शर्मा, विजयभान सिंह, आशीष शिवहरे, लाभचन्द कुशवाह, रश्मि लखोटिया, रेखा मीणा, संतरा चौधरी सहित कई रोटेरियन स्टाफ एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

बैडमिंटन खिलाड़ियों की चयन ट्रायल आज

बूंदी (निसं)। राजस्थान बैडमिंटन संघ के तत्वावधान में आगामी 11 से 15 जुलाई को जोधपुर में आयोजित होने जा रही राजस्थान रैंकिंग बैडमिंटन प्रतियोगिता हेतु सीनियर महिला पुरुष वर्ग की बूंदी टीम का चयन जिला बैडमिंटन संघ बूंदी द्वारा आज प्राप्त 10 से 12 बजे तक राजकीय महाविधालय के बैडमिंटन खेल मैदान में चयन ट्रायल का आयोजन कर किया जाएगा। संघ के अध्यक्ष अजय नुवाल एडवोकेट ने बताया इस हेतु तीन सदस्यीय चयन समिति में गुरुदत्त शर्मा, मुकेश दाधीच, आशीष गुप्ता को जिम्मेदारी दी गई हैं। यह ट्रायल सीनियर महिला पुरुष दोनों वर्गों के लिए होगी। साथ ही इन्होंने बताया कि प्रथम बार राजस्थान रैंकिंग में विजेता एवं उपविजेता खिलाडियों को 60000 के नगद पुरस्कार देने का प्रावधान राजस्थान बैडमिंटन द्वारा रखा गया है जो ऐतिहासिक एवं स्वागत योग्य है।

कलेक्टर ने शहर का जायजा लिया

करौली (निसं)। करौली जिला मुख्यालय पर गत दो दिन से हो रही भारी बारिश के चलते शहर के कई इलाकों में पानी भर जाने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। करौली शहर की विवेक विहार कॉलोनी,वजीरपुर गेट बाहर गौशाला रोड, होली खिडकियां बाहर राधेश्याम फार्म हाउस के पास सहित कई अन्य स्थानों पर पानी जमा हो गया।

बूंदी शहर में रथ यात्रा महोत्सव आज

बूंदी (निसं)। शहर के सभी प्रमुख मंदिरों में श्री जगन्नाथ रथ यात्रा उत्सव रविवार को भव्यता से मनाया।

श्री चारभुजा सेवा समिति एवम श्री रंगनाथ सेवा समिति अध्यक्ष पुरुषोत्तम पारीक ने बताया की श्री जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव के तहत रविवार को बूंदी के सभी प्रमुख मंदिरों में उल्लास के साथ मनाया जाएगा।

इस मौके पर वल्लभ संप्रदाय की प्रथम पीठ बालचंद पाड़ा स्थित श्री गोपाल लाल जी के मंदिर पर प्रात: 11 बजे श्री गोपाल लाल जी रथ में विराजमान होकर दर्शन देंगे। पुजारी पंडित मधुसूदन शर्मा रथ में बिठाकर उनकी आरती उतारेंगे।

बूंदी के आराध्य श्री रंगनाथ मंदिर पर दोपहर 12:30 बजे पुजारी श्री गणेश दत्त शर्मा, पुजारी मुकेश शर्मा, पंडित रघुनंदन राज मुखिया श्री रंगनाथ भगवान, श्री गोविंद नाथ, श्री पीतांबर जी महाराज को रथ में बिठाकर चारों दिशाओं में परिक्रमा करवाएंगे तथा उनकी आरती उतार कर भीगी हुई दाल का प्रसाद वितरित किया जाएगा।

नाहर का चोहटा स्थित श्री जगन्नाथ स्वामी के मंदिर पर मंदिर के महंत गोविंद पारीक श्री जगन्नाथ स्वामी, श्री बलभद्र, बहन सुभद्रा की छवि को रथ में विराजमान करेंगे तथा शाम को 5:15 पर उनकी आरती उतार कर चने की भीगी हुई दाल का प्रसाद वितरित किया जावेगा।

जन-जन के आराध्य तिलक चौक स्थित श्री चारभुजा नाथ मंदिर पर रथ यात्रा उत्सव शाम को 6:15 पर प्रारंभ होगा पुजारी पंडित पूरन चतुर्वेदी लड्डू गोपाल की प्रतिमा को रथ में विराजमान कर मंदिर परिसर की सात परिक्रमा करवाएंगे। श्री चारभुजा नाथ की आरती उतार कर प्रसाद वितरित किया जाएगा।

स्लोगन लेखन प्रतियोगिता सम्पन्न

झालावाड़ (निसं)। विश्व जनसंख्या दिवस 11 जुलाई 2024 के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाने प्रस्तावित है। निदेशालय से प्राप्त निर्देशानुसार राज्य में परिवार कल्याण कार्यक्रम के सम्बन्ध में जागरुकता बढाने के उद्देश्य से सभी जिलों में विश्व जनसंख्या की थीम पर परिवार नियोजन से संबंधित स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया।

उपमुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अरविन्द कुमार नागर ने बताया कि निदेशालय से प्राप्त निर्देशानुसार एएनएम ट्रेनिंग सेन्टर झालावाड़ में प्रशिक्षण ले रही छात्राओं के मध्य स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

जिसमें सभी छात्राओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। उन्होने बताया कि विश्व जनसंख्या दिवस के उपलक्ष्य में ओर भी जागरुकता प्रतियोगिताओं का आयोजन विभिन्न स्तर पर किया जावेगा।

बीमारियों से बचाव के लिये जागरुक किया

रामगंजमंडी (निसं)। चिकित्सा विभाग की ओर से शनिवार को जिले में विश्व पशुजन्य रोग दिवस मनाया गया। चिकित्सा संस्थानों में आयोजित कार्यक्रमों में पशुओं से इंसानों में फैलने वाली विभिन्न बीमारियों के जोखिमों, लक्षणों, बचाव-रोकथाम पर जागरूकता कार्यक्रम हुए। सीएमएचओ डॉ जगदीश सोनी ने बताया कि चिकित्सा संस्थानों व सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता पोस्टर एवं अन्य आईईसी जागरूकता सामग्री प्रदर्शित की गई। स्कूलों में भी विभिन्न प्रतियोगिताएं हुई।

सोशल मीडिया से भी जागरूकता की गई।ऑडियो संदेश, बेनर, पोस्टर आदि जारी किए गए। जिला स्तर से आयोजित वैबीनार के माध्यम से विभाग के जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों, पशुपालन विभाग,

- बीमारियों के बचाव-रोकथाम,उपचार पर गहन चर्चा की

मेडिकल कॉलेज, चिकित्सा अधिकारी प्रभारियों ने पशुजन्य बीमारियों पर चर्चा की। पशुओं की सेम्पलिंग, जांच, उपचार, रोकथाम पर मंथन किया।सीएमएचओ डॉ सोनी ने बताया कि पशुजन्य (जूनोटिक) बीमारियों में प्रमुख रूप से रेबीज़, स्क्रब टायफस, जापानी इन्सेफेलाइटिसिस, ब्रूसेलोलिस, सेल्मोनेसिस, लेप्टोस्पाइरोसिस जैसे आदि रोग शामिल हैं।विभिन्न पशुओं के माध्यम से ये बीमारियां इंसानों को संक्रमित करती हैं।डिप्टी सीएमएचओ हैल्थ डॉ घनश्याम मीणा ने बताया कि पशुजन्य रोग अप्रत्यक्ष संपर्क, वेक्टर जनित, वायु जनित, प्रत्यक्ष संपर्क और खाद्य जनित तरीके से फैल सकती हैं। उन्होंने बताया कि पशुजन्य रोग के अप्रत्यक्ष फैलाव में पशुओं के रहने-घूमने वाली सतह आती है जो कीटाणुओं से दूषित हो जाती है एवं वेक्टर जनित का फैलाव कीड़े, घुन, मच्छर के काटे जाने पर पर भी होता है। उन्होंने बताया कि वायु जनित फैलाव वायरस से होता है और खाद्य जनित फैलाव संक्रमण जानवर एवं दूषित मांस व दूध के सेवन करने से होता है।

पशु जन्य रोग प्रत्यक्ष रूप में संक्रमित जानवर की लार, रक्त, मूत्र, बलगम, मल व शरीर के तरल पदार्थ के संपर्क में आने से होता है। उन्होंने बताया कि आमजन गाय, भैंस, भेड़, बकरी, ऊंट, कुत्ता बिल्ली, सूअर व बंदर द्वारा काटे जाने पर चिकित्सक को तुरंत दिखाएं। पशुओं में यदि असामान्य लक्षण दिखाई दे तो उनसे दूर और बचकर रहना चाहिए।

वरघोडा निकाला

हिण्डौनसिटी (निसं)। समीप के गांव झारेड़ा में नवजीर्णोद्धार जैन मंदिर में भगवान महावीर सहित सात प्रतिमाओं एवं पांच देव-देवी कुलिकाओं की प्रतिष्ठा रविवार सुबह विधि-विधान से की जाएगी। इस उपलक्ष में जैन मुनि गणिवर्य मणिरत्न सागर की निश्रा में शनिवार को भव्य वरघोडा निकाला गया। इस दौरान जैन धर्म के जयकारों के बीच पूरा गांव महावीरमय हो गया। चारों ओर भगवान महावीर के जयकारे गूंजते रहे। वरघोड़ा सुबह बैण्डबाजे के साथ मंदिर परिसर से शुरू हुआ। भजनों की धुन पर श्रावक-श्राविकाएं नृत्य करते हुए चले। इस दौरान णमोकार मंत्र और भगवान महावीर के जयकारे तथा जीओ और जीने दो के जयकारे गूंजते रहे। वरघोड़ा में भगवान महावीर की प्रतिमा को रथ में विराजित कर निकाला गया। युवक धर्म पताका हाथों में लेकर चले। वरघोड़ा गांव के प्रमुख मार्गों से होते हुए वापस मंदिर पहुंचा। जहां नवीन उपाश्रय में धर्म सभा हुई। जहां जैन मुनि ने कहा कि मंदिर में भगवान के प्रतिष्ठा के साथ ही मन मंदिर में भी भगवान को प्रतिष्ठित करना चाहिए, ताकि मनुष्य जीवन सार्थक हो जाए। बाद में मंदिर में नवनिर्मित वेदियों पर भगवान एवं कुलिकाओं में देव-देवी को विधिवत प्रतिष्ठित करने का लाभ लेने के लिए बोलियां लगाई गई। मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष वीरेंद्र जैन कर्मयोगी ने बताया कि झारेड़ा गांव में प्राचीन जैन मंदिर है, जिसमें करीब 300 वर्ष प्राचीन भगवान महावीर, आदिनाथ, मुनिसुव्रतनाथ स्वामी जी की प्रतिमाएं विराजित हैं।

बरसात से तापमान गिरा, किसानों के चेहरे पर खुशी छाई

बूंदी (निसं)। बारिश का इंतजार करते बून्दी शहर को जुलाई माह की पहली बारिश ने भिगों दिया।

बरसात होने के बाद लोगों ने कुछ हद तक राहत की सांस ली। काफी लंबे समय से बरसात नहीं होने के कारण एवं तापमान में बढोतरी से उमस के चलते जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो रहा था। जिले में बीती रात से ही मौसम का मिजाज बदला हुआ है। रात से जिले में रुक रुक कर बरसात का दौर जारी है। 12 घंटे से अधिक समय से हो रही बरसात के कारण तापमान में गिरावट आने से लोगों को गर्मी से राहत मिली। वहीं, किसानों ने भी राहत की सांस ली।

जिला मुख्यालय लाखेरी, इंद्रगढ़, नैनवां, कापरेन, हिंडोली, तालेडा, केशोरायपाटन सहित गांवों में बरसात ने लोगो को काफी राहत दी है। बीती शाम सात बजे बाद से ही मौसम का मिजाज बदलने लगा था। कुछ देर के बाद जिले में अलग-अलग समय बरसात का दौर शुरू हुआ जो अभी तक तक जारी है।

तापमान में आई गिरावट से लोगों को गर्मी से राहत मिली। हालांकि मानसून की पहली अच्छी बरसात ने शहरों और कस्बों की सफाई व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी। नालियों का कचरा सड़कों पर आ गया।

- बरसात के बाद लोगों ने कुछ हद तक राहत की सांस ली
- बरसात से किसानों को बुवाई के लिए पानी की पूर्ति होने से राहत मिली है
- बारिश से जिलेभर में बिजली सप्लाई प्रभावित हुई

बीती रात मजिस्ट्रेट कॉलोनी स्थित पुलिस क्वार्टर में तेज बारिश के दौरान एक पेड़ टूट गया। पेड़ के टूट कर गिरने से पास ही स्थित एक बिजली का पोल भी गिर गया। गनीमत रही कि किसी प्रकार का बडा हादसा नहीं हुआ।

गुरुवार देर शाम जिलेभर में हुई बरसात से किसानों को भी राहत मिली है। किसान खरीफ की फसलों की बुवाई के लिए बरसात के इंतजार में थे, खासकर धान की फसल बुवाई के लिए किसानों ने नहरी पानी की मांग की थी। देर रात हुई अच्छी बरसात से किसानों को बुवाई के लिए पानी की पूर्ति होने से राहत मिली है।

जिलेभर मे बिजली सप्लाई प्रभावित:- मानसून की पहली बारिश ने बिजली व्यवस्था को भी प्रभावित किया है। बरसात शुरू होते ही बूंदी, लाखेरी, इंदरगढ क्षेत्र की बिजली गुल हो गई। लंबे इंतजार तक बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हुई तो लोग परेशान होने लगे। बरसात के चलते कई गांवों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई।

हिण्डौन में हरिकीर्तन दंगल एवं भंडारा आयोजित

हिण्डौन सिटी (निसं)। करौली जिले के हिण्डौन उपखण्ड के मण्डावरा ठााम पंचायत के हरिनगर गांव में अम्बेडकर विकास समिति एवं पंच पटेलों द्वारा हरि कीर्तन व विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि करौली धौलपुर सांसद भजन लाल जाटव, विशिष्ठ अतिथि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रामचरण खुरसटपुरा, श्रीमहावीरजी प्रधान प्रतिनिधि रेवती लाल, बसपा के पूर्व प्रदेश प्रभारी अमर सिंह, राष्ट्रपति पुरस्कृत पुरणमल जाटव, जिला जाटव सुधार समिति 360 गांव के पूर्व महामंत्री नेमीचंद जाटव,पंचायत समिति सदस्य सोहन सिंह,जीतमल बनकी, रामजीत विजयपुरा, मण्डावरा सरपंच प्रतिनिधि हरीश चंद्र शर्मा रहे। साथ ही समाज में व्याप्त दहेज प्रथा, मृत्यु भोज, जैसी कुरीतियों को जड़ से उखाड़ फेंकने का आव्हान करते हुए नारी शिक्षा पर जोर दिया गया। सामाजिक कार्यकर्ता मदन मोहन भास्कर ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में अलीपुरा से अमरसिंह, पावटीयान का पुरा सेमुकेश भण्डारी, शेखपुरा से मुन्शी लाल,निसुरिया का पुरा से महेंद्र की कीर्तन पार्टियों ने भाग लिया। जिसमें मुकेश भण्डारी ने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जीवनी एवं संविधान की कथा को विस्तार से समझाते हुए सभी श्रोताओं का मन मोह लिया। अलीपुरा की पार्टी ने हरदौल की कथा सुनाई। शेखपुरा और निसुरिया का पुरा की पार्टी ने अपनी अपनी रचनाओं और कला के माध्यम से श्रोताओं का मन मोह लिया।

प्रतिभा सम्मान समारोह आज

गंगापुर सिटी (निसं)। श्री राजपूत महासभा महुकलां का तृतीय प्रतिभा सम्मान समारोह रविवार को दोपहर 2 बजे सीनियर रेलवे इन्स्यूटियूट रेलवे कॉलोनी में आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व चेयरमेन गीता देवी नरूका करेंगी। मुख्य अतिथी देवीसिंह बदनपुरा जिला सरसंघ चालक राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ करौली होगें। विशिष्ठ अतिथी जिला सवाईमाधोपुर राजपूत सभा अध्यक्ष दीपक नरूका, महेश पाल जादौन, राजवीर सिंह कुंसाय,कृष्ण पाल जादौन होगें। श्री राजपूत महासभा महुकलां अध्यक्ष शिम्भू सिंह जादौन सभी राजपूत सरदारो से कार्यक्रम में सपरिवार उपस्थित होने की अपील की है।

मैं मानद कप्तान जीतू राय, एसएम, वीएसएम, ओलंपियन निशानेबाज, पद्मश्री प्राप्त, ध्यानचंद खेल रत्न और अर्जुन पुरस्कार प्राप्त। मैं आपको बताना चाहता हूं कि भारतीय सेना के साथ मेरा 17 साल छह महीने का साथ एक जुलाई 2024 को खत्म हो गया। - **जीतू राय**

एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता, अपने रिटायर की घोषणा करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

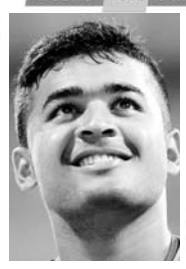

रियान पराग

शुभमन गिल की कप्तानी भारत की युवा क्रिकेट टीम जिम्बाब्वे के दौरे पर है। जहां दोनों टीमों के बीच 5 मैचों की टी20 सीरीज का आगाज हो चुका है। वहीं जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। इस दौरान तीन खिलाडियों ने भारत के लिए डेब्यू किया है। इसमें रियान पराग, ध्रुव जुरेल और अभिषेक शर्मा का नाम शामिल है। बता दें कि, ये तीनों खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट के साथ-साथ आईपीएल में भी शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं। रियान पराग और अभिषेक शर्मा ने आईपीएल 2024 में धमाकेदार प्रदर्शन किया था।

क्या आप जानते हैं ?... जिम्बाब्वे के तातेन्द्रा तेबु ने मई 2004 में श्रीलंका के विरुद्ध अपनी टीम की कप्तानी करके सबसे कम उम्र का टैस्ट कप्तान बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

जिम्बाब्वे के खिलाफ 116 रन नहीं बना सके वर्ल्ड चैम्पियन

भारत पहले टी-20 मैच में 13 रन से हारा, रजा और चतारा को 3-3 विकेट

हरारे, 6 जुलाई। टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के एक हफ्ते बाद भारत को जिम्बाब्वे से हार का सामना करना पड़ गया। टीम इंडिया को जिम्बाब्वे ने 5 मैचों की टी-20 सीरीज के पहले मुकाबले में 13 रन से हराया।

हरारे में भारतीय टीम 116 रन का टारगेट चेज नहीं कर सकी। टीम इंडिया के खिलाफ टी-20 इतिहास का सबसे छोटा स्कोर डिफेंड हुआ है। टीम के कप्तान सिकंदर रजा और तेंदाई चतारा ने 3-3 विकेट लिए। शनिवार को भारत ने टॉस जीतकर फील्डिंग चुनी। जिम्बाब्वे ने 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 115 रन बनाए। विकेटकीपर क्लाइव मदांदे ने नाबाद 29 रन बनाए, उन्होंने 10वें विकेट के लिए तेंदाई चतारा के साथ 25 रन की अहम पार्टनरशिप की थी। टीम इंडिया 19.5 ओवर में 102 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। कप्तान शुभमन गिल ने सबसे ज्यादा 31 रन बनाए। वॉशिंगटन सुंदर आखिर में 27 रन बनाकर आउट हुए। आवेश खान ने 16 रन का योगदान दिया। बाकी 8 कोई भी बैटर 7 से ज्यादा रन नहीं बना सका, हालांकि इस टीम में वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का कोई खिलाड़ी शामिल नहीं रहा।

भांवरी-ओलिवेटी की जोड़ी विम्बलडन से हुई बाहर

नई दिल्ली, 6 जुलाई। भारत के युकी भांबरी और फ्रांस के उनके जोड़ीदार अल्बानो ओलिवेटी जर्मनी के केविन क्राविएट्ज़ और टिम पुएट्ज़ से तीन सेटों में हारने के बाद विंबलडन टेनिस चैंपियनशिप के पुरुष युगल के दूसरे दौर से बाहर हो गए। भांबरी और ओलिवेटी की जोड़ी ने अच्छी शुरुआत की और पहला सेट जीतकर बढ़त बनाई लेकिन इसके बाद वह अपनी लय बरकरार नहीं रख पाए और आठवीं वरीयता प्राप्त जर्मन जोड़ी से 2 घंटे 5 मिनट तक चले मैच में6-4 4-6 3-6 से हार गए। भांबरी और ओलिवेटी ने पहले दौर में कजाखस्तान के अलेक्जेंडर बुब्लिक और अलेक्जेंडर शेवचेंको को हराया था। भारत की निगाहें अब रोहन बोपन्ना पर टिकी हैं जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन के साथ जोड़ी बनाई है। ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन और यहां दूसरी वरीयता प्राप्त यह जोड़ी दूसरे दौर में जर्मनी के हेंड्रिक जेबेंस और कॉन्स्टेंटिन फ्रैंटजेन से भिड़ेगी। ओलंपिक में जगह बना चुके सुमित नागल और एन श्रीराम पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे।

इंडिया-पाकिस्तान मैच का क्रेज बढ़ा, 23 हजार टिकट बिके

एजबेस्टन, 6 जुलाई। भारत और पाकिस्तान मैच को लेकर फैंस की दीवानगी हर तरफ देखने को मिलती है। किसी भी खेल में इन देशों की टीमें जब आमने-सामने होती हैं तो मुकाबला काफी दिलचस्प हो जाता है। एक बार फिर फैंस को अपने चहेते खिलाड़ियों को खेलते हुए देखना का मौका मिलने वाला है। दरअसल, इंग्लैंड में वर्ल्ड चैंपियंस ऑफ लीजेंड्स 2024 खेली जा रही है। जिसमें कुल 6 टीमें हिस्सी ले रही हैं। शनिवार को भारतीय चैंपियन और पाकिस्तान चैंपियन के बीच हाईवोल्टेज मुकाबला होने जा रहा है। इस मैच में भारत के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह, सुरेश रैना, हरभजन सिंह, आरपी सिंह, इरफान पठान जैसे खिलाड़ी मौजूद रहेंगे। वहीं पाकिस्तान की ओर से शाहिद अफरीदी, यूनिस खान, शोएब मलिक, मिस्बाह उल हक मैच का हिस्सा होंगे। एजबेस्टन क्रिकेट ग्राउंड पर भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले बहुप्रतीक्षित वर्ल्ड चैंपियनिप ऑफ लीजेंड्स मैच के लिए सभी 23000 सीटें बिक चुकी हैं। डब्ल्यूसीएल की आधिकारिक विज्ञप्त के अनुसार 3 जुलाई को एजबेस्टन में शुरू हुई वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 18 जुलाई तक चलेगी। इंडिया चैंपियंस के खिलाड़ी सुरेश रैना ने कहा कि, पाकिस्तान के साथ खेलना हमेशा सम्मान की बात होती है और अब आज का मैच कोई अपवाद नहीं है। मैदान पर हमारी टीम जोश से भरी हुई है और अपना बेस्ट देने के लिए तैयार है। हमें उम्मीद है कि हमारे प्रदर्शन से फैंस को गर्व महसूस होगा।

भारत - युवराज सिंह (कप्तान), हरभजन सिंह, सुरेश रैना, इरफान पठान, यूसुफ पठान, रॉबिन उथप्पा, अंबाती रायुडू, गुरकीरत मान, राहुल शर्मा, नमन ओझा, राहुल शुक्ला, आरपी सिंह, विनय कुमार, धवल कुलकर्णी, सौरभ तिवारी, अनुरीत सिंह, पवन नेगी।

पुर्तगाल को हराकर फ्रांस सेमीफाइनल में पहुंचा

नई दिल्ली, 6 जुलाई। फ्रांस ने पुर्तगाल को पेनल्टी शूटआउट में 5-3 से हराकर यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप (यूरो 2024) के सेमीफाइनल में जगह बनाई और क्रिस्टियानो रोनाल्डो का खिताब के साथ टूर्नामेंट से विदाई लेने का सपना तोड़ दिया। इस मुकाबले को रोनाल्डो बनाम काइलियन एमबापे के बीच जंग के रूप में देखा जा रहा था लेकिन आखिर में फ्रांसीसी खिलाड़ी अपने आदर्श फुटबॉलर पर भारी पड़ा। दोनों टीम ने एक दूसरे को कड़ी चुनौती दी लेकिन अतिरिक्त समय तक भी कोई टीम गोल नहीं कर पाई। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया गया जिसमें पुर्तगाल के जोआओ फेलिक्स का शॉट गोल पोस्ट से टकरा गया। इसके बाद थियो हर्नांडेज़ ने निर्णायक किक को गोल में बदलकर फ्रांस को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। फ्रांस को यूरो 2021 के अंतिम 16 में और विश्व कप 2022 के फाइनल में पेनल्टी शूटआउट में हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन यहां किस्मत उसके साथ थी। पुर्तगाल की इस हार से 39 वर्षीय रोनाल्डो ने यूरोपीय चैंपियनशिप से भी विदा ली। वह पहले ही घोषणा कर चुके थे कि वह आखिरी बार इस टूर्नामेंट में भाग ले रहे हैं। रोनाल्डो ने रिकॉर्ड छह बार यूरोपीय चैंपियनशिप में हिस्सा लिया। फ्रांस सेमीफाइनल में स्पेन से भिड़ेगा जिसने एक अन्य क्वार्टर फाइनल मैच में मेजबान जर्मनी को हराया।

चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए पाक नहीं जाएंगी टीम इंडिया

नई दिल्ली, 6 जुलाई। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के 2025 संस्करण में हिस्सा लेने के लिए अगले साल पाकिस्तान जाने की संभावना नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार, मेन इन ब्लू आठ-टीम आईसीसी इवेंट के लिए पाकिस्तान की यात्रा नहीं करेगा, जो 19 फरवरी से 9 मार्च तक खेला जाएगा। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, भारत की पाकिस्तान यात्रा के बारे में कोई भी फैसला भारत सरकार द्वारा लिया जाएगा। सूत्र ने बताया कि हालांकि टूर्नामेंट के विवरण पर अभी तक चर्चा नहीं की गई है, लेकिन इसकी बहुत कम संभावना है कि भारतीय टीम पाकिस्तान की यात्रा करेगी। अंततः निर्णय भारत सरकार पर निर्भर है। हालाँकि, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) इस मुद्दे को इस महीने श्रीलंका में होने वाली आईसीसी बैठक में उठाने की योजना बना रहा है। आगे कहा गया है कि इस मामले पर सरकार का निर्णय अंतिम होगा, क्योंकि हमने अभी तक आंतरिक रूप से इसकी पुष्टि नहीं की है। चूंकि यह एक आईसीसी इवेंट है, इसलिए हमारे पास कोई भी एकतरफा निर्णय लेने का अधिकार नहीं है। हालाँकि, अगली बैठक के दौरान अधिक विवरण सामने आ सकते हैं। भारत ने 2008 के बाद से पाकिस्तान की यात्रा नहीं की है। पिछले 16 वर्षों में, केवल एक बार इन दोनों टीमों ने एक-दूसरे के खिलाफ द्विपक्षीय श्रृंखला खेली है, और वह 2012-13 में हुई थी। भारत को पिछले साल एशिया कप में हिस्सा लेने के लिए पाकिस्तान जाना था, लेकिन दोनों देशों के बीच तनाव के कारण टूर्नामेंट को पाकिस्तान से बाहर स्थानांतरित कर दिया गया और फाइनल सहित भारत के मैच श्रीलंका में खेले गए। हालाँकि, भारत के पाकिस्तान दौरे को छोड़ने के फैसले के बावजूद, पाकिस्तान ने पुरुष एकदिवसीय विश्व कप 2023 में भाग लेने के लिए भारत की यात्रा की और हैदराबाद, अहमदाबाद, चेन्नई, बेंगलुरु और कोलकाता में मैच खेले।

पहले मैच में हार के बाद राधा यादव का बयान, कहा-

हमने गेंदबाजी में कुछ गलतियां की

नई दिल्ली, 6 जुलाई। भारतीय स्पिनर राधा यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 12 रन की हार के बाद स्वीकार किया कि उनके गेंदबाजों ने कुछ गलतियां की जिसका टीम को खामियाजा भुगतना पड़ा।। तजमिन ब्रिट्स (81) और मारिजान कैप (57) ने भारतीय गेंदबाजों की एक नहीं चलने दी जिससे दक्षिण अफ्रीका चार विकेट पर 189 रन बनाने में सफल रहा।

इसके जवाब में भारतीय टीम चार विकेट पर 177 रन ही बना पाई। राधा ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा,"यह जानना महत्वपूर्ण था कि इस विकेट पर किस लेंथ और किस गति से गेंदबाजी करनी है। हमने गेंदबाजी इकाई के रूप में कुछ गलतियां की। हमने उन्हें 10 से 15 रन अधिक बनाने दिए। हमें उन्हें यॉर्कर लेंथ पर गेंद करनी चाहिए थी।" उन्होंने रविवार को होने वाले दूसरे मैच के बारे में कहा,"हमें अपनी रणनीति पर अमल करना होगा और जल्द ही विकेट के व्यवहार को समझना होगा। इससे हमारे लिए काम आसान हो जाएगा।" दक्षिण अफ्रीका को इससे पहले वनडे श्रृंखला और एकमात्र टेस्ट मैच में हार का सामना करना पड़ा था और उसकी स्टार बल्लेबाज तज़मिन ब्रिट्स ने कहा कि उनकी टीम को इस जीत की सख्त जरूरत थी जिससे उनका अगले साल बांग्लादेश में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए आत्मविश्वास बढ़ेगा।

ब्रिट्स ने कहा,"हमें इस तरह की जीत और टीम में आत्मविश्वास बढ़ाने की सख्त जरूरत है। इस तरह के आत्मविश्वास से हम न केवल सेमीफाइनल में जगह बना सकते हैं बल्कि विश्व कप भी जीत सकते हैं। इस मैच में जीत दर्ज करना शानदार रहा लेकिन अगले दो मैच जीतना और बेहतर होगा।

ओलंपिक की तैयारी के लिए पेरिस डायमंड लीग में विश्व स्तरीय खिलाड़ियों के सामने होंगे साबले, जेना

नई दिल्ली, 6 जुलाई। भारत के शीर्ष स्टीपलचेस एथलीट अविनाश साबले और भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना रविवार को एक दिवसीय डायमंड लीग के पेरिस चरण में अपनी ओलंपिक तैयारियों को बेहतर करने की उम्मीद करेंगे। मौजूदा ओलंपिक और विश्व चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने पिछले कुछ समय से परेशान कर रही जांघ की समस्या के कारण इसमें हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया है।

साबले और जेना दोनों ही फॉर्म में नहीं हैं और उन्होंने ओलंपिक से पहले ज्यादा प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं लिया है। पर अब वे पेरिस की परिस्थितियों के अनुकूल ढलने की कोशिश करेंगे। ओलंपिक में एथलेटिक्स स्पर्धायें एक अगस्त से शुरू होंगी। 29 वर्षीय साबले ने अभी तक दो 3000 मीटर स्टीपलचेस स्पर्धाओं में हिस्सा लिया है। उन्होंने पोर्टलैंड में 8:21.85 और पंचकुला में 8:31.75 का समय निकाला था जबकि उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 8:11.20 है।

एशियाई खेलों के मौजूदा स्वर्ण पदक विजेता ने कहा, "मैंने पिछले दो साल में गलतियां की हैं। मैं दो विश्व चैंपियनशिप (2022 और 2023) में पूरी तरह फिट था। लेकिन दोनों में अच्छा नहीं कर सका। मैं सुधार करना चाहता हूं और उम्मीद करता हूं कि यह मेरा सर्वश्रेष्ठ ओलंपिकहोगा।"

अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की संगीत सेरेमनी में इन क्रिकेटर्स ने की शिरकत

मुंबई, 6 जुलाई। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट 12 जुलाई को शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं, लेकिन उनकी शादी से पहले की रस्में मार्च से ही चल रही हैं। अंबानी परिवार ने शुक्रवार को नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर में इस कपल के लिए एक भव्य संगीत समारोह का आयोजन किया। जिसमें बॉलीवुड सेलिब्रिटी के साथ क्रिकेटर्स ने भी शिरकत की। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के संगीत समारोह में टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीतने वाले सूर्युकमार यादव और हार्दिक पंड्या भी नजर आए। हालांकि, हार्दिक इस दौरान अपनी भाभी पंखुड़ी भाई क्रुणाल और सहयोगी खिलाड़ी ईशान किशन के साथ नजर आए।

म्यांमा के खिलाफ मैत्री मैचों के लिए भारत की 23 सदस्यीय महिला टीम की घोषणा

नई दिल्ली, 6 जुलाई। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने शनिवार को म्यांमा के खिलाफ यांगून में नौ और 12 जुलाई को होने वाले दो मैत्री मैचों के लिए 23 सदस्यीय सीनियर महिला टीम की घोषणा की।

मुख्य कोच चाओबा देवी ने एआईएफएफ की विज्ञप्त में कहा, "टीम में सीनियर और जूनियर खिलाड़ियों का मिश्रण है। मैं टीम के संयोजन से संतुष्ट हूं। पिछले महीने उज्बेकिस्तान के साथ खेलने के बाद हमने 10 दिन अंदर अपना राष्ट्रीय शिविर शुरू कर दिया। "

उन्होंने कहा, "सभी खिलाड़ी फिट हैं जो अच्छी बात है। खिलाड़ी अपने क्लबों में ट्रेनिंग ले रही थीं। भारतीय महिला फुटबॉल टीम का पिछला दौरा उज्बेकिस्तान का जिसमें वह मेजबान टीम से एक मैच में 0-3 से हार गयी थी और दूसरे मैच में 0-0 से ड्रा खेला था।

भारतीय टीम : गोलकीपर: श्रेया हुड्डा, एलंगबाम पंथोई चानू, मैबाम लिनथोइंगम्बी देवी। डिफेंडर: लोइटोंगबाम आशालता देवी, हेमम शिल्की देवी, संजू, वांगखेम लिनथोइंगम्बी देवी, अरुणा बाग।

प्रज्ञाननंदा और गुकेश टाईब्रेकर में हारे, कारुआना ने जीता खिताब

बुखारेस्ट, 6 जुलाई। भारत के आर प्रज्ञाननंदा और डी गुकेश को चार खिलाड़ियों के बीच खेले गए टाइब्रेकर में हार का सामना करना पड़ा जिसमें दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी फैबियानो कारुआना ने तीनों रैपिड गेम जीतकर सुपरबेट क्लासिक में अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। कारुआना क्लासिकल प्रारूप में नीदरलैंड के अनीश गिरी से हार गए, जिससे मुकाबला रोचक बन गया क्योंकि गुकेश, प्रज्ञाननंदा और फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा सभी उनकी बराबरी पर पहुंच गए।

प्रज्ञाननंदा मुख्य बाजी में अलीरेजा के सामने एक समय बेहद मुश्किल स्थिति में फंसे हुए थे। यदि फ्रांसीसी खिलाड़ी क्लासिकल दौर की इस बाजी को जीत जाता तो फिर वह कारुआना से आगे निकल जाते और विजेता का

फैसला करने के लिए टाइब्रेकर की जरूरत नहीं पड़ती। लेकिन कारुआना हार गए, जबकि गुकेश और प्रज्ञाननंदा ने अपनी अपनी बाजियां ड्रॉ खेली जिससे विजेता का फैसला करने के लिए चार खिलाड़ियों के बीच टाइब्रेकर की स्थिति बन गई। कारुआना ने दिखाया कि आखिर उन्हें क्यों टाइब्रेकर का मास्टर कहा जाता है।

उन्होंने साबित कर दिया कि वे युवा पीढ़ी से बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। अमेरिका के इस खिलाड़ी ने टाइब्रेकर में अपने तीनों प्रतिद्वंदियों गुकेश, प्रज्ञाननंदा और अलीरेजा को हराकर 68500 अमेरिकी डॉलर का पहला पुरस्कार जीता।

इससे पहले प्रज्ञाननंदा टूर्नामेंट में अपनी पहली हार की तरफ बढ़ रहे थे लेकिन अलीरेजा की एक गलती का फायदा उठाकर वह बाजी ड्रा करने में सफल रहे। गुकेश ने वेस्ली सो के साथ अंक बांटकर टाइब्रेकर में खेलने का हक पाया था।

माही के बर्थडे पर बनाया 100 फीट ऊंचा कट आउट

नई दिल्ली, 6 जुलाई। पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के 43वें जन्मदिन के मौके पर फैंस की दिवानगी देखते ही बन रही है। अपने थला के जन्मदिन के मौके पर तेलुगु फैंस ने माही का 100 फीट कट आउट बनाया है। रांची में 7 जुलाई 1981को जन्में एमएस धोनी की फैन फॉलोइंग पूरी दुनिया भर में है। आईपीएल के समय हर मैदान धोनी के फैंस से भरे होते हैं। पहले अपनी कप्तानी में टी20 वर्ल्ड कप के अलावा वनडे वर्ल्ड कप और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी देश के नाम की। इसके बाद आईपीएल में भी धोनी का जलवा आज भी बरकरार है। अपनी टीम चेन्नई सुपर किंग्स को पांच बार चैंपियन बनाया है।

घरेलू क्रिकेट सत्र की तैयारियों के लिए आरसीए एडहॉक कमेटी की हुई बैठक

जयपुर 6 जुलाई। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक विधायक जयदीप बिहाणी की अध्यक्षता मे आज जयपुर मे राजस्थान क्रिकेट संघ एडहॉक कमेटी कि मीटिंग आयोजित हुई जिसमे सभी सदस्यो ने बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र से पुर्व राजस्थान के खिलाडियो को उचित तैयारियो व विभिन्न आयु वर्ग कि टीमो के सभावितो हेतु राज्य कि क्रिकेट प्रतियोगिताओ व अन्य गतिविधियो को जल्द से जल्द शुरू करने का निर्णय किया गया। जयदीप बिहाणी जी ने बताया की कमेटी ने आगामी दिनो मे क्रिकेट पिच व मैदान के रखरखाव की अहमियत को देखते हुए 3 दिवसीय मैदान व पिच क्युरेटर सेमीनार के आयोजन सहित राज्य स्तरीय अंडर 19 क्रिकेट प्रतियोगिता के आयोजन किये जाने पर सहमती प्रदान की। कमेटी ने आरसीए स्टाफ को आगामी क्रिकेट गतिविधियो की तैयारीयो हेतू निर्देश भी दिए। इस अवसर पर आरसीए एडहॉक कमेटी सयोजक जयदीप बिहाणी व सदस्य विमल शर्मा, रतन सिंह व धर्मवीर सिंह शेखावत मौजुद थे।

वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश में भारतीय टीम की कोच होंगी जयपुर की सुरभि मिश्रा

अच्छी तैयारी, इस बार करेंगे पहले से अच्छा प्रदर्शन

जयपुर, 6 जुलाई। पूर्व अंतरराष्ट्रीय स्क्वैश खिलाड़ी और भारतीय स्क्वैश टीम की कोच सुरभि मिश्रा का कहना है कि भारतीय टीम अच्छी तैयारी के साथ वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए जा रही है। हम हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। गुलाबी नगर की सुरभि मिश्रा को ह्यूस्टन में 12 से 23 जुलाई तक आयोजित होने वाली डब्ल्यूएसएफ वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम का कोच नियुक्त किया है। सुरभि 8 जुलाई को भारतीय दल के साथ दिल्ली से ह्यूस्टन के लिए उड़ान भरेंगी।

पिछले दस साल से लगातार भारतीय टीम के साथ जुड़ी सुरभि ने मीडिया से बातचीत में कहा कि फेडरेशन की ओर से बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि भारतीय खिलाड़ी अच्छी तैयारी और पूरे फॉर्म में हैं। टीम की प्रैक्टिस और परफॉरमेंस को देखते हुए कह सकते हैं कि वर्ल्ड चैंपियनशिप में हम पहले के मुकाबले इस बार कई पदक जीतकर लौटेंगे। सुरभि ने कहा कि वर्ल्ड चैंपियनशिप में दुनिया की शीर्ष टीमें हिस्सा ले रही हैं।

वहां हर मुकाबला चुनौतीपूर्ण होगा। लेकिन हमें पदक जीतने के लिए इजिप्ट, मलेशिया, इंग्लैंड, पाकिस्तान और मेजबान अमेरिका जैसी मजबूती टीमों से टक्कर लेनी होगी। सुरभि की अगुवाई में ही भारतीय दल ने पिछले वर्ष चीन में हुए एशियाई खेलों में दो स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य सहित पांच पदक अपने नाम किए थे। एशियाई खेलों के इतिहास में भारत का स्क्वैश में यह अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

40 देशों की टीमें खेलेंगी

सुरभि ने बताया कि जूनियर वर्ल्ड कप में 40 देशों की टीमें हिस्सा लेंगी। इसमें 12 से 17 जुलाई तक व्यक्तिगत चैंपियनशिप के मुकाबले आयोजित किए जाएंगे, वहीं 18 से 23 जुलाई तक टीम चैंपियनशिप के मुकाबले होंगे। चैंपियनशिप में भारत

का 12 सदस्यीय दल हिस्सा लेगा। इसमें बॉयज और गर्ल्स कैटेगरी में छह-छह खिलाड़ी शामिल हैं।

जयपुर का अवलोकित भी टीम में

वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए भारतीय दल में जयपुर के अवलोकित सिंह को भी शामिल किया गया है। सुरभि ने बताया कि अवलोकित को पिछले माह चेन्नई में हुई ट्रॉयल के आधार पर टीम में चुना गया है। अवलोकित वर्तमान में जूनियर रैंकिंग में नम्बर सात के खिलाड़ी हैं। अवलोकित ने स्क्वैश खेल की शुरुआत जयपुर में सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित राजस्थान स्क्वैश एकेडमी से की। वे पिछले कई साल से सुरभि मिश्रा से ही प्रशिक्षण ले रहे हैं। इस दौरान अवलोकित ने राष्ट्रीय स्तर पर कई खिताब अपने नाम किए हैं।

सुरभि खुद जीत चुकी हैं वर्ल्ड जूनियर में पदक

सुरभि मिश्रा खुद वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप में देश के लिए पदक जीत चुकी हैं। उन्होंने बताया कि 2009 में चेन्नई में हुई वर्ल्ड चैंपियनशिप में उन्होंने गर्ल्स टीम चैंपियनशिप में कांस्य पदक हासिल किया। यह इस टूर्नामेंट में देश का पहला पदक था। इसी चैंपियनशिप में दीपिका पल्लीकल ने व्यक्तिगत स्पर्धा में भी कांस्य पदक हासिल किया था। उन्होंने बताया कि भारत ने 2012 में कतर में बॉयज टीम चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। पिछले वर्ष आस्ट्रेलिया के मेलबोर्न में हुई जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत की गर्ल्स टीम शीर्ष आठ में रही, वहीं 2023 में हुई बॉयज जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत ने पांचवां स्थान हासिल किया था।

भारतीय टीम

बॉयज- शौर्य बावा (दिल्ली), युवराज वाधवानी (मुम्बई), अयान वजीरअली (मुम्बई), अरिहन्त के. एस. (तमिलनाडु), अवलोकित सिंह (जयपुर), तवनीत सिंह मूंदड़ा (मध्य प्रदेश)।

गर्ल्स- अनाहत सिंह (दिल्ली), उन्नित त्रिपाठी (उत्तर प्रदेश), निरुपमा दुबे (महाराष्ट्र), शमीना रियाज (तमिलनाडु), टियाना परसरामपुरिया (महाराष्ट्र), सहर नैयर (चंडीगढ़)।

कोच- सुरभि मिश्रा और हरिंदर पाल सिंह संधू।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार कोटा आगमन पर शहर भर में जगह-जगह उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। बिड़ला के स्वागत के लिए शहर भर में स्वागत द्वार बनाए गये तथा स्वागत मंचों के जरिये पुष्प वर्षा भी की गई।

दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष बनने के बाद कोटा पहुँचे ओम बिड़ला का भव्य स्वागत

हिंडोली से कोटा तक भव्य रोड शो, स्वागतद्वार बनाकर जगह-जगह शानदार स्वागत हुआ

- **रोड शो में शामिल लोगों ने ओम बिड़ला की तस्वीर वाली टी शर्ट पहन रखी थीं।**
- **भाजपा के स्थानीय नेताओं व कार्यकर्ताओं ने स्पीकर बिड़ला को 51 किलो का पुष्पहार पहनाया तथा साफा पहनाकर शाल ओढ़ाया।**
- **बिड़ला के साथ, प्रदेश सरकार के मंत्री मदन दिलावर, हीरालाल नागर तथा क्षेत्र में भाजपा विधायकों ने भी रोड शो में शिरकत की।**

जयपुर, 6 जुलाई (का.सं.)। लोकसभा में दूसरी बार अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार अपने लोकसभा क्षेत्र कोटा-बूंदी पहुंचने पर ओम बिड़ला का भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। हैलिकॉप्टर से बूंदी के हिंडोली विधानसभा क्षेत्र पहुंचने के बाद हिंडोली से बूंदी तक पहले चरण का रोड शो हुआ।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला खुली जीप में भाजपा के स्थानीय नेताओं के आम जनता का अभिवादन करते हुए हिंडोली से बूंदी की तरफ रवाना हुए। उनके स्वागत में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं और आमजन की भीड़ उमड़ी, साथ में गाड़ियों का भी लंबा काफिला था। जगह-जगह उनका फूल बरसाकर और मालाएं पहनाकर स्वागत किया गया। बिड़ला के रोड शो का दूसरा चरण कोटा में हुआ। ओम बिड़ला लोकसभा में दूसरी बार अध्यक्ष बनने वाले राजस्थान के दूसरे नेता हैं। इससे पहले कांग्रेस के बलराम जाखड़ कांग्रेस की सरकार के वक्त लोकसभा के दो बार अध्यक्ष बने थे। दूसरी बार इस पद पर काबिज होने से ओम बिरला राजस्थान में भाजपा का बड़ा चेहरा बन कर उभरे हैं।

कोटा संवाददाता के अनुसार, कोटा शहर में बिड़ला के स्वागत के लिए प्रवेश द्वार लगाए गए। प्रवेश द्वार के दोनों तरफ़ से पन्नियों की बरसात और नगाड़ों से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं, पुरूषों ने सिर पर साफे बांधे हुए थे और कई लोगों ने ओम बिड़ला की तस्वीर छपी टीशर्ट पहन रखी थी। लोगों ने इस अवसर को एक भव्य उत्सव के रूप में मनाया। कोटा शहर में विभिन्न संस्थाओं, व्यापारियों, जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों ने लोकसभा अध्यक्ष का जोश के साथ स्वागत किया। जगह-जगह पर स्वागत द्वार व मंच बनाए गए और आतिशबाजी भी की गई।

कोटा प्रभारी मंत्री गौतम कुमार दक, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मोतीलाल मीणा, प्रदेश मंत्री अनुसुइया, शिक्षामंत्री मदन दिलावर, ऊर्जामंत्री हीरालाल नागर, कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा, लाडपुरा विधायक कल्पना देवी, पूर्व कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी, रामगोपाल बैरवा सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने लोकसभाध्यक्ष को साफा, शॉल, 51 किलो का पुष्पहार एवं श्रीराम मंदिर का चिन्ह देकर उनका भव्य स्वागत किया।

वन रक्षक भर्ती परीक्षा पेपर लीक केस में 11 आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने 2022 में हुई इस परीक्षा के फर्जीवाड़े का खुलासा कर दिया है

- **आरोपियों ने हरेक अभ्यर्थी से 8 लाख रू. लिये थे।**
- **आरोपी मोबाइल में प्रश्न पत्र लाए थे तथा अभ्यर्थियों को बोल-बोलकर जवाब लिखवाए गए थे।**
- **इन सभी अभ्यर्थियों का वन रक्षक पद पर चयन हो गया था।**

बांसवाड़ा, 6 जुलाई (निसं)। पुलिस ने वनरक्षक भर्ती परीक्षा-2022 में पेपर लीक मामले का खुलासा करते हुए 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। महानिरीक्षक पुलिस एस. परिमला, जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाल के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. राजेश भारद्वाज, एसओजी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लाखन सिंह मीना एवं पुलिस उप अधीक्षक एसओजी बाबूलाल मुरारिया के नेतृत्व में टीम गठित की गयी थी।

जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाल ने बताया कि डमी कैंडिडेट बिठाकर परीक्षा दिलाने के मामले की जाँच अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लीव रिजर्व रेंज धनफूल मीना कर रहे थे। जांच के दौरान प्रवीण पुत्र हीरालाल मालवीया, निवासी तिलक नगर प्रतापगढ़, हाल शास्त्री नगर हाऊसिंग बोर्ड, बांसवाड़ा व सविता डोडियार पत्नी प्रवीण मालवीया निवासी तिलक नगर प्रतापगढ़, हाल शास्त्री नगर हाऊसिंग बोर्ड, बांसवाड़ा, को 28 जून को गिरफ्तार किया गया था। अनुसंधान के दौरान प्रवीण मालवीया व उसकी पत्नी सविता डोडियार ने बताया कि वनरक्षक भर्ती सूचना 2020 में निकली थी, जिसकी परीक्षा 13 नवंबर 2022 को दो पारियों में हो रही थी। सकन सिंह खड़िया ने परीक्षा के एक दिन पहले फोन कर बताया कि वनरक्षक भर्ती परीक्षा में बैठने वाले अभ्यर्थियों से बात कर 8 लाख रुपये प्रति कैंडिडेट की व्यवस्था कर सकते हो तो उनको बुला लो, कल की परीक्षा के पेपर लेकर आयेंगे।

इस पर मालवीया ने भीलकुआ निवासी छगन पारगी के माध्यम से सुक्राम पुत्र रमेश डामोर निवासी बगायचा थाना कुशलगढ़, हाल वनरक्षक नाका बड़ोदिया, सुभाष पुत्र रमेश डिंडोर निवासी कोठारिया थाना कुशलगढ़, हाल वनरक्षक नाका टिमेड़ा, वीरसिंह पुत्र कन्हैयालाल कटारा निवासी नवागांव थाना कुशलगढ़, हाल अध्यापक राउमावि उलटन धरियावाद, शीला पत्नी ईश्वरलाल पणदा निवासी मगरदा थाना कुशलगढ़, हाल वनरक्षक नाका कुशलगढ़ , निरमा पत्नी सुक्राम डामोर निवासी बकायचा थाना कुशलगढ़, हाल वनरक्षक नाका कुशलगढ़ , शिल्पा पत्नी भावचंद मईड़ा निवासी नागदा बड़ी थाना कुशलगढ़, हाल वनरक्षक रेंज डूंगरा, संगीता पुत्री पवन कुमार गरासिया निवासी रोहनिया रामसिंह थाना सज्जनगढ़, हाल वनरक्षक नाका कुशलगढ़ , ईश्वरलाल पुत्र नाथु पणदा निवासी मगरदा थाना कुशलगढ़ को शास्त्री नगर किराये के मकान में बुलाया। तेरह नवंबर की सुबह हरीश उर्फ हीराराम पुत्र सरतनाराम सारण निवासी अरटवाव गुड़ामलानी बाड़मेर व अभिमन्यु सिंह पुत्र हिम्मत सिंह चौहान निवासी चिखला थाना कुआ जिला डूंगरपुर, हाल कनिष्ठ अभियंता शिक्षा विभाग मुख्य खंड शिक्षाधिकारी चिखली जिला डूंगरपुर दोनों घर आये और अपने मोबाइल में लाये परीक्षा का पेपर सभी अभ्यर्थियों को बोलकर हल करवाया जिससे सभी अभ्यर्थियों का वनरक्षक भर्ती 2022 में चयन हो गया। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस टीम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. राजेश भारद्वाज, एसओजी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लाखन सिंह मीना, एसओजी पुलिस उप अधीक्षक बाबूलाल मुरारिया, सहायक उपनिरीक्षक अमरसिंह व चन्द्रवीर सिंह, एसओजी हैड कांस्टेबल संतोष कुमार, एसओजी कांस्टेबल लक्ष्मणलाल, एसओजी चालक कांस्टेबल अरविन्द कुमार, कांस्टेबल कैलाशचंद्र शामिल थे।

कश्मीर में दो...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुठभेड़ कुलगाम के मोदरगाम गांव में उस समय शुरू हुई जब सुरक्षा बलों की संयुक्त टीमें आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद इलाके में घेराबंदी और तलाश अभियान (कासो) चला रही थीं।

एक सुरक्षा अधिकारी ने कहा,जब सेना की संयुक्त टीम पर गोलीबारी शुरू हुई तो अभियान एक मुठभेड़ में बदल गया। शुरुआती गोलीबारी में सेना की एलीट यूनिट का एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल जवान को एक चिकित्सा सुविधा में ले जाया गया जहाँ उसकी मौत हो गई।

केन्द्रीय बजट...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विशेष सत्र आयोजित किया गया था। नए सांसदों ने शपथ ली और 27 जून को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया।

मु.मंत्री भजनलाल ने जयपुर शहर के विभिन्न प्रोजैक्ट्स का निरीक्षण किया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को हीरापुरा बस टर्मिनल (अजमेर रोड) पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मु.मंत्री ने, मानसरोवर से अजमेर रोड तक मैट्रो विस्तार के निर्माण कार्यों का भी अवलोकन कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये।

- **मुख्यमंत्री ने हीरापुरा बस टर्मिनल तथा जयपुर मैट्रो फेज़ प्रथम-डी के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया।**
- **सांगानेर में, मु.मंत्री ने 300 बेड की क्षमता वाले अस्पताल का निर्माण कार्य शीर्घ करने का निर्देश दिया।**
- **मु.मंत्री आर.यू.एच.एस. भी गए तथा स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया और वहाँ भर्ती मरीजों से भी बात की।**

जयपुर, 6 जुलाई (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आमजन के आवागमन एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का धरातल पर जायजा लेने के लिए शनिवार को जयपुर शहर के विभिन्न प्रोजेक्ट्स का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों एवं व्यवस्थाओं के संबंध में अधिकारियों से चर्चा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने सबसे पहले अजमेर रोड स्थित हीरापुरा बस टर्मिनल पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से प्रोजेक्ट के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यात्रियों के लिए पेयजल की उचित व्यवस्था, बैठने हेतु छायादार स्थान, सफाई व्यवस्था सहित विभिन्न मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए ताकि अगस्त माह से बसों का संचालन प्रारम्भ किया जा सके।

मुख्यमंत्री शर्मा ने जयपुर विकास प्राधिकरण एवं नगर निगम के अधिकारियों को मानसून में भारी बारिश से होने वाली समस्याओं से बचाव के लिए पूर्व में ही माकूल व्यवस्था करने के निर्देश दिए, जिससे आमजन को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। शर्मा ने मानसरोवर में जयपुर मेट्रो फेज 1-डी के तहत मानसरोवर से अजमेर रोड चौराहा तक मेट्रो विस्तार के प्रगतिरत निर्माण कार्य का अवलोकन किया।

इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए शीघ्र इस प्रोजेक्ट को पूर्ण किया जाए। उन्होंने नवनिर्मित हीरापुरा बस टर्मिनल तक मेट्रो सुविधा के विस्तार के संबंध में चर्चा की। साथ ही, मेट्रो के फेज-2 के लिए रूट निर्धारित करने तथा डीपीआर बनाने के लिए टेण्डर शीघ्र किए जाने के संबंध में निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने सांगानेर में खुली जेल का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने 300 बेडेड अस्पताल बनाने के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को एक सप्ताह में भूमि आवंटन की कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस कार्य की शीघ्र डीपीआर तैयार करें, जिससे दीपावली से पहले निर्माण कार्य का शिलान्यास किया जा सके।

शर्मा इसके बाद राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हैल्थ साइंस (आरयूएचएस) पहुंचे। यहां उन्होंने मॉडर्न डायग्नोस्टिक सेंटर, आईसीयू कॉम्प्लेक्स, आई ओटी यूनिट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को आरयूएचएस में चिकित्सा सुविधाओं को बेहतर बनाने, चिकित्सकों की नियुक्ति करने, मरीजों के परिजनों के ठहरने की उचित व्यवस्था करने के संबंध में निर्देश दिए।

राज्यपाल व विधानसभा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मीडिया हैण्डिल "एक्स" पर डाली गई एक पोस्ट में संविधान के एक प्रावधान का हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि कोई विधायक, सदन का विधिवत सदस्य बनने से पूर्व शपथ अथवा प्रक्रियानुसार पुष्टि के लिए राज्यपाल या उनकी तरफ से इस कार्य के लिए नियुक्त किए गए किसी व्यक्ति के समक्ष अपनी सहमति प्रकट करता है। उन्होंने स्पीकर द्वारा दिए अन्य नियमों के हवाले भी खारिज करते हुए लिखा कि "क्या कोई भी नियम संविधान से ऊपर हो सकता है?" लेकिन राज्यपाल ने जब शपथ दिलाने अथवा यह जिम्मेदारी किसी और को देने से इंकार कर दिया था, तब पिछले हफ्ते बनर्जी और सरकार विधानसभा भवन के बाहर धरने पर बैठ गए थे।

किन्तु, राज्यपाल ने आज सुबह ही एक फरमान जारी कर डेपुटी स्पीकर को शपथ दिलाने के लिए अधिकृत किया था। हालांकि, स्पीकर ने तब तक विधानसभा का एक विशेष सत्र आयोजित करने का आदेश दे चुके थे। जिसमें यह घोषणा की गई कि सदन की कार्यवाही का संचालन सिर्फ राज्यपाल की सहमति पर ही निर्भर नहीं हो सकता। स्पीकर बिमान बनर्जी ने राष्ट्रपति की मदद भी मांगी और राज्यपाल पर अहंकारपूर्ण बर्ताव का आरोप लगाया। गतिरोध तब और गहरा गया जब राज्यपाल ने उक्त दोनों विधायकों को शपथ ग्रहण के लिए अपने आवास पर आमंत्रित किया। स्पीकर व तृणमूल ने इस बात पर जोर दिया कि बोस को विधानसभा में आना चाहिए। बनर्जी ने कहा, "हम उनका व संविधान का सम्मान करते हैं, परन्तु वे हमें आदर नहीं दे रहे हैं। उन्हें विधानसभा में आना चाहिए और शपथ ग्रहण करना चाहिए अथवा प्राधिकार अध्यक्ष को प्रदान किया जाना चाहिए। हम यहाँ संवैधानिक तौर पर बैठे हुए हैं- हम निर्वाचित हैं, आपकी तरह मनोनीत पद पर नहीं है।" शुभेन्दु अधिकारी ने कहा, इस बीच भाजपा ने भी शपथ ग्रहण समारोह की आलोचना की है उसने दावा किया कि उन्हें विशेष सत्र के बारे में नहीं कहा गया था। "मेरे पास इस संबंध में सूचना नहीं थी और कोई नोटिस भी प्राप्त नहीं हुआ था। प्रत्येक राज्य में शिष्टाचार के तौर पर विपक्ष के नेता को बुलाया जाता है परन्तु यहाँ हमसे कोई चर्चा नहीं की गई।" अधिकारी, जो पूर्व में मु.मंत्री ममता बनर्जी के खास सहयोगी रह चुके हैं वो विसं. चुनावों से ठीक कुछ सप्ताह पूर्व भाजपा में शामिल हुए थे वो अब विपक्ष के नेता हैं।

संवैधानिक कानून के जानकार विशेषज्ञों का मत है कि बंगाल के राज्यपाल संवैधानिक रूप से गलत कदम उठा रहे हैं क्योंकि वे अनावश्यक रूप से सिर्फ संकट उत्पन्न करने का प्रयास कर रहे हैं। पहली बात यह है कि उन्होंने शपथ ग्रहण कराने में विलम्ब किया जबकि दोनों विधायक 5 जून को ही चुनावों में जीत चुके थे और उसके बाद यह है कि वे विधायकों को उनके निवास पर शपथ ग्रहण करने के लिए बुला रहे थे जो कि नियमानुसार नहीं है। यह बहुत ही अजीब बात है कि राज्यपाल नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलवाने के लिए उपाध्यक्ष की नियुक्ति करते हैं और अध्यक्ष को नज़रअंदाज करते हैं विशेषज्ञों ने यह भी कहा कि यह सब झमेला समस्या का संकट उत्पन्न करने के लिए किया जा रहा है।

तेलंगाना में रैवन्त रेड्डी ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उपस्थिति में कांग्रेस में शामिल होने के बाद, अब पार्टी के नेता व कार्यकर्ता धीरे ही सही परन्तु कांग्रेस में आ रहे हैं। बी.आर.एस. को जोर का झटका उस समय लगा जब शुक्रवार को विधान परिषद के छः एम.एल.सी. नेताओं ने एक प्रायवेट होटल में बैठक की और कांग्रेस में सम्मिलित होने का निर्णय किया। कांग्रेसी सूत्रों के हवाले से खबर है कि "मध्य रात्रि को लगभग 1 बजे ये नेतागण तेलंगाना कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष व मुख्यमंत्री ए.रेवन्त रेड्डी के आवास पर पहुंचे थे जो कुछ देर पूर्व ही नई दिल्ली से वापस आए थे, उनसे मिलकर इन नेताओं ने पार्टी में शामिल होने की इच्छा व्यक्त की।"

रेवन्त रेड्डी ने उनका अनुरोध स्वीकार कर लिया और सभी छः नेताओं को तेलंगाना की ए.आई.सी.सी. प्रभारी दीपा दास मुंशी, राज्य के राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी एवं पार्टी के अन्य नेताओं की उपस्थिति में पार्टी में शामिल कर लिया। बी.आर.एस. के छः विधायकों द्वारा दलबदल कर कांग्रेस में शामिल होने के बाद 40 सदस्यीय विधान परिषद में सत्ताधारी पार्टी की सदस्य संख्या बढ़कर अब 10 हो गई है जबकि इस विपरीत बी.आर.एस. के विधायकों की संख्या 25 से ङटकर 19 रह गई है। इसके अत्तिरिक्त, इसमें चार मनोनीत एम.एल.सी. हैं जिसमें से दो सदस्य ए.आई.एम.आई.एम. से हैं तथा भाजपा एवं पी.आर.टी.यू. दोनों से एक-एक सदस्य हैं और एक निर्दलीय है जबकि दो सीट रिक्त चल रही है।

राज्य विधानसभा में, कांग्रेस पहले ही बी.आर.एस के छः एम.एल.ए. को तोड़ चुकी है। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री के.टी. रामाराव ने दलबदल करवाने को लेकर कांग्रेस की आलोचना की। सोशल मीडिया एक्स पर डाली गई एक पोस्ट में के.टी.आर. ने कहा "दलबदल करना कांग्रेस के घोषणा पत्र के खिलाफ जिसने इस मामले को लेकर संविधान की दसवीं अनुसूची में संशोधन करने का वादा किया था, जिसमें निर्वाचित सदस्यों के दलबदल कर एक पार्टी से दूसरी पार्टी में जाने पर स्वतः अयोग्य करने की मांग की गई है। के. केशव राव ने कांग्रेस में शामिल होने के बाद राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। रामराव ने कहा कि वे इस निर्णय का स्वागत करते हैं परन्तु बी.आर.आस. के उन विधायकों का क्या होगा जिन्होंने दलबदल किया और कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ा था तथा उन आधा दर्जन अन्य विधायकों का क्या होगा जो दलबदल करके कांग्रेस में सम्मिलित हुए हैं?" के.टी.आर. ने यह भी पूछा और राहुल गांधी पर निशाना साधा कि क्या उन्होंने इसी तरह से संविधान को सही ठहराया है।

के.टी.आर. ने अपने एक्स पोस्ट पर पूछा "यदि आप बी.आ.एस. के विधायकों से इस्तीफा नहीं ले सकते तो आप पर देश कैसे भरोसा करेगा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र अनुसार दसवीं अनुसूची में संशोधन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं? यह कैसा न्याय पत्र हैं?" बी.आर.एस. ने पिछले साल हुए विधानसभा चुनावों में 39 सीटे जीती थी और सत्ता से बाहर हो गई। परन्तु उनकी संख्या छः विधायकों को कांग्रेस में दलबदल कर जाने के बाद कम हो गई और एक एम.एल.ए. की एक दुर्घटना में मृत्यु हो गई। 119 सदस्यों वाली विधानसभा में जिस समय विधानसभा का गठन हुआ था कांग्रेस के सदस्यों की संख्या 65 थी जो अब बढ़कर 71 हो गई है।

गहलोत राज में राज्य भंडारण निगम द्वारा अरबों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रकम मिलेगी। श्री शुभम लॉजिस्टिक ने बीकानेर में 29 गोदाम किराये पर लिए और उन्हें ए.एल.पी. के अधीन मानते हुए किराया राशि मात्र 15 प्रतिशत ही भंडारण निगम को दी, इससे विभाग को करीब 6 करोड़ रुपये की हानि हुई।

एम.ओ.यू. में एक शर्त यह भी थी कि, गोदामों में जमा स्टॉक का बीमा श्री शुभम लॉजिस्टिक कंपनी को ही करवाना था, लेकिन कंपनी ने इंश्योरेंस नहीं कराया, इस कारण करीब 3000 करोड़ रु. स्टॉक बिना किसी बीमा के रखा हुआ था। इस गंभीर लापरवाही के बावजूद कंपनी पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। कंपनी द्वारा गोदामों पर स्टाफ तैनात नहीं करने के कारण सरकारी कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई थी, इनके वेतन के 4 करोड़ रु. कंपनी से वसूले जाने चाहिए थे। मंत्री का आरोप है कि, वेयर हाऊस मैनेजमेंट सिस्टम के लिए डब्ल्यू.ई. एक्सेल सॉफ्टवेयर कंपनी चंडीगढ़ से 3.7 करोड़ रुपये का सॉफ्टवेयर एकल निविदा में खरीदा गया, अगर यह टैंडर खुली शर्तों में होता तो करीब 2.5 करोड़ रु. की बचत होती।

डॉ. किरोडीलाल का कहना है कि गहलोत राज में हुआ यह टैंडर शुरू से ही विवादों में रहा, क्योंकि इसकी शर्तें कुछ इस प्रकार तय की गई थी कि इन दोनों कंपनियों के अलावा कोई इस निविदा में भाग ही नहीं ले सके। हैरानी की बात यह थी कि इस टैंडर के खिलाफ राजस्थान हाईकोर्ट में भी एक याचिका दायर हुई थी, जिस पर अदालत ने टैंडर पर रोक लगा दी थी। इसके बाद तत्कालीन गहलोत सरकार व राज्य भंडारण निगम ने श्री शुभम लॉजिस्टिक कंपनी को टैंडर देने के लिए राजस्थान उच्च न्यायालय के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी और अदालत ने कुछ समय के लिए हाईकोर्ट के आदेश पर अस्थाई रोक हटायी थी, इसी बीच विभाग ने कंपनियों के साथ अनुबंध कर लिया। आज भी इस प्रकरण पर अंतिम फैसला आना शेष है।

राज्य सरकार को भेजी गई सी.ए.जी. रिपोर्ट :- सी.ए.जी. की रिपोर्ट में कहा गया है कि, एम.ओ.यू. की शर्तों के क्लॉज 15 में लिखा है कि अनुबंधित कंपनी को सरकार द्वारा निर्धारित गोदामों की 70 प्रतिशत की उपयोगिता सुनिश्चित करनी थी। इस रिपोर्ट में भी माना गया कि इस शर्त की पालना नहीं करने पर, जुलाई 2023 तक राज्य सरकार को इस कंपनी से 64.08 करोड़ रुपये की पेनल्टी वसूलनी जानी थी, लेकिन इस रकम में से मात्र 46.54 करोड़ रु. ही वसूले गए, जबकि 17.64 करोड़ रु. अभी भी बकाया है। खास बात यह है कि दोनों कंपनियों को भंडारण निगम को 24.34 करोड़ रु. की बैंक गारंटी देनी थी, लेकिन इन कंपनियों ने मात्र 22.20 करोड़ रु. ही जमा करवाए। जब लेखाकारों ने भंडारण निगम अधिकारियों से इस बारे में जवाब मांगा तो उन्होंने कहा कि, यह प्रकरण अदालत में आर्बिट्रेशन में है, इसका फैसला लंबित है। लेखाकारों ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि, भंडारण निगम का यह जवाब स्वीकार योग्य नहीं है। उन्होंने आगे यह भी टिप्पणी की है कि, जब वर्ष 2021-22 में ही पता चल गया था कि दोनों कंपनियां गोदामों की 70 फीसदी उपयोगिता सुनिश्चित करने में फेल साबित हो ही रही तो फिर वर्ष 2022 से 2024 तक इन कंपनियों के साथ राजस्व साझा का अनुबंध जारी क्यों रखा गया?

ऑडिट रिपोर्ट की शर्त 15 में यह भी तय था कि, भंडारण निगम और श्री शुभम लॉजिस्टिक के बीच राजस्व साझेदारी क्रमशः 71:29 फीसदी की रहेगी, परन्तु यह राजस्व 15:85 के क्रम में मिला। ऑडिट रिपोर्ट में कहा गया है कि भंडारण निगम ने, श्री शुभम लॉजिस्टिक को 'एग्री लॉजिस्टिकल पार्क' (ए.एल.पी.) में 75.96 करोड़ रु. का बिजनेस दिया, इस कारण कंपनी के राजस्व का प्रतिशत 29 प्रतिशत के बजाय 85 पहुंच गया। इससे पता चलता है कि भंडारण निगम ने इन कंपनियों को जुलाई 2020 से मार्च 2023 के बीच 26.22 करोड़ का अतिरिक्त बिजनेस दिया। उल्लेखनीय है कि ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार कि गोदाम किराया, संधारण व स्टाफ वेतन का 32 प्रतिशत निगम ने दोनों कंपनियों को वसूलने दिया, जो कि करीब 49.74 करोड़ रु. की रकम थी।

जब निगम प्रशासन से लेखाकारों ने इस संदर्भ में पूछताछ की तो उन्होंने जवाब दिया कि, ए.एल.पी. में 85 प्रतिशत बिजनेस देने का फैसला बोर्ड ऑफ डायरैक्टर्स की मीटिंग में लिया गया था और ऐसा वर्ष 2010 से हो रहा है। लेखाकारों ने इस जवाब को भी संतुष्टिपूर्ण नहीं माना है।

ऑडिट रिपोर्ट में कहा गया कि, इन दोनों कंपनियों ने गोदामों में रखी गई कृषि उपज की एवज में 2430 करोड़ रु. का अपर्याप्त बीमा कराया, जिससे किसानों को फसल खराबे की स्थिति में भारी नुकसान झेलना पड़ सकता है। जब इस मुद्दे पर लेखाकारों ने भंडारण निगम से सवाल किया तो जवाब मिला कि प्रशासन ने दोनों कंपनियों को ई-मेल लिखा है और जवाब आने पर ऑडिटर्स को बता दिया जायेगा। लेखाकारों की टिप्पणी है कि निगम प्रशासन का यह जवाब, इंश्योरेंस लागू करवाने का फैलियर साफ जाहिर करता है।

ऑडिट रिपोर्ट में सामने आया है कि, दोनों कंपनियों ने अनुबंध के मुताबिक अतिरिक्त भंडारण क्षमता को बनवाने और उपयोग की एवज में 9.41 करोड़ रु. की अतिरिक्त परफॉरमेंस सिक्यूरिटी राशि जमा नहीं करायी। लेखाकारों को इस मुद्दे पर विभाग ने जवाब दिया है कि, हमने दोनों कंपनियों को कई बार बैंक गारंटी जमा करवाने के लिए पत्र लिखे हैं, लेकिन अभी तक भी यह लंबित है और प्रक्रिया जारी है। ऑडिटर्स ने इस जवाब को भी उपयुक्त नहीं पाया है। ऑडिट रिपोर्ट में टिप्पणी की गई कि एक वर्ष बीतने के बाद भी बैंक गारंटी वसूली नहीं होना भंडारण निगम का एक बड़ा फेलियर है। ऑडिट रिपोर्ट में लिखा गया है कि, गोदामों पर सरकारी कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने की एवज में कंपनियों से 4.17 करोड़ रु. का वेतन राशि वसूलने में भी भंडारण निगम फेल साबित हुआ है। इसके अलावा भी अन्य कई मदों में करीब 6 करोड़ रु. की वसूली नहीं की गई है।

दोनों कंपनियों की बैंक गारंटी उपलब्ध नहीं कराने और कृषि उपज के स्टॉक का इंश्योरेंस नहीं करवाने और टैंडर की अन्य शर्तों की पालना नहीं करने पर उठे विवाद पर राज्य भंडारण निगम ने इन कंपनियों का भुगतान रोक दिया था। इसके बाद 3 अगस्त 2023 को इन कंपनियों ने भंडारण निगम की सहमति से राजस्थान हाईकोर्ट पहुंचकर आर्बिट्रेटर की नियुक्ति करवाई।

बताया जा रहा है कि आर्बिर्टटर ने फैसला दिया है कि, भंडारण निगम इन कंपनियों को भुगतान कर दे, इसके बाद कंपनियां भी अपनी शेष बैंक गारंटी विभाग को जमा करवा दें। हैरानी की बात है कि ऑडिटर्स की कड़ी टिप्पणियों के बावजूद भी राज्य भंडारण निगम ने आर्बिट्रेशन" के माध्यम से इस मामले का निपटारा क्यों करना उचित समझा। इससे भी बड़ी ताज्जुब की बात है कि, सी.ए.जी. व अन्य वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट्स में कंपनियों व भंडारण निगम की कार्यशैली पर कई सवाल खड़े किए जाने के बावजूद भी आर्बिट्रेटर द्वारा इस तरह का अवॉर्ड दिया गया, जिससे प्रतीत होता है कि कंपनियों को बहाल किया जा रहा है। वर्तमान में यह प्रकरण सुप्रीम कोर्ट के समक्ष भी लंबित है। इस प्रकरण में आर्बिट्रेटर द्वारा दिए गए अवॉर्ड को भी राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

अमेरिका में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गई। फिलाडेल्फिया, बोस्टन और कनेक्टिकट में गोलीबारी की घटनाओं में तीन लोग मारे गए। क्वींस सेक्शन में एक अपार्टमेंट में आठ साल के एक लड़के की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पिछले साल भी स्वतंत्रता दिवस के मौके पर छुट्टी के दिन गोलीबारी में एक दर्जन से ज्यादा लोग मारे गए थे।

काफी रोचक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कश्मीर भू-भाग में आती हैं। भाजपा किसी को भी मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश नहीं करेगी, चुनावों में प्रचार व वोट के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे का इस्तेमाल किया जाएगा।

संभावना है कि भाजपा, पूर्ववर्ती रियासत के डोगरा राजा महाराजा हरिसिंह की विरासत को मुद्दा बनाकर चुनाव लड़ना चाहेगी जिन्होंने भारत संघ में शामिल होने का फैसला किया था। भजपा पार्टी के प्रचार मुद्दों की रणनीति में पी.डी.पी. की महबूबा मुफ्ती को अनन्तनाग-राजौरी के चुनावों में हुए नुकसान को तथा अभी कुछ समय पूर्व समाप्त हुए लोकसभा चुनावों में हार के मुद्दे को भुनाना चाहती है।

भाजपा के करीबी सूत्रों का कहना है कि भाजपा चुनावों में जम्मू व कश्मीर बैंक घोटाला तथा प्रचार में रोशनी घोटाला कांड को भी उठाएगी।

अल्पसंख्यक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिये अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों को 20 लाख रुपये की छात्रवृति देती है।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908